हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 7, अंकः 346, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 9 जून, 2023 दिन शुक्रवार गाजीपुर/वाराणसी

भारत-बांग्लादेश के बीच 11 जून से सीमा वार्ता, कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर होगी चर्चा

साथ ही दोनों पक्षों के बीच तालमेल को और बेहतर बनाने के उपायों पर बातचीत की जाएगी

नई दिल्ली। भारत और बांग्लादेश इस सप्ताह के अंत में राष्ट्रीय राजधानी में अपनी द्विवार्षिक सीमा-स्तरीय वार्ता करेंगे। इस वार्ता के दौरान, दोनों देशों के सुरक्षा एजेंसियों के बीच सीमा पार अपराधों से जुड़े कई मुद्दों चर्चा की जाएगी। साथ ही दोनों पक्षों के बीच तालमेल को और बेहतर बनाने के उपायों पर बातचीत की जाएगी।

दोनों देशों के बीच 11 जून से होगी वार्ता- इसको लेकर बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के 15 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल शनिवार को नई दिल्ली पहुंचेगा, जो अपने भारतीय समकक्ष सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के साथ 11 से 14 जून के बीच होने वाली चार दिवसीय वार्ता में शामिल होगा।

वार्ता में कौन-कौन होंगे शामिल?- जानकारी के अनुसार, बीजीबी का नेतृत्व इसके महानिदेशक (डीजी) मेजर जनरल एकेएम नजमुल हसन करेंगे, जबकि बीएसएफ प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व डीजी सुजॉय लाल थाउसेन करेंगे। इन दो प्रतिनिधिमंडलों में गृह मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और एंटी-ड्रग्स प्रवर्तन के अधिकारी भी शामिल होंगे। बता दें कि यह वार्ता का 53वां संस्करण होगा। इससे पहले इस वार्ता की आखिरी बैठक पिछले साल जुलाई में हुई थी। उस दौरान, बीएसएफ प्रतिनिधिमंडल ने बांग्लादेश की राजधानी ढाका की यात्रा की थी।

विभिन्न मुद्दों पर होगी बातचीत- गृह मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच सीमा प्रबंधन, अपराधों की जांच और समन्वित सीमा प्रबंधन योजना (सीबीएमपी) को लागू करने को लेकर बातचीत होगी। उन्होंने कहा कि बीजीबी और बीएसएफ के बीच आपसी विश्वास बढ़ाने और मौजूदा संबंध को और मजबूत करने से संबंधित कई मुद्दों पर विचार-विमर्श होगा। बता दें कि बीएसएफ भारत के पूर्वी हिस्से में बांग्लादेश से लगे 4,096 किलोमीटर लंबे अंतरराष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा करता है। ये वार्ता 1975 और 1992 के बीच वार्षिक रूप से आयोजित की गई थी, लेकिन उन्हें 1993 में द्वि-वार्षिक बना दिया गया। बीएसएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि दोनों देशों और बलों के बीच बहुत अच्छे संबंध हैं। उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष इन संबंधों को बढ़ाने के लिए काम कर रहे हैं।

सरकार के हस्तक्षेप के बाद हवाई किराए में 61 प्रतिशत की आई कमीः ज्योतिरादित्य सिंधिया

नई दिल्ली। नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बुधवार को कहा कि 6 जून को हुई एयरलाइंस की सलाहकार समूह की बैठक के बाद दिल्ली से कुछ मार्गों पर हवाई किराए में 14 से 61 प्रतिशत की कमी की गई है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) और मंत्रालय के निगरानी प्रयासों पर जोर देते हुए, सिंधिया ने दिल्ली से श्रीनगर, लेह, पुणे और मुंबई जैसे गंतव्यों के लिए अधिकतम किराए में कमी पर संतोष व्यक्त किया। सिंधिया ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि 6 जून को दिल्ली से श्रीनगर, लेह, पुणे और मुंबई को जोड़ने वाली उड़ानों पर अधिकतम किराया 14-61 प्रतिशत कम हो गया है। डीजीसीए और मंत्रालय दैनिक किराए की निगरानी कर रहे हैं। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के तहत पिछले नौ वर्षों में विमानन क्षेत्र द्वारा किए गए कार्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने आगे कहा कि निजी एयरलाइन कंपनियों की भी अपनी सामाजिक जिम्मेदारी होती है और सभी क्षेत्रों में किराया बढ़ाने की एक सीमा होनी चाहिए।

पुलिस ने तोड़ा फ्लैट का दरवाजा तो बिखरे दिखे युवती के टुकड़े

मुंबई। दिल्ली में हुए श्रद्धा वालकर हत्याकांड से अभी लोग पूरी तरह उभर नहीं पाए थे कि एक और रोंगटे खड़े कर देने वाला नया मामला सामने आ गया। विचलित कर देने वाला मामला महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में देखने को मिला है। मीरा इलाके में एक शख्स ने अपनी लिव-इन पार्टनर का बेरहमी से कत्ल कर दिया। इतना ही नहीं, दरिंदे ने युवती की लाश को धारदार हथियार से कई टुकड़ों में काट दिया। ये शख्स इतने में ही नहीं रुका उसने शव के टूकड़ों को कुकर में भी उबाला।

फिलहाल, आरोपी पुलिस की गिरफ्त में है। उससे पूछताछ चल रही है। इस मामले में एक के बाद एक हैरान कर देने वाली रिपोर्ट सामने आ रही है। बता दें, दिल दहला देने वाला ये मामला मीरा रोड थाने पर स्थित एक सोसाइटी का है। 56 वर्षीय मनोज साहनी अपनी लिव-इन पार्टनर 32 वर्षीय सरस्वती वैद्य के साथ रहता था। सोसाइटी में रहने वाले अन्य लोगों को कुछ दिनों से मनोज के फ्लैट से बदबू आ रही थी। लोगों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। लोगों से सूचना मिलते ही नयानगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और फ्लैट की जांच की। फ्लैट में घुसते ही पुलिस सन्न रह गई। बताया जा रहा है कि पुलिस जब दरवाजा तोड़कर फ्लैट के अंदर घुसी तो उसे एक कमरे में सरस्वती के शरीर के कई टुकड़े बिखरे मिले। वहीं, एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस को देखते ही साहनी ने भागने की कोशिश की। हालांकि, पुलिस ने उसे दबोच लिया। बाद में जब पुलिस फ्लैट के अंदर गई तो देखा कि युवती का कटा हुआ पैर पड़ा था।

कहा जा रहा है कि आधे से ज्यादा युवती के शरीर को आरोपी नष्ट कर चुका था। वहीं, आसपास के लोगों ने बताया कि मनोज को पहले कभी कुत्तों के साथ नहीं देखा था। जबकि कुछ दिनों से वो कुत्तों को रोजाना कुछ न कुछ खिलाता हुआ दिखता था। पुलिस बयान से अंदाजा लगा रही है कि आरोपी ने जरूर शव के टुकड़ों को कुत्तों को खिलाया होगा। वहीं, यह भी कयास लगाए जा रहे हैं कि उसने कुछ टुकड़ों को फ्लश भी किया होगा। रिपोर्ट के अनुसार, युवती के हत्या दो से तीन दिन पहले की गई है। इस बीच वह करीब सात से आठ टुकड़े कुकर में उबाल चुका। जबकि पुलिस को एक कटा पैर और 13 शव के टुकड़े मिले हैं। वहीं, इस मामले को लेकर अब विपक्ष ने सरकार से आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। एनसीपी नेता और सांसद सुप्रिया सुले ने राज्य के गृहमंत्री और डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस से अपील करते हुए कहा कि इस मामले पर गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत है। जांच एजेंसियों को इस मामले में आरोपी के खिलाफ फास्ट ट्रैक कोर्ट में मुकदमा चलाने और उसे मौत की सजा देने की कोशिश करनी चाहिए।

लखनऊ कोर्ट में मारे गए गैंगस्टर जीवा की पत्नी सुप्रीम कोर्ट पहुंची, अंतिम संस्कार में शामिल होने की मांगी अनुमति

नई दिल्ली। लखनऊ कोर्ट में मारे गए गैंगस्टर संजीव जीवा की पत्नी पायल माहेश्वरी ने पति की हत्या के बाद आज सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। पायल ने पति के अंतिम संस्कार की रस्मों में शामिल होने की अनुमति और गिरफ्तारी से संरक्षण के लिए अंतरिम राहत की मांग की है। जीवा की पत्नी पायल ने कहा कि पति की तरह मेरी भी हत्या कराई जा सकती है, इसलिए मुझे गिरफ्तार न किया जाए और सुरक्षा दी जाए। पायल ने गिरफ्तारी से राहत की भी मांग की। वहीं, उत्तर प्रदेश सरकार ने मामले में सुप्रीम कोर्ट को बताया कि अगर जीवा की पत्नी अंतिम संस्कार में शामिल होती हैं तो उसे कोई आपत्ति नहीं है। यूपी की योगी सरकार ने पायल को जीवा के अंतिम संस्कार में शामिल होने पर आपत्ति नहीं जताई, लेकिन सरकार ने कोर्ट से कहा कि इसे और कोई राहत न दी जाए। इसके बाद कोर्ट ने पायल को अपनी याचिका की कॉपी यूपी सरकार को देने को कहा है। यूपी की लखनऊ कोर्ट में बीते दिन हमलावर ने गैंगस्टर जीवा पर 6 गोली बरसाकर उसकी हत्या कर दी। हालांकि, एक आरोपी को वकीलों ने घटनास्थल पर ही पकड़ कर पुलिस को सौंप दिया। वहीं, दूसरा आरोपी भीड़ का फायदा उठाकर भाग गया। वहां, मौजूद अन्य लोगों के अनुसार हमलावर ने वकील की पोशाक पहन रखी थी और उसने छह गोलियां चलाईं। जीवा पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले का निवासी था। बता दें कि जीवा अपनी पेशी को लेकर कोर्ट जा रहा था। तभी अचानक से 6 गोलियां चलाकर हमलावर ने उसे मार डाला और सभी देखते ही रह गए।

बाइक सवार पति-पत्नी, बच्ची समेत चार की मौत, मंजर देख कांप गया लोगों का कलेजा

लखीमपुर खीरी। लखीमपुर खीरी जनपद के पलियाकलां क्षेत्र में बृहस्पतिवार को भीषण सड़क हादसा हो गया। निघासन मार्ग पर बोझवा के पंचमुखी हनुमान मंदिर के पास कार और ट्रैक्टर की आमने सामने से टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रैक्टर दो हिस्सों में बंट गया। ट्रैक्टर का एक हिस्सा जहां रोड के किनारे उतर गया। वहीं दूसरा हिस्सा पीछे से आ रही बाइक से जा टकराया। हादसे में बाइक पर सवार युवक, उसकी पत्नी, बच्ची और उसके साले की मौके पर ही मौत हो गई। कार और ट्रैक्टर सवार लोग मामूली रूप से चोटिल हुए हैं। जानकारी के मुताबिक जनपद सीतापुर के बिसवां निवासी जाबिर पुत्र अलीशेर (32) पत्नी-बच्ची के साथ अपनी ससुराल त्रिलोकपुर आया था। बृहस्पतिवार को वह परिवार के साथ घर जाने के लिए निकला था। उसका साला चांद उनको बाइक पर बैठाकर पलिया तक छोड़ने जा रहा था। एक ही बाइक पर चारों लोग सवार थे। बोझवा के पंचमुखी हनुमान

मंदिर के पास हुए हादसे के बाद ट्रैक्टर का एक टुकड़ा बाइक से जा टकराया, जिससे बाइक पर सवार जाबिर, उसकी पत्नी खुशनुमा, बेटी जन्नत और साले चांद की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा इतना भयावह था कि घटनास्थल पर मंजर देख लोगों का कलेजा कांप गया। मासूम बच्ची का एक पैर तक कट गया था। चारों के शव सड़क पर इधर-उधर पड़े थे। टक्कर के बाद बाइक में आग लग गई। सूचना मिलते ही कोतवाल प्रमोद कुमार मिश्रा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाया। पुलिस ने कार और ट्रैक्टर को कब्जे में लिया है। हादसे की खबर मिलते ही जाबिर और चांद के परिजन अस्पताल पहुंचे।

इंदिरा गांधी की हत्या के जश्न पर भड़के विदेश मंत्री जयशंकर, बोले- ये कनाडा के लिए ठीक नहीं

नई दिल्ली। कनाडा में पूर्व पीएम इंदिरा गांधी की हत्या का जश्न मनाने की खबरों पर विदेश मंत्री एस जयशंकर का बयान सामने आया है। जयशंकर ने कहा कि कनाडा में इस तरह की घटना दोनों देशों के लिए सही नहीं है। जयशंकर ने इसी के साथ कनाडा को इशारों-इशारों में चेतावनी देते हुए कहा- "मुझे लगता है कि इसमें एक बड़ा मुद्दा शामिल है और स्पष्ट रूप से हमें वोट बैंक की राजनीति से ऊपर उठना होगा। मुझे लगता है कि ये एक बड़ा मुद्दा है कि क्या कनाडा अपनी जमीन अलगाववादियों, चरमपंथियों, हिंसा की वकालत करने वाले लोगों को दे रहा है। मुझे लगता है कि यह रिश्तों के लिए अच्छा नहीं है और विशेषकर कनाडा के लिए तो बिल्कुल सही नहीं है। कांग्रेस ने विदेश मंत्री एस जयशंकर से ब्रैम्पटन में एक परेड में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या को दशार्ने वाली एक झांकी को लेकर

कनाडाई अधिकारियों के साथ सख्ती से पेश आने की अपील की। कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मिलिंद देवड़ा ने एक कथित वीडियो साझा कर कहा, 'कनाडा के ब्रैम्पटन शहर में इंदिरा गांधी की हत्या को दशार्ने वाली 5 किमी लंबी परेड से एक भारतीय के तौर पर मैं स्तब्ध हूं।' देवड़ा ने कहा, "यह पक्ष लेने के बारे में नहीं है, यह देश के इतिहास के सम्मान और इसके प्रधानमंत्री की हत्या के दर्द के बारे में है।" देवड़ा के ट्वीट को टैग करते हुए कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, "मैं पूरी तरह से सहमत हूं! यह निंदनीय है और एस जयशंकर को इसे कनाडा के अधिकारियों के साथ मजबूती से उठाना चाहिए।" उधर, भारत में कनाडा के उच्चायुक्त कैमरून मैके ने घटना की निंदा की है। उन्होंने कहा कि वह अपने देश में उस घटना की खबरों से "हैरान" हैं कि कनाडा में भारतीय प्रधानमंत्री की हत्या का "जश्न" मनाया। मैके ने एक ट्वीट में कहा, "कनाडा में नफरत या हिंसा के महिमामंडन के लिए कोई जगह नहीं है। मैं इन गतिविधियों की कड़ी निंदा करता हूं।"

लखनऊ के इंदिरानगर में फंदे पर लटका मिला 10वीं की छात्रा का शव, दुष्कर्म के बाद हत्या का आरोप

लखनऊ। 10वीं की छात्रा का शव बुधवार शाम उसके घर के अंदर संदिग्ध हालात में फंदे पर लटका मिला। छात्रा के परिवारीजनों ने मोहल्ले में रहने वाले एक किशोर पर दुष्कर्म के बाद हत्या का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि जब वह घर के पास पहुंचे तो उन्होंने आरोपित को भागते देखा था। इंदिरानगर पुलिस ने आरोपित को हिरासत में ले लिया है और पूछताछ कर रही है। इंस्पेक्टर ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की बात कही है। गुरुवार को डाक्टरों के पैनल से वीडियोग्राफी में छात्रा के शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। छात्रा की मां के मुताबिक बेटी एक विद्यालय से 10वीं की छात्रा थी। दोपहर वह काम पर गए थे। इस बीच बेटी घर पर अकेली थी। शाम करीब 4:30 बजे लौटे तो घर से निकलकर एक लड़का भाग रहा था। वह घर पहुंचे तो अंदर फंदे पर बेटी का शव लटक रहा था। उसके कपड़े अस्त-व्यवस्त थे। सूचना पर पुलिस पहुंची फंदे से शव को उतारा गया। इंस्पेक्टर ने बताया कि छात्रा और आरोपित दोनों नाबालिग है। छात्रा के परिवारीजन की तहरीर पर जांच की जा रही है। छात्रा और आरोपित दोनों की फोन पर बात भी होती थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आखिर कौन है कुख्यात शूटर संजीव उर्फ जीवा हत्याकांड का मास्टरमाइंड?

बीकॉम डिग्री धारी युवक को किसने उपलब्ध कराया असलहा, वाहन व लखनऊ में रहने का दिया ठिकाना, जौनपुर का नाम आते ही राजधानी लखनऊ से अंडरवर्ल्ड तक छाया जौनपुर का नाम

प्रखर जौनपुर। यूपी में कभी आतंक का पर्याय रहे मुख्तार गिरोह के चहेते संजीव माहेश्वरी उर्फ जीवा की हत्या ने बागपत जेल में मुन्ना बजरंगी की हत्या के बाद माफिया मुख्तार को यह सबसे बड़ा दूसरा झटका दिया है। लखनऊ कोर्ट रूम में दुस्सासिक तरीके से हुई इस हत्या में जौनपुर का नाम आते ही यह जिला शीर्ष खुफिया एजेंसियों के रडार पर आ गया है।

यही वजह है कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर गठित एसआईटी टीम अपनी जांच के लिये बहुत जल्द जौनपुर आने वाली है। जो विजय यादव के आजमगढ़, मुंबई समेत पूर्वांचल के एक बाहुबली नेता का कनेक्शन तलाशने वाली है। पश्चिमी यूपी के कुछ नामचीन अपराधियों के तार इस बाहुबली

से जुड़े बताए जा रहे हैं।

चूंकि वेस्ट यूपी से पूर्वी यूपी तक 90 के दशक में भाड़े पर हत्याएं करने वाला जीवा भाजपा सरकार के पूर्व कद्दावर मंत्री ब्रह्मदत्त द्विवेदी को फरुर्खाबाद के लोहाई रोड पर 9, 10 फरवरी 1997 की रात एक मांगलिक कार्यक्रम से लौटते समय उनके सरकारी गनर बृज किशोर तिवारी के साथ मौत की नींद सुला दिया था। 29 नवम्बर 2005 को गाजीपुर के भाजपा पूर्व विधायक कृष्णानंद राय को उनकी गाड़ी के बोनट पर चढ़कर जीवा ने एके-47 से गोलियां बरसाई थी।

जीवा के कभी उस्ताद रहे माफिया प्रेम प्रकाश सिंह उर्फ मुन्ना बजरंगी जो जौनपुर जिले के सुरेरी थाना क्षेत्र के पूरे दयाल कसेरू गांव निवासी था । इस घटना में बजरंगी का नाम आते ही अंडरवर्ल्ड में जौनपुर का भी नाम तेजी से उभरा तो जुर्म जरायम से लेकर देश की नामी-गिरामी खुफिया एजेंसियों के कान खड़े कर दिए थे। इस बार संजीव उर्फ जीवा को राजधानी लखनऊ के भरी कचहरी में मौत की नींद सुलाने वाले जौनपुर के बीकॉम डिग्री धारी 20 वर्षीय युवक विजंय उर्फ आंनद यादव का नाम आते ही एक बार फिर प्रदेश की शीर्ष खुफिया एजेंसियों के रडार पर जौनपुर छा गया है।

इसमें फर्क सिर्फ इतना है कि भाजपा विधायक कृष्णानंद राय को मारने वाला माफिया मुन्ना बजरंगी जौनपुर का निवासी था। इस बार बजरंगी के शागिर्द रहे कुख्यात संजीव माहेश्वरी उर्फ जीवा उर्फ डॉक्टर को मौत की नींद सुलाने वाला विजय उर्फ आनन्द यादव जौनपुर का निवासी बीकॉम डिग्री धारी है। 9 जुलाई 2018 को बजरंगी की हत्या की सीबीआई जांच हुई पर अभी तक यह राज नहीं खुला की जेल में हत्या करने वाले सुनील राठी को पिस्टल किसने उपलब्ध कराई थी।

मुख्य साजिशकर्ता कौन था। अब संजीव माहेश्वरी उर्फ जीवा की हत्या में जौनपुर जिले के केराकत थाना क्षेत्र के सरकी सुल्तानपुर निवासी एक मामूली हमलावर का नाम आने से अंडरवर्ल्ड में भी चर्चा हो रही है ।

आखिर उसे राजधानी लखनऊ में किसने असलहा, वकील की कोट,फाईल, वाहन और रहने खाने के साथ ही घटनास्थल की रेकी कैसे और कब करवाई। श्यामा यादव के चार बेटों में दूसरे नंबर के पुत्र विजय उर्फ आनन्द बीकॉम डिग्री धारी इस नौजवान को इतने बड़े कुख्यात अपराधी को मारने का मसौदा किसने तैयार किया। यह खुद अपने आप में एक बड़ा अहम सवाल है। पुलिस महकमे के एक वरिष्ठ अधिकारी की माने तो इस वारदात के बाद से जौनपुर, आजमगढ़ समेत पूर्वांचल के कुछ सफेदपोश रसूखदार जांच एजेंसियों के रडार पर आ गए हैं। जिनसे पूछताछ के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर गठित तीन सदस्यीय एसआईटी टीम बहुत जल्द जौनपुर आने वाली है।

संपादकीय

अलगाववादी तत्त्वों ने फिर से सिर उठाया

बहुत जतन और लंबे जद्दोजहद के बाद देश के कुछ हिस्सों में अलगगाववादी तत्त्वों पर काबू पाया जा सका था और इस तरह के कथित आंदोलनों में लगे लोगों या समूहों को या तो निष्क्रिय किया गया या फिर दरकिनार किया गया। खासतौर पर पंजाब के बाद जम्मू-कश्मीर में इस मामले में काफी हद तक कामयाबी मिली। इस दौरान जब आम लोगों को ऐसे समूहों की गतिविधियों की हकीकत और अंजाम का पता चला तो उन्होंने भी नए सिरे से उनके बारे सोचना शुरू किया और शांति और सद्भाव को प्राथमिकता देने लगे। जनता की भावुकता का फायदा उठा कर शुरू किए गए इस तरह के आंदोलनों का हल अलगाववाद में नहीं, बल्कि सद्भावपूर्ण माहौल में देश की एकता को सुनिश्चित करने से ही संभव है। लेकिन कई सालों के अंतराल के बाद अब एक बार फिर ऐसा लगने लगा है कि देश में एक बहुत छोटे समूह के रूप में ही सही, कुछ अलगाववादी तत्त्वों ने सिर उठाना शुरू कर दिया है। गौरतलब है कि पंजाब में आपरेशन ब्लूस्टार के उनतालीस साल पूरे होने पर मंगलवार को कट्टरपंथी सिख संगठनों के कुछ सदस्यों ने स्वर्ण मंदिर परिसर में खालिस्तान के समर्थन में नारे लगाए। उनके हाथ में भिंडरावाले की तस्वीरों वाली तख्तियां भी देखी गईं। सही है कि स्वर्ण मंदिर में ऐसे प्रदर्शन को नियंत्रित रखने के लिए वहां सुरक्षा व्यवस्था का पुख्ता इंतजाम किया गया था और उस कार्यक्रम में आम लोगों की कोई बड़ी भागीदारी नहीं हुई। इसके बावजूद यह नहीं कहा जा सकता कि आने वाले वक्त में खालिस्तान के नाम पर चलाए जाने वाले अभियान का असर आम लोगों पर नहीं पड़ेगा। कोई भी राजनीतिक गतिविधि अगर अपनी निरंतरता में चलती रहती है तो धीरे-धीरे साधारण और मासूम लोग उस विचार के असर में आने ही लगते हैं। इस लिहाज देखें तो स्वर्ण मंदिर परिसर में खालिस्तान के पक्ष में जिस तरह के नारे लगाए गए, अगर उन्हें वक्त पर रोका नहीं गया तो उनकी हरकतों का दायरा फैल भी सकता है। यह छिपा नहीं है कि एक समय पंजाब में खालिस्तान की मांग के सवाल पर उभरे आंदोलन के बाद देश और खुद पंजाब को उससे छुटकारा पाने के लिए कितनी त्रासद कीमत चुकानी पड़ी थी। इसलिए खालिस्तान के मुद्दे को हवा देते हुए ऐसे सार्वजनिक प्रदर्शन को लेकर सरकार को समय पर सचेत हो जाना चाहिए। एक समय पृथक खालिस्तान के मुद्दे पर ही पंजाब ने अलगाववादी आंदोलन में व्यापक हिंसा, अराजकता और आतंक का दौर देखा है। उसमें सरकार के सामने संप्रभुता का खयाल रखने की चुनौती थी, तो इसी आधार पर हुई कार्रवाई के दौरान उस आंदोलन की वजह से पंजाब के लोगों को व्यापक त्रासदी का सामना करना पड़ा था। आपरेशन ब्लू स्टार उस समय खालिस्तान आंदोलन से निपटने का चरम था, जिसके बाद कई बेहद दुखद घटनाओं का गवाह समूचे देश को बनना पड़ा। बहुत मुश्किल से अलगाववाद की हवा को काबू में किया गया था और पंजाब के लोगों को फिर से सामान्य जीवनयापन के लिए बहुत जतन करना पड़ा। अब जब वहां के आम लोग भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय हिस्सेदार हो चुके हैं, तब ऐसे में दोबारा खालिस्तान का स्वर उठना चिंता की बात है। सरकार को इस पर नजर रखने की जरूरत है कि खालिस्तान के लिए हो रही सुगबुगाहट के पीछे कहीं कोई बाहरी हाथ तो नहीं है। वक्त का तकाजा है कि केंद्र और राज्य सरकार की ओर से हर स्तर पर कार्रवाई के साथ-साथ आम जनता के हक में और उन्हें अपना लगने वाले कदम उठाए जाएं, ताकि खालिस्तान के सवाल को जोर पकड़ने से पहले ही खत्म किया जा सके।

महामारी व युद्ध से उपजी त्रासदी का दीर्घकालिक प्रभाव

यह सही है कि विश्व स्तर पर होने वाली राजनीतिक उथल-पुथल, युद्ध और प्राकृतिक आपदाओं का असर समूची दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है और यह कोई अचानक पैदा हुई स्थिति नहीं है। लेकिन पिछले कुछ साल इस लिहाज से ज्यादा संवेदनशील रहे हैं कि कई स्तर पर पैदा हुई अस्थिरता ने अमूमन सभी देशों की आर्थिक गतिविधियों पर नकारात्मक असर डाला और स्वाभाविक ही वैश्विक स्तर पर होने वाले आकलनों में इसे लेकर चिंता उभरी। इसी सिलसिले में विश्व बैंक ने जिस तरह वैश्विक अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर में गिरावट आने की आशंका जताई है, अगर वह उसी अनुपात में सचमुच हुआ, तो पहले से ही बहुस्तरीय संकटों का सामना करने वाले देशों के लिए कई चुनौतियां खड़ी होंगी। इसे लेकर जिस तरह के आकलन सामने आए हैं, उसमें खुद धनी और विकसित देश भी इसकी चपेट में आ सकते हैं। लेकिन बुनियादी ढांचे में वैकल्पिक व्यवस्थाओं के बूते कुछ देश तात्कालिक तौर पर तो इसका सामना कर भी ले सकते हैं, लेकिन उनके लिए भी शायद बड़े झटकों को सहना मुश्किल ही होगा। असली संकट वैसे देशों के सामने आ सकता है, जो पहले ही कई स्तर पर आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। इसके बरक्स कुछ गरीब या विकासशील देश तो अपनी बुनियादी जरूरतों के लिए भी ताकतवर और धनी देशों पर निर्भर हैं। दरअसल, पिछले तीन-चार सालों के दौरान देशों को बुरी तरह प्रभावित करने वाले जैसे हालात पैदा हुए, उसका असर स्वाभाविक ही था। पहले महामारी के असर से उपजी त्रासदी और उसका दीर्घकालिक प्रभाव। इसके बाद पूर्णबंदी और उसकी वजह से दुनिया भर में अर्थतंत्र का एक तरह से ढह जाना। फिर जब कोरोना का जोर थमा और तमाम देश इससे उबरने की कोशिश में थे कि इसी बीच रूस और यूक्रेन में युद्ध शुरू हो गया। जाहिर है, इस सबके बीच आर्थिक गतिविधियां जिस प्रतिकूल हालात का सामना कर रही हैं, उसका मिलाजुला असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ना ही है। फिर अभाव से जूझते देशों और उनके नागरिकों की निजी आर्थिक मुश्किलें भी बढ़ती रहीं, मगर इसके समांतर परिस्थितियों का हवाला देकर बैंकों की ओर से ब्याज दरें भी ऊंची रखी गईं। विश्व बैंक दरअसल दुनिया के एक सौ नवासी देशों में गरीबी उन्मूलन की नीतियों पर काम कर रहा है। उसने अपने ताजा आकलन में कहा है कि वर्ष 2023 में वैश्विक अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 2.1 फीसद रहेगी, जबकि पिछले साल यह 3.1 फीसद रही थी। यानी महामारी और पूर्णबंदी के उथल-पुथल के दौर में भी विश्व की अर्थव्यवस्था में वृद्धि दर मौजूदा दौर से बेहतर स्थिति में थी। यह छिपा नहीं है कि कोरोना महामारी की घोषणा के बाद दुनिया के लगभग सभी देशों में उसके संक्रमण से बचाव के लिए जिस तरह की पाबंदियां लगाई गईं, उसका सीधा असर वैश्विक आर्थिक परिदृश्य पर पड़ा। उस दौरान लगे झटकों से बहुत सारे वैसे क्षेत्र अब भी नहीं उबर पाए हैं, जो किसी देश की आर्थिक रीढ़ हुआ करते थे। इसके बाद अमूमन सभी देशों को महामारी के दौर में अपने लाचार नागरिकों को भूख से बचाने की भी चुनौती खड़ी हो गई थी। कोरोना का जोर कम होने के बाद सभी देश हालात से निपटने की कोशिश में ही थे कि रूस और यूक्रेन के बीच शुरू हुए युद्ध ने वैश्विक स्तर पर आर्थिक मोर्चे पर गहरा नकारात्मक असर डाला। अंदाजा लगाया जा सकता है कि इस सबका असर वैश्विक स्तर पर सभी देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर कैसा पड़ा होगा। इस लिहाज से देखें तो वृद्धि दर में गिरावट का आकलन बस नतीजों का आईना है, जिसमें सभी देशों को विपरीत हालात का सामना करना पड़ा।

महासागरों में फैलता प्रदूषण बना चिंता का विषय

हाल के वर्षों में महासागरों में बढ़ता प्रदूषण चिंता का विषय बनता जा रहा है। अरबों टन प्लास्टिक का कचरा हर साल महासागरों में समा जाता है। आसानी से विघटित नहीं होने के कारण यह कचरा महासागरों में जस का तस पड़ा रहता है। अकेले हिंद महासागर में भारतीय उपमहाद्वीप से पहुंचने वाली भारी धातुओं और लवणीय प्रदूषण की मात्रा प्रतिवर्ष करोड़ों टन है। महासागर हमारी पृथ्वी पर न सिर्फ जीवन के प्रतीक हैं, बल्कि पर्यावरण संतुलन में भी प्रमुख भूमिका अदा करते हैं। पृथ्वी पर जीवन का आरंभ महासागरों से माना जाता है, जिनमें असीम जैव विविधता का भंडार समाया है। पृथ्वी का लगभग सत्तर प्रतिशत भाग महासागरों से घिरा है। पृथ्वी पर उपलब्ध समस्त जल का लगभग सत्तानबे प्रतिशत जल महासागरों में समाया हुआ है। महासागरों की विशालता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि अगर पृथ्वी के सभी महासागरों को एक विशाल महासागर मान लिया जाए तो उसकी तुलना में पृथ्वी के सभी महाद्वीप एक छोटे द्वीप से प्रतीत होंगे।

हर साल आठ जून को दुनिया भर में विश्व महासागर दिवस मनाया जाता है। 1987 में ब्रंटलैंड की एक रिपोर्ट में टिप्पणी की गई थी की विश्व के जो महासागर हैं, उन पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इसी रिपोर्ट से प्रेरित होकर कनाडा ने विश्व महासागर दिवस मनाने का प्रस्ताव रखा। 1992 में कनाडा के इंटरनेशनल सेंटर फार ओशन डेवलपमेंट ने इस दिवस को मानाने का प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र के एक सम्मेलन पृथ्वी सम्मेलन में रखा था। आठ जून 2009 को पहला विश्व महासागर दिवस मनाया गया। इसके बाद से हर साल आठ जून को विश्व महासागर दिवस मनाया जाता है। हर साल विश्व महासागर दिवस के अवसर पर दुनिया भर में महासागर से जुड़े विषयों पर विभिन्न आयोजन किए जाते हैं, जो महासागर के सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं के प्रति जागरूकता पैदा करने में मुख्य भूमिका निभाते हैं।

आज जब विश्व की कुल जनसंख्या का तीस प्रतिशत तटीय क्षेत्रों में निवास करता है तो ऐसी स्थिति में महासागर उनके लिए खाद्य पदार्थों का प्रमुख स्रोत साबित हो सकते हैं। सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक रूप से महत्त्वपूर्ण होने के कारण महासागर अत्यंत उपयोगी हैं। पृथ्वी पर जीवन का अस्तित्व यहां उपस्थित वायुमंडल और महासागरों जैसे कुछ विशेष कारकों के कारण ही संभव हो पाया है। अपने आरंभिक काल से आज तक महासागर जीवन के विविध रूपों को संजोए हुए हैं। पृथ्वी के विशाल क्षेत्र में फैले अथाह जल का भंडार होने के साथ ही महासागर अपने अंदर और आसपास अनेक छोटे-छोटे नाजुक पारितंत्रों को पनाह देते हैं, जिससे उन स्थानों पर विभिन्न प्रकार के जीव-जंतु और वनस्पतियां पनपती हैं। महासागर खाद्य पदार्थों का एक प्रमुख स्रोत होने के कारण हमारी अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में महत्त्वपूर्ण योगदान देते हैं। आज विज्ञान और प्रौद्योगिकी की मदद से महासागरों से पेट्रोलियम सहित अनेक महत्त्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधनों को निकाला जा रहा है। इसके अलावा जलवायु परिवर्तन सहित अनेक मौसमी घटनाओं को समझने के लिए समुद्रों का अध्ययन भी महत्त्वपूर्ण है।

पृथ्वी पर जीवन की उत्पत्ति महासागरों में ही हुई है। आज भी महासागर जीवन के लिए आवश्यक परिस्थितियों को बनाए रखने में सहायक हैं। महासागर पृथ्वी के एक तिहाई से अधिक क्षेत्र में फैले हैं। इसलिए महासागरीय पारितंत्र में थोड़ा-सा परिवर्तन पृथ्वी के समूचे तंत्र को

अव्यवस्थित करने का सामर्थ्य रखता है।

वर्तमान में मानवीय गतिविधियों का प्रभाव समुद्रों पर भी दिखाई देने लगा है। महासागरों के तटीय क्षेत्रों में दिनों-दिन प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा है। जहां तटीय क्षेत्र, विशेष कर नदियों के मुहानों पर सूर्य के प्रकाश की पर्याप्त उपलब्धता के कारण अधिक जैव-विविधता वाले क्षेत्रों के रूप में पहचाने जाते थे, वहीं अब इन क्षेत्रों के समुद्री जल में भारी मात्रा में प्रदूषणकारी तत्त्वों के मिलने से वहां जीवन संकट में हैं। तेलवाहक जहाजों से तेल के रिसाव के कारण और समुद्री जल के मटमैला होने पर उसमें सूर्य का प्रकाश गहराई तक नहीं पहुंच पाता है, जिससे वहां जीवन को पनपने में परेशानी होती है और उन स्थानों पर जैव-विविधता भी प्रभावित होती है। हाल के वर्षों में महासागरों में बढ़ता प्रदूषण चिंता का विषय बनता जा रहा है। अरबों टन प्लास्टिक का कचरा हर साल महासागरों में समा जाता है। आसानी से विघटित नहीं होने के कारण यह कचरा महासागरों में जस का तस पड़ा रहता है। अकेले हिंद महासागर में भारतीय उपमहाद्वीप से पहुंचने वाली भारी धातुओं और लवणीय प्रदूषण की मात्रा प्रतिवर्ष करोड़ों टन है। विषैले रसायनों के रोजाना मिलने से समद्री जैव विविधता भी प्रभावित होती है। लेकिन वायु और अन्य प्रकार प्रदूषण के बरक्स समुद्र के इस कदर प्रदूषित होते जाने को लेकर उसी अनुपात में चिंता नहीं दिखाई देती। जबकि विषैले रसायनों के कारण समुद्री वनस्पति की वृद्धि पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। पृथ्वी पर जीवन को बनाए रखने वाले परितंत्रों में महासागर की उपयोगिता को देखते हुए यह आवश्यक है कि हम महासागरीय पारितंत्र के संतुलन को बनाए रखें। तभी हमारा भविष्य सुरक्षित रहेगा।

अपने आरंभिक काल से आज तक महासागर जीवन के विविध रूपों को संजोए हुए हैं। पृथ्वी के विशाल क्षेत्र में फैले अथाह जल का भंडार होने के साथ ये समुद्र अपने अंदर और आसपास अनेक छोटे-छोटे नाजुक पारितंत्रों को पनाह देते हैं, जिससे उन स्थानों पर विभिन्न प्रकार के जीव और वनस्पतियां पनपती हैं। इसी प्रकार तटीय क्षेत्रों में स्थित मैंग्रोव जैसी वनस्पतियों से संपन्न वन समुद्र के अनेक जीवों के लिए नर्सरी का काम करते हुए विभिन्न जीवों को आश्रय प्रदान करते हैं। महासागरों में पृथ्वी का सबसे विशालकाय जीव ह्वेल से लेकर सूक्ष्म जीव भी मिलते हैं। एक अनुमान के अनुसार केवल महासागर के अंदर करीब दस लाख जलीय जीवों की प्रजातियां उपस्थित हो सकती हैं।

गौरतलब है कि प्रशांत महासागर पृथ्वी पर सबसे बड़ा महासागर है। पृथ्वी की सतह का यह लगभग तीस प्रतिशत हिस्सा है। इस महासागर की गहराई पैंतीस हजार फुट और इसका आकार त्रिभुज की तरह का है। प्रशांत महासागर में करीब पच्चीस हजार द्वीप हैं। अटलांटिक महासागर क्षेत्रफल और विस्तार की दृष्टि से दुनिया का दूसरे सबसे बड़ा महासागर है। इसके पास पृथ्वी का इक्कीस प्रतिशत से अधिक भाग है। अटलांटिक महासागर का आकार अंग्रेजी के अंक आठ यानी 8 की संख्या के जैसा है। इस महासागर की कुछ वनस्पतियां खुद से चमकती हैं, क्योंकि यहां सूर्य की रोशनी नहीं पहुंचती। हिंद महासागर दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा महासागर है। यह धरती का लगभग चौदह प्रतिशत हिस्सा है। हिंद महासागर को रत्नसागर नाम से भी जाना जाता है। हिंद महासागर इकलौता ऐसा महासागर है, जिसका नाम किसी देश के नाम पर रखा गया है। अंटार्कटिका महासागरों में चौथा सबसे बड़ा महासागर है। इसको आस्ट्रल महासागर के नाम से भी जाना जाता है। इस महासागर में आइसबर्ग यानी पहाड़ की तरह दिखते बर्फ के विशालकाय टुकड़े तैरते हुए देखे जाते हैं। अंटार्कटिका की बर्फीली जमीन के अंदर चार सौ से भी अधिक झीलें हैं।

विलुप्त होते जा रहे हैं खेत-खलिहानों में गूंजने वाले मनमोहक गीत

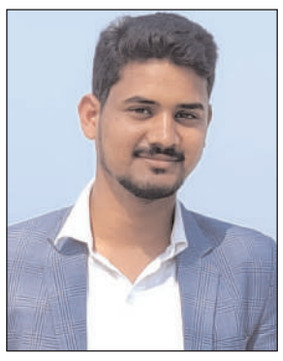

रोपनी ना होई हमसे,
रख बनिहार ऐ पिया
रोपनी ना होई हमसे।

उपरोक्त गीत भारतीय गाँवों में सदियों से प्रचलित श्रमगीतों की एक बानगी है। आज भी भारत की बहुतायत आबादी का भरण-पोषण खेती-किसानी पर निर्भर है। परम्परागत रूप से भारतीय खेती-किसानी श्रम आधारित थी।खेती-किसानी में जुटे महिला पुरुष फसलों के बोने ,उगाने और काटते समय सुमधुर स्वर में गीत गाते झूमते रहते हैं। हमारे किसानो, मजदूरों और मेहनकशों के श्रमगीत आज भी सुनने में कर्णप्रिय लगते हैं। वैसे तो भारतीय ग्रामीण लोक जीवन में कजरी, चैता, फगुआ, चौऊताल, छपरहियॉ, बारहमासा सहित हर मौसम , हर उत्सव और हर प्रहर के गीत पाए जाते हैं। परन्तु सावन के महीने में हमारे गाँव समाज की महिलाएं धान की रोपनी करते समय सुमधुर स्वर में जो गीत गाती रहती हैं वो राह चलते हर राही को भावविभोर कर देती हैं। बाजारवाद के तेजी पॉव पसारते तथा उपभोक्तावादी संस्कृति के निरंतर विस्तार के कारण आज खेती किसानी का आधुनिकीकरण और मशीनीकरण होता जा रहा है। खेती किसानी में बढते आधुनिकीकरण ,मशीनीकरण और व्यवसायिकरण दृष्टिकोण के कारण हमारे खेत-खलिहानों में गूंजने वाले गीत सुनने के लिए अब हमारे कान तरस जाते हैं। हमारे खेत-खलिहानों, बाग- बगीचों में भैस, गाय-गोरू चराते समय या खेत में हल चलाते समय या कटिया दवरी ओसवनी करते समय गाँव-गिरॉव के स्त्री-पुरुष लोग-बाग भरपूर मगन होकर जो गीत गाते थे वह देखते-देखते हमारे मानसिक परिवेश और वातावरण से ओझल हो गये।

हमारे भारतीय लोकजीवन में परिवार और समाज का स्वरूप बहुत व्यापक रहा है। गांव-जवार में गाय, भैस, कुत्ता सहित अन्य पालतू पशु-पक्षियों को भी परिवार का अनिवार्य हिस्सा माना जाता रहा हैं। हमारे ग्रामीण जन जीवन में गॉव के पीपल, बरगद पाकड ,शहतूत को अपने समाज का अनिवार्य हिस्सा माना जाता रहा हैं। इसलिए हमारे लोक गीतो में पेड पौधों और पशु पक्षियों से गहरा रिश्ता झलकता है। हमारे गाँव देहात में प्रचलित मशहूर विदाई गीत पेड पौधों और पशु पक्षियों से जीवंत रिश्ते को बखूबी दशार्ता है।

"नीमियॉ के पेड जनि कटिह ए बाबा
नीमियॉ चिरयइन क बसेर ए बाबा "

हमारी लोक परंपराओं, लोकमान्यताओ और लोक गीतों से स्पष्ट परिलक्षित होता है कि- हमारा प्रकृति से गहरा ,घनिष्ठ और जीवंत संबंध रहा है। हमारी लोकगीतों में सहकार समन्वय साहचर्य पर आधारित महान भारतीय संस्कृति और उन्नत लोक परंपराओं का दिग्दर्शन होता हैं । हमारे लोकगीतों की एक प्रमुख विशेषता यह रही है कि- हमारे लोकगीतों में लोक जीवन की सुखद दुखद अनुभूतियो पारिवारिक और सामाजिक संबंधों की खटास-मिठास की भी झलक मिलती हैं। ग्रामीण महिलाएं परम्परागत रूप से कृषि कार्य में दक्ष होती हैं। वे कृषि कार्य में पूर्णतया समर्पित तथा एकाग्रचित होने के लिए लोकगीतों को गुनगुनाती हैं। प्रायः महिलाएं जब धान रोपने तथा अन्य कृषि कार्य करने खेत-खलिहानों में जाती हैं, तो अपनी व्यथा (पारिवारिक जीवन की कटुता, प्रेम आदि) व आकांक्षाएं (गहने, जेवरात, शहर व तीर्थ दर्शन आदि) ह्यरोपनीह्न व ह्यसोहनीह्न नामक गीत से अभिव्यक्त करती थी। लेकिन जैसे-जैसे समय का रथ आगे बढ़ता गया वैसे यह सारी चीजें भारतीय संस्कृति से विलुप्त होती जा रही हैं । आज जो छोटे कृषकों का परिवार हंसता खिलखिलाता था वह आर्थिक जिम्मेदारियों के बोझ तले पिसता जा रहा हैं। इस बाजारवादी दौर में जीवन जीने की चुनौतियॉ निरंतर बढती जा रही है। बढती आर्थिक चुनौतियों से लडते-जूझते छोटी जोत के धीरे-धीरे अपने खेत-खलिहान बेचकर दिहाडी मजदूर बनते जा रहे हैं। प्रायः अन्नदाता की मनः स्थिति कृषिगत कार्यकलापों तथा पारिवारिक जीवन की दुश्वारियों के इर्द-गिर्द ही रमती रहती है। लोकगीतकार कृषक समाज की मनःस्थिति से भलीभांति परिचित होता है जिसकी झलक विरहा, रोपनी, व मल्हार आदि लोकगीतों में खूबी देखने को मिलती थी। एक बात और आपको स्पष्ट करते हुए चले कि- भारतीय संस्कृति में पुरातन सभ्यता से ही कई ऐसे रीति रिवाज रहे हैं जैसे घर का निर्माण व शादी- विवाह ,खेती-बाड़ी ऐसी अनेक छोटे-बड़े कामों की शुरूआत लोकगीतों के साथ ही की जाती रहीं। धान की रोपाई के समय गाए जाने वाले लोकगीत, लोकगाथाओं और देवी-देवताओं की ऐतिहासिक कथाओं को पिरोए हुए होते हैं। हमारे लोकगीत हमारी संस्कृति और परम्परा के संवाहक के साथ साथ हमारे गौरवशाली इतिहास के संवाहक भी है।

गौरव सिंह राठौर
लेखक :समाचार इंडिया लाइव

कुछ न करने की कला

बेरहम कोरोना महामारी ने चाहे जितना कहर मनुष्य जाति पर ढाया हो, पर निश्चय ही इसने कुछ सबक भी दिए हैं। इसके दिए कई सबकों में से एक है कुछ न करने की विलक्षण कला का विकास! लंबा चलने वाली पूर्णबंदी और सामाजिक दूरियां, कुछ भी न करना दरअसल सीखने के सुनहरे अवसर ही तो थे। उन दिनों एक सेवानिवृत्त परिचित से फोन पर बात हुई कि आप क्या करते हैं आजकल दिन भर, तो उत्तर मिला कि वही जो जिंदगी भर मजे में करता रहाह्न यानी कुछ नहीं। इसी आशय के सवाल पर एक अन्य सज्जन का उत्तर कुछ अधिक स्पष्ट था कि सुडोकु, क्रासवर्ड और ब्रिज में दो-तीन घंटे शानदार निकल जाते हैं, फिर दिन भर कुछ न करते-करते इतना थक जाते हैं कि थोड़ा विश्राम जरूरी हो जाता है।

कई बार ऐसा लगता है कि खाली बैठने या कुछ न करने को निकम्मेपन की संज्ञा देना आखिरी तौर पर ठीक बात नहीं है। खिड़की से बाहर शून्य में ताकते हुए पूरा दिन बिता देना भी एक कला है और इस तरह खिड़की से बाहर एकटक ताकते हुए किसी लेखक को निकम्मा कह कर कोसने वाले लोग यह नहीं समझ सकते कि वह लेखक इस समय कुछ न करते हुए भी कुछ कर रहा होता है। कौन जाने किस ओडिसी या मेघदूतम जैसे महाकाव्य की रचना इसी तरह के समय में हो रही हो! वैसे भी कुछ न करते हुए सारा दिन बिताने पर ऐसा करने वाले व्यक्ति को किसी अपराध भावना से ग्रसित होने की आवश्यकता नहीं है। शुरू

में इससे किसी को थोड़ी बेचैनी, उदासी या बोरियत का अनुभव हो सकता है, पर धीरे-धीरे कुछ न करने के आलस्य का सृजनात्मक महत्त्व व्यक्ति को समझ में आने लगेगा। इसी सृजनात्मक आलस्य का जिक्र रोमांटिक कवि कीट्स ने अपनी कविता ओड आन इन्डोलेंस में किया है।

यहां मधुमय आलस्य में डूबा हुआ कवि अधमुंदी आंखों से प्रेम। महत्त्वाकांक्षा और काव्य की आकृतियों को घूमते हुए कलश पर उभर कर विलुप्त होते हुए देखता है। इनमें से कोई भी आकृति उसे अपनी अर्धसुप्त अवस्था से बाहर आने के लिए लालायित करने में असमर्थ है। और गुलजार साहब भी इन पंक्तियों में इसी आलस्य के स्वर्ग को तलाशते नजर आते हैं, दिल ढूंढ़ता हैह्न फिर वहीह्न फुर्सत के रात-दिन..! कई बार ऐसा लगता है कि मानव मन सदा उन खाली दोपहरों को ढूंढ़ता रहा है जो घास पर चित्त लेट कर आकाश को ताकते हुए गुजर जाए! फुर्सत या खाली समय के उपयोग की उत्तमता ही बताती है कि हम सभ्यता के किस पायदान पर पहुंचे हैं। क्या कोई दिन भर व्यस्त रहने वाला व्यक्ति किसी महान साहित्य का सृजन कर सका है या किसी नए अविष्कार या खोज तक पहुंच सका है? न्यूटन एक दिन आराम से पेड़ के नीचे बैठे या लेटे आसमान में नजरें गड़ाए खुली आंखों से शायद सपने ही देख रहे थे, जब उनके पास एक सेब टपका और दुनिया को गुरुत्वाकर्षण का सिद्धांत मिल गया। अर्शमेदस ने उत्प्लावकता के नियम की खोज किसी प्रयोगशाला में सिर खपाते हुए नहीं, बल्कि फुर्सत के समय आराम से टब में नहाते हुए की थी। और संसार के महानतम ग्रंथों की रचना कई बार जेल यात्राओं के दौरान भी हुई हैं या फिर एकांतवास में, जब रचनाकारों के पास कुछ भी करने के लिए नहीं था और उन्होंने उस काम पर अपना ध्यान पूरी तरह केंद्रित किया था। इस काम में उन्हें बाधित करने वाली परिस्थितियां भी नहीं थीं। इस संदर्भ में काडबरी का एक विज्ञापन आजकल प्रसारित होते देखा जा सकता है। इसमें कुछ न करने की महिमा को अलग ही तरीके से उजागर किया गया है। एक बालकनी के नीचे कुर्सी पर बैठी वृद्ध महिला की छड़ी सामने सड़क पर गिर जाती है तो वह सामने खड़े चाकलेट खाते युवक से छड़ी उठा कर देने का आग्रह करती है। युवक पहले मदद करने के लिए हामी भरता है, पर कुछ नहीं करता, बस चाकलेट खाता रहता है। विवश होकर महिला छड़ी उठाने के लिए कुर्सी से उठ कर सड़क पर आती है और उसी समय ऊपर की बालकनी टूट कर उसकी खाली कुर्सी पर गिर पड़ती है। वृद्ध महिला तरल आंखों से चाकलेट खाते युवक को देखती हुई कहती है- थैंक यू बेटा, कुछ न करने के लिए धन्यवाद।

हालांकि चाकलेट की बिक्री के लिए बनाया गया यह विज्ञापन चाकलेट की महिमा को प्रदर्शित करता है, लेकिन इस तरह के आलस्य या स्वकेंद्रित होना मानवीय मूल्य तो नहीं ही हैं। बहरहाल, महामारी का दौर समाप्त होने के बाद भी जीवन व्यतीत करने के लिए ब्रह्मसूत्र है- कुछ किया जाए या नहीं किया जाए, लेकिन खुश रहना चाहिए और दूसरों को भी खुश रहने दिया जाए।

गरीब व्यक्तियों को न्याय दिलाने के दृष्टिगत कार्य करें उपजिलाधिकारी व तहसीलदार : डीएम

प्रखर मिजार्पुर। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने सभी उपजिलाधिकारी, तहसीलदार, लेखपाल सहित सभी राजस्व कर्मियो को निर्देशित करते हुये कहा कि गरीब व्यक्तियो को न्याय दिलाने के दृष्टिगत अपनी कार्य प्रणाली में सुधार लाते हुये कार्य करे। उन्होने कहा कि किसी गरीब के जमीन पर कूटरचित तरीके से कब्जा करने वाले भू माफियाओं को चिहिन्त करते हुये कड़ी से कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित की जाय। उन्होने सभी उपजिलाधिकारी अपने तहसील से कम से कम पॉच-पॉच ऐसे केसो को चिहिन्त करे जो अवैध रूप से किसी गरीब या सरकारी जमीनो पर कब्जा कर किये हों। ऐसे लोगो को चिहिन्त करते हुये नियमानुसार कड़ी से कड़ी कार्यवाही करे ताकि पीड़ित व्यक्ति को न्याय मिल सकें। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने आज कलेक्ट्रेट सभागार में कर एवं करेत्तर, मुख्य देय, विविध देय के राजस्व वसूली प्रगति समीक्षा के दौरान उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होने कहा कि अपने अधीनस्थ सभी राजस्व निरीक्षक व लेखपालो को एक बार बैठक कर यह अवगत करा दे कि यदि उनके द्वारा किसी भू माफिया से मिलकर राजस्व कार्यो व खसरा खतौनी/अभिलेखो में हेरी फेरी की जाती हैं तो उनके विरूद्ध एफ0आई0आर0 दर्ज कर कार्यवाही की जायेगी। उन्होने कहा कि कोई भी राजस्वकर्मी ऐसे कार्यो में संलिप्त न हो।

राजस्व वसूली की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देशित करते हुये कहा कि अपने-अपने क्षेत्र के 10 बड़े बकायेदारो को चिहिन्त करते हुये बकाया राजस्व धनराशि जमा करे अन्यथा नियमानुसार नीलामी व कुड़की करते हुये सम्पत्ति जब्त करने की कार्यवाही सुनिश्चित करें। उन्होने कहा कि वसूली के निर्धारित मासिक लक्ष्य को प्रत्येक दशा में पूर्ण करना सुनिश्चित किया जाय। लक्ष्य पूर्ण न करने वाले अमीन, नायब तहसीलदार व तहसीलदार के विरूद्ध भी कार्यवाही की जायेगी। उन्होने कहा कि न्यायिक मजिस्ट्रेट अपने न्यायालयों में बैठे तथा अधिक से अधिक वादो का निस्तारण करने का प्रयास करें। उन्होने कहा कि तीन वर्ष व पॉच वर्ष से अधिक लम्बित वादो को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करें। उन्होने कहा कि प्रत्येक मजिस्ट्रेट के लिये जो लक्ष्य निर्धारित किया गया है उससे अधिक वाद निस्तारित करने का प्रयास करें। जिलाधिकारी ने कहा कि धारा-34 के मुकदमों को विशेष प्राथमिकता देते हुये निस्तारण करें ताकि गरीबो को बार-बार न्यायालय के चक्कर न लगाने पड़े। इसी प्रकार धारा-80, धारा-116, धारा-24 आदि मामलों में पूरी मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुये निस्तारण करें। उन्होने कहा कि किसी के पट्टे जमीन अथवा अवैध कब्जा वाली जमीन को लेखपाल या राजस्व अधिकारी प्रकरण सामने आने पर प्राथमिकता के आधार जांच कर खाली करायें। एक बार जमीनो को खाली कराने के उपरान्त यदि पुनः किसी के द्वारा अवैध कब्जा किया जाता है तो उसके विरूद्ध एफ0आई0आर0 दर्ज कर कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित की जाय। वरासत व अवैध कब्जा खाली कराने के मामलों में राजस्व निरीक्षक/लेखपाल के द्वारा जो रिपोर्ट भेजे जा रहे उसे उपजिलाधिकारी भली भाति पढ़ने के बाद ही निर्णय सुनिश्चित करें। बैठक में विभागीय कार्यवाही, आनलाइन खसरा फीडिंग, आपदा राहत, सम्पूर्ण समाधान दिवस, भू आवंटन, आडिट आपत्तियों के निस्तारण, आयोग से सम्बन्धित संदर्भ, चकबन्दी सहित आबकारी, परिवहन, खन्न व वन, सिचाई विद्युत आदि विभागों के बिन्दुवार राजस्व वसूली प्रगति समीक्षा की गयी तथा लक्ष्य पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी मजिस्ट्रेट वि0/रा0 शिव प्रताप शुक्ल के द्वारा प्रत्येक तहसीलवार/विभागवार प्रगति से रिपोर्ट से जिलाधिकारी को अवगत कराया गया।

स्काउट गाइड की छात्राओं ने प्रतिभा का किया प्रदर्शन

प्रखर दानगंज वाराणसी। खोचवां गांव स्थित बसमत्ती देवी संकठा प्रसाद पीजी कालेज में बीएड की छात्राओ के लिए चल रहे पांच दिवसीय स्काउट-गाइड प्रशिक्षण शिविर में गुरुवार को छात्राओ ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर टेंट, टावर, पूल, गैजेट्स, ध्वज शिष्टाचार, प्रतिज्ञा, प्राथमिक चिकित्सा, वन विद्या, खोज के चिन्ह, पाक विद्या समेत हस्तकला से निर्मित सामानों का स्टाल लगाएं।मुख्य अतिथि के रूप में कांग्रेस के जिलाध्यक्ष राजेश्वर सिंह पटेल व विशिष्ट अतिथि सहायक प्रादेशिक संगठन कमिश्नर (गाइड) रविन्द्र कौर सोखी रही।अतिथियों ने टेंट व स्टाल का अवलोकन करने के बाद छात्राओ को संबोधित करतेहुए कहा कि स्काउट गाइड के प्रशिक्षण से जीवन का सर्वांगीण विकास होता हैं।संचालन प्रदीप चतुर्वेदी (राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त) व धन्यवाद ज्ञापन स्काउट के जिला प्रशिक्षण आयुक्त जाकिर हुसैन ने किया।इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रबंधक राजीव गौतम, प्राचार्य अच्युतानंद शुक्ला, बलवंत श्रीवास्तव, प्रधान विधान सिंह, रिटायर्ड फौजी प्रदीप सिंह, मनोज राय, डा.पूनम सोनकर, उमेश केसरी, खुशबू मौर्या, पत्रकार शैलेन्द्र सिंह 'पिन्टू' व अभिषेक त्रिपाठी 'सुमित' समेत अन्य मौजूद रहे।

सूबे में कानून व्यस्था ध्वस्त, जंगल राज : अखिलेश यादव

प्रखर लखनऊ/जौनपुर। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लखनऊ कोर्ट में हुई हत्या पर कहा कि प्रदेश

में कानून व्यवस्था का बुरा हाल है। प्रदेश में नियमित डीजीपी तक नहीं है। कार्यवाहक डीजीपी से काम चलाया जा रहा है। ऐसा तीसरी बार हुआ जब कार्यवाहक डीजीपी बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि क्या दिल्ली और लखनऊ का इंजन टकरा रहा है। लखनऊ में महिलाएं असुरक्षित हैं। हर जिले में महिलाओं के साथ घटनाएं हो रही हैं। उन्होंने कहा कि नोएडा में महिला वकील की हत्या हुई है। कन्नौज के सांसद चौकी में घुस कर पुलिस को पीट रहे हैं। कचहरी में हत्याएं हो रही हैं। सवाल यह नहीं है कि कौन मरा है सवाल ये है कि कहां मारा जा रहा है। कोर्ट में हत्या होना कानून व्यवस्था की पोल खोलता है। भाजपा के लोगों ने मंदिर में मांस रखवाया था। जिसकी वजह सं दंगा हुआ था।

साइकिल से 1200 किलोमीटर यात्रा कर तेलंगाना से काशी दर्शन करने आए दर्शनार्थियों का चौक पुलिस ने किया सम्मान

प्रखर दानगंज वाराणसी। साइकिल द्वारा चलकर तेलंगाना के रहने वाले गौजूला संबैया पुत्र श्री राजलिंगम निवासी दामनापेट थाना मेडिपल्ली जनपद जगत्याल अपने अन्य दो साथियों के साथ काशी का भ्रमण एवं बाबा विश्वनाथ का दर्शन पूजन करने आए है पूछने पर बताया कि मेरी माता जी स्वर्गीय गौजुला गंगाम्मा माह फरवरी में काशी आई थी जिनका देहावसान मणिकर्णिका घाट पर हो गया था.जो कुछ समय बाद मेरे स्वप्न में आईं और उन्होंने साइकिल से काशी दर्शन हेतु प्रेरित किया अपनी माता के प्रेम एवं उनके स्वप्न में दिए गए आदेश का पालन करने हेतु श्री गौजूला सांबैय अपने दो अन्य साथियों के साथ लगभग 1200 किलोमीटर की यात्रा 14 दिवस में

साइकिल से पूर्ण कर काशी आए और अपनी स्वर्गीय माता जी की आत्मा की शांति हेतु काशी के विभिन्न मंदिरों में दर्शन पूजन किया और थाना चौक पर विश्राम करने के लिए आए जिसकी जानकारी होने पर प्रभारी निरीक्षक चौक शिवाकांत मिश्र द्वारा इनको अंगवस्त्र , रुद्राक्ष माला एवं काशी का प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया और सूक्ष्म जलपान कराया गया , अन्य जानकारी करने पर पता चला की गौजूला सांबैया अपने खर्च पर एक गौशाला चलाते हैं एवं उनके साथ एनरेडी राजी रेड्डी पुत्र राजाराम निवासी ग्राम मन्नेगुद्दम थाना बीमाराम जनपद जगत्याल इलेक्ट्रिकल इंजीनियर हैं। सम्मान पाकर इनके द्वारा कमिश्नरेट वाराणसी पुलिस की भूरि भूरि प्रसंशा की गई और चौक पुलिस को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

बिजली विभाग के खिलाफ किया घंटों प्रदर्शन, विभाग की मनमानी से उपभोक्ता आक्रोशित

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। विकासखंड मरदह क्षेत्र में बिजली विभाग की मनमानी से अक्रोशित होकर उपभोक्ताओं ने विद्युत कर्मचारियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए घंटों प्रदर्शन किया। मरदह के महाहर धाम रोड स्थित पोस्ट ऑफिस के पास लगे ट्रांसफार्मर में ओवरलोड के वजह से तकनीकी फाल्ट आ गया। जिससे पूरी रात सैकड़ों घरों की बत्ती गुल रही। भयानक गर्मी से बेहाल लोग रात भर जागकर रात गुजारने पर विवश रहे। विद्युत आपूर्ति बाधित होने से लोगों का जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया। उसके बाद गुरुवार की सुबह विभाग को शिकायत दर्ज कराने के बाद भी पूरे दिन बत्ती गुल रही। जिससे सभी विद्युत उपकरण शोपीस बने रहे। विद्युत विभाग के मनमाने रवैया से उपभोक्ता काफी परेशान हैं। अधिकतर रात भर जग कर के गुजारना पड़ता है। बहुत प्रयासों के बावजूद भी हालात नहीं सुधर रहे हैं। विभाग की उदासीनता से नाराज उपभोक्ताओं ने ट्रांसफार्मर के पास घंटों प्रदर्शन व नारेबाजी किया। प्रदर्शन कर रहे उपभोक्ताओं ने बताया कि योगी सरकार के आदेश पर ग्रामीण क्षेत्रों में 18 घंटे विद्युत आपूर्ति की जानी है। लेकिन अंधाधुन कटौती के बीच उपभोक्ताओं को 8 से 10 घंटे ही बिजली मुहैया हो पाती है। उसके बाद भी जर्जर तार तकनीकी फाल्ट की वजह से हमेशा परेशानी उठानी पड़ती है। ओवरलोड के वजह से अधिकतर ट्रांसफार्मर में खराबी आ जाती है। इसके बाद भी विभाग चेत नहीं रहा है। क्षमता के हिसाब से ट्रांसफार्मर पर अधिक लोड विद्युत कर्मचारी बढ़ा रहे हैं। और फाल्ट होने की स्थिति में घंटों कटौती कर तथा मरम्मत के नाम पर अवैध वसूली भी कर रहे हैं। ऐसे हालत में हम पावर हाउस पर आंदोलन के लिए बाध्य है। विद्युत विभाग के एसडीओ संतोष कुमार चौधरी ने बताया कि इस मामले की जांच करके कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अखिल भारतीय किसान महासभा का मजदूर महापंचायत एवं जिला सम्मेलन संपन्न

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। अखिल भारतीय किसान महासभा के तत्वावधान मे गुरुवार को दिलदारनगर उप कृषि मण्डी में किसान मजदूर महापंचायत एवम सह जिला सम्मेलन सम्पन्न हुआ। किसान मजदूर महापंचायत को सम्बोधित करते हुए अखिल भारतीय किसान महासभा के राष्ट्रीय महासचिव कामरेड राजाराम सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार दुनिया की पहली ऐसी सरकार है कि गरीबों से लेकर अमीरों को देने में लगी है। आवश्यक सेवा कानून को हटा कर खाद्य सुरक्षा को संकट में कर दिया है। नये संसद भवन की उद्घाटन पर लोकतंत्र खत्म कर राजशाही को स्थापित करने की संदेश देश को देने की कोशिश हुई। देश के आजादी के शहीदों को नकारते हुए माफी वीर सावरकर के जन्म दिन पर किया गया और शिंबोल दिल्ली में महिलाओं के उपर चलाया गया। देश की बेटीयों के साथ नरेंद्र मोदी जी फोटो खिंचवाते हैं और आज जब वही बेटी न्याय के लिए लड़ रही है तो उनको पुलिस की बूट से रौंदा जा रहा है। बृजभूषण सिंह के उपर सात मुकदमा है इसके बावजूद उसे गिरफ्तार नहीं किया जा रहा है। देश में भुखमरी बढ़ रही है और मजदूर आत्महत्या कर रहे हैं

फिर भी भाजपा सरकार कह रही है कि देश विकास कर रहा है। उत्तर प्रदेश में किसानों को गाड़ीयों से रौंदा गया और रौंदने वाले गृह मंत्री है। देश को कर्नाटक ने नया रास्ता दिखाया है उसी पर और प्रदेशो को आगे बढ़ना होगा। सम्मेलन में प्रताव लेकर शासन को भेजा गया कि गरीबों के घरों पर बुलडोजर चलाने पर रोक लगाई जाए। एमएसपी गारंटी कानून बनाई जाय। गाजीपुर में सभी किसानों को अफीम की खेती करने की लाइसेंस दिया जाए। दिलदारनगर पशु मेला पुरी क्षमता से चालू किया जाए। दिलदारनगर कृषि मण्डी के प्रांगण की पक्कीकरण किया जाए। आदि शामिल हैं। सम्मेलन के अंत में 33 सदस्यों की जिला कमेटी का चुनाव किया गया, और कमेटी ने गुलाब सिंह को जिला अध्यक्ष और सतेन्द्र प्रजापति को जिला सचिव का चुनाव किया। सम्मेलन को अखिल भारतीय किसान महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मंजू प्रकाश, प्रदेश अध्यक्ष जयप्रकाश नारायण, राष्ट्रीय सचिव कामरेड ईश्वर प्रसाद कुशवाहा, गुलाब सिंह, सतेन्द्र प्रजापति, चन्द्रावती देवी, रामप्रवेश कुशवाहा, सदानंद कुशवाहा, आजाद यादव, नन्द किशोर बिंद, रामबिलास यादव, डाक्टर सलाहुद्दीन खां, शेराज खां, बिजय नारायन यादव आदि लोगों ने सम्बोधित किया।

महिला श्रद्धालु के साथ छेड़खानी करने वाला पंडा गया जेल

प्रखर मिजार्पुर। थाना विन्ध्याचल पर दिनांकः 06.06.2023 को मंदिर दर्शन करने परिवार के साथ एक श्रद्धालु आये थे जो राज पण्डा गेस्ट हाउस में रूके थे । उनके द्वारा नामजद अभियुक्त के विरूद्ध उनकी पुत्रवधू के साथ छेड़खानी करने के सम्बन्ध में थाना विन्ध्याचल पर तहरीर दी गयी । प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना विन्ध्याचल पर मु0अ0सं0-86/2023 धारा-342,354,506 भादवि पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गयी। पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा द्वारा महिला अपराध से सम्बन्धित उक्त घटना को गंभीरता पूर्वक लेते हुए यथाशीघ्र घटना से सम्बन्धित अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु अपर पुलिस अधीक्षक नगर व क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक विन्ध्याचल को निर्देशित किया गया । उक्त निर्देश के अनुक्रम में आज दिनांकः 08.06.2023 को प्रभारी निरीक्षक थाना विन्ध्याचल मय पुलिस बल द्वारा थाना विन्ध्याचल क्षेत्र से अभियुक्त प्राण राज मिश्रा उर्फ राज मिश्रा पुत्र राजा मिश्रा निवासी ग्राम घमहापुर थाना विन्ध्याचल को गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तार अभियुक्त के विरूद्ध नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए जेल भेजा गया।

फिर लक्ष्मीगंज बन्द चीनी मिल को चलाने का मुद्दा पकड़ा तूल

प्रखर कुशीनगर। "यदि सरकार का रवैया किसानों के प्रति ऐसा ही रहा तो आने वाले समय में जनपद कुशीनगर का किसान भारतीय जनता पार्टी को वोट देने से परहेज करने के लिये मजबूर होगा" बताते चले भारतीय किसान यूनियन (अम्बावत) की जिला

भाकियू (अम्बवता) के जिलाध्यक्ष रामचन्द्र सिंह ने कैबिनेट मंत्री को सौपा ज्ञापन

इकाई, कुशीनगर के जिलाध्यक्ष रामचन्द्र सिंह के नेतृत्व में किसान विगत छः वर्षों से माँग कर रहे है। आज दिनाँक 08 जून 2023 को भाकियू (अम्बावत) के जिलाध्यक्ष रामचन्द्र सिंह द्वारा एक ज्ञापन कैबिनेट मंत्री आशीष सिंह पटेल को सौपते हुए अवगत कराये है कि, जनपद कुशीनगर गन्ना बाहुल्य क्षेत्र है। इस जनपद के किसानों का मुख्य फसल है गन्ना क्योंकि, यह नकदी फसल है। इसी गन्ना के सहारे किसान अपने घरों की सभी प्रकार की जरूरतों को पूरा करता है। जनपद कुशीनगर की UPSSCL की लक्ष्मीगंज सहित सभी बन्द चीनी मीलों को चलवाने के लिये भारतीय किसान यूनियन (अम्बावता) के जिलाध्यक्ष अध्यक्ष रामचन्द्र सिंह 2017 से माँग कर रहे है। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वर्ष 2014 में जनपद के दौरे पर आकर किसानों और जनता से वादा किया था कि केंद्र में यदि भाजपा की सरकार बनती है तो हम पडरौना बन्द चीनी मिल को 100 दिन में चलवायेंगें। मगर उनके वादे का इन्तजार करते-करते जब यूनियन ने देखा की जनपद कुशीनगर की पडरौना बन्द चीनी मिल 100 दिन में तो न चल सकी परन्तु जनपद कुशीनगर की UPSSCL की लक्ष्मीगंज सहित सभी बन्द चीनी मिलों में से एक भी बन्द चीनी मिल को चलवाने के लिये केंद्र और राज्य की डबल इंजन की सरकार अभी तक घोषणा नही किया। फिर

किसान हमारे नेतृत्व में जनपद कुशीनगर की लक्ष्मीगंज बन्द चीनी मिल को चलवाने के लिये 26 नवम्बर 2018 से अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन करना शुरू किया गया जो 109 दिन, 48 दिन और 68 दिन तीन चरणों में किया गया। फिर भी भाजपा की सरकार किसानों की आवाज आज तक नही सुनी। पिछले सरकारों की गलत नीतियों के वजह से जनपद कुशीनगर की पाँच चीनी मिलें पहले ही बन्द पड़ी थी ऊपर से किसानों के गन्ने का भुगतान समय से नही होने के वजह से भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन की सरकार में एक और कप्तानगंज चीनी मिल पिछले वर्ष से बन्द हो चुकी है जिसके वजह से किसान अपने गन्ने को औने पौने दामों में बेचने को मजबूर हो रहे है और सूबे की सरकार किसानों के प्रति झूठी मगरमच्छ के आँसू बहा रही है! इस उधोग विहीन जनपद में चीनी मिल के अलावा रोजगार का कोई अन्य श्रोत भी नही है। जनपद कुशीनगर का बेरोजगार नौजवान अपने रोजी रोटी के लिये अन्य प्रान्तों में जाने के लिये हो रहे है मजबूर और जनपद की छः चीनी मिलें बन्द पड़ी है। डबल इंजन की सरकार का दावा है कि, हम बेरोजगारों को रोजगार देंगें? यदि चीनी मिलें बन्द पड़ी है तो बेरोजगारों को रोजगार कैसे उपलब्ध होगा? 2022 विधानसभा चुनाव में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा लक्ष्मीगंज बन्द चीनी मिल प्रांगण से घोषणा किए थे कि, भाजपा की सरकार बनाओं हम और योगी जी मिलकर लक्ष्मीगंज बन्द चीनी मिल को चलवायेंगे मगर एक वर्ष से ऊपर हो गया इस बन्द चीनी मिल को चलाने की दिन और तारीख तय नही किया गया जो इस सरकार की कथनी और करनी को उजागर करता है। यदि सरकार का रवैया किसानों के प्रति ऐसा ही रहा तो आने वाले समय में जनपद कुशीनगर का किसान भारतीय जनता पार्टी को वोट देने से परहेज करने के लिये मजबूर होगा? अन्त में भारतीय किसान यूनियन (अम्बावता) के जिलाध्यक्ष रामचन्द्र सिंह कैबिनेट मंत्री आशीष सिंह पटेल से माँग किये कि, जनपद कुशीनगर की UPSSCL की लक्ष्मीगंज बन्द चीनी मिल को चलवाने के लिये आपके द्वारा भाजपा के वरिष्ठ नेताओं से मिलकर कोई ठोस कदम उठाया जाय ताकि लक्ष्मीगंज क्षेत्र के किसानों, बेरोजगारों, ब्यापारियों और मजदूरों का भला हो सके और इस क्षेत्र का विकास हो सके। इस मौके पर यूनियन के जिला सचिव चेतई प्रसाद,नरेन्द्र सिंह,अशोक,पप्पू, राम सिंह, श्यामलाल, विजय कुमार, मोती लाल के साथ साथ अन्य कार्यकर्ता और किसान मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

घर के बाहर से स्कूटी चोरी

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। मंडुवाडीह क्षेत्र के शिवदासपुर से सूरज गुप्ता के घर के बाहर खड़ी स्कूटी चोरो ने उड़ा दी। सूरज गुप्ता ने बताया कि 1 जून को वह दोपहर में घर के बाहर स्कूटी खड़ा किये थे उसी दौरान उनकी स्कूटी चोरी हो गयी। बुधवार को मंडुवाडीह पुलिस धारा 379 के तहत मुकदमा पंजीकृत कर मामले की जांच में जुट गयी।

डॉ. सुमन यादव सपा महिला सभा की राष्ट्रीय सचिव बनी, पूर्व सीएम अखिलेश यादव के निर्देश पर की गई नियुक्ति

प्रखर जौनपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व सीएम अखिलेश यादव के अनुमोदन पर समाजवादी पार्टी महिला सभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष जूही ने जौनपुर निवासी डॉ सुमन यादव को समाजवादी पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी मे महिला सभा का राष्ट्रीय सचिव बनाया है। इसके लिए डॉक्टर सुमन यादव को लखनऊ में आमंत्रित कर महिला सभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष जूही सिंह ने उन्हें नियुक्ति पत्र सौंपा। बता दें कि डॉक्टर सुमन यादव मानवेंद्र सिंह सुमन पीजी कॉलेज पेशारा की डायरेक्टर एवं शिक्षाविद् है । वह वर्तमान समय में जौनपुर जिले के वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के स्वघोषित महाविद्यालय प्रबंधक संघ की महामंत्री भी हैं। यह लंबे समय से पार्टी से जुड़ कर क्षेत्र मे काम कर रही हैं। डॉ सुमन सिंह जौनपुर जिले के सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के लपरी नसीरा की निवासी हैं । नई जिम्मेदारी मिलने से वह काफी गदगद है ।उन्होंने कहा कि अखिलेश जी व सपा के सिद्धांतों नीतियों विचारों व उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने का काम करेंगे और संगठन को मजबूत करने के साथ-साथ बूथ स्तरीय अभियान चलाकर लोगों को पार्टी से जोड़ेंगी। उनके इस नियुक्ति पर कालेज प्रबंधकों व लोगों ने उन्हें बधाई दी।

पीएम मोदी के कार्यकाल के 9 वर्ष पूर्ण होने पर महाजनसम्पर्क अभियान के तहत 9 जून को कार्यक्रम आयोजित

प्रखर मिजार्पुर। प्रदेश के मा0 उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य जी का आगमन कल दिनांक 9 जून 2023 दिन शुक्रवार को मीरजापुर जनपद में होने जा रहा है देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल के 9 वर्ष पूर्ण होने पर महाजनसम्पर्क अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम बरौंधा तिराहा स्थित मां वैष्णो लॉन के सभागार में सुबह 10:00 बजे भाजपा कार्यकर्ता और आम जनता को संबोधित करेंगे उक्त कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए भाजपा जिलाध्यक्ष बृजभूषण सिंह, पिछड़ा मोर्चा के जिलाध्यक्ष राम कुमार विश्वकर्मा जी ने सभी मोर्चों के सभी पदाधिकारियों, कार्यकताओं की बैठक लेकर पदाधिकारियों, कार्यकताओं को जिम्मेदारियों को सौंपा। बैठक में मुख्य रूप से जिला मंत्री हेमंत त्रिपाठी ,कौशल श्रीवास्तव ,सियाराम बिंद , जान्हवी तिवारी, संजय यादव, नितिन विश्वकर्मा, राजेश कुमार, नागेश तिवारी, श्याम सिंह, संजय गुप्ता, विद्या शंकर मौर्य, प्रवी कसेरा, सतीश उपाध्याय, विजय प्रजापति, रूपेश यादव, आकाश पटेल, विजय शंकर पाल, रवि शंकर बिन्द, रोहित चौरसिया के साथ आदि प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कुख्यात बदमाश जीवा हत्याकांड का शूटर विजय जौनपुर जिले के केराकत का निकला निवासी

प्रखर जौनपुर। भाजपा नेता ब्रह्मदत्त द्विवेदी व गाजीपुर के कृष्णानंद राय सहित दर्जनों हत्या , रंगदारी , अपहरण व फिरौती का आरोपी मुजफ्फरनगर का कुख्यात बदमाश संजीव माहेश्वरी उर्फ जीवा को लखनऊ की फास्को कोर्ट ऐशबाग में मौत की नींद सुला देने वाले हत्यारों में एक विजय यादव पुत्र शामा यादव जौनपुर के केराकत कोतवाली अंतर्गत डेहरी का रहने वाला है। वह लखनऊ में रहकर वाटर सप्लाई पलम्बिग का काम करता था। जरायम की दुनिया में किस प्रकार कदम रखा? इस बात की भनक उसके माता पिता को कभी नही लगी । हलांकि विजय यादव के उपर पहली बार वर्ष 2017 में आजमगढ़ के देवगांव कोतवाली में एक किशोरी के अपहरण सहित बलात्कार का मुकदमा कई संगीन धाराओं में दर्ज है। वह पिछले महीने की 11 मई को अपने घर रिश्तेदार की शादी में सामिल होने आया था। दो दिन बाद ही लखनऊ चला गया। फिर उसके बाद मां निर्मला देवी या पिता सहित किसी को कोई फोन या हाल खबर नही दिया। लखनऊ कोर्ट में गोली मार कर जीवा को मौत की नींद सुलाने की खबर सुनकर सभी सन्न हैं ।बदमाश संजीव जीवा की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई, बदमाश वकील के ड्रेस में आए थे, बदमाशों ने संजीव जीवा पर ताबड़तोड़ फायरिंग की, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई, फायरिंग के बाद कोर्ट में भगदड़ और अफरातफरी मच गया, मौके पर भारी संख्या में पुलिस तैनात है, बता दें कि संजीव माहेश्वरी उर्फ जीवा मुख्तार अंसारी का करीबी बताया जाता है । वह मुजफ्फरनगर का एक कुख्यात बदमाश था, इस गोलीबारी में एक बच्ची समेत तीन लोग घायल हुए हैं, गोलियों की तड़तड़ाहट से पूरा कोर्ट परिसर सन्न रह गया, हर कोई भागने लगा, जब संजीव जीवा को गोली मारी गई, तब वह पुलिस की सुरक्षा में था, उसके आस-पास करीब 20 पुलिस वाले मौजूद थे. वकील की रूप में आए हत्यारे ने अपने मंसूबों को अंजाम देने के बाद वहां से भागने की कोशिश की. हालांकि वहां मौजूद वकीलों ने उसे घेर लिया और पकड़कर पुलिस के हाथ थमा दिया. पुलिस ने आरोपी हत्यारे को गिरफ्तार कर लिया गया, बता दें कि ब्रह्मदत्त द्विवेदी की हत्या के मामले में जेल में बंद संजीव जीवा की पत्नी ने अपने पति की हत्या की आशंका जताई थी. संजीव जीवा की पत्नी और RLD नेता पायल माहेश्वरी ने चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया से अपने पति की सुरक्षा की गुहार लगाई थी, पायल का कहना था कि पेशी के दौरान षड्यंत्र के तहत उनके पति की हत्या कराई जा सकती है. उन्होंने पति की सुरक्षा के लिए सीजेआई से उच्चाधिकारियों को निर्देशित करने का अनुरोध किया था. 2017 में पायल महेश्वरी चुनाव भी लड़ चुकी हैं।

ब्रेन ट्यूमर

के इलाज की कुंजी है जागरूकता, शीघ्र पहचान व समय पर उचित उपचार

विश्व ब्रेन ट्यूमर दिवस पर विशेष

डॉक्टर मनु रस्तोगी
वरिष्ठ न्यूरो सर्जन सहारा हॉस्पिटल लखनऊ

लखनऊ।ब्रेन ट्यूमर इंसानों के जीवन में सबसे ज्यादा तकलीफ देने वाली बीमारी है। ब्रेन ट्यूमर का मतलब है मस्तिष्क में असामान्य कोशिकाओं की वृद्धि का होना है। यह ट्यूमर अप्रत्याशित होते है, इसके बारे में पहले से कुछ कहा नहीं जा सकता। अगर समय पर उचित इलाज नहीं किया जाए तो ब्रेन ट्यूमर जानलेवा हो सकता है। चूंकि मस्तिष्क का प्रत्येक भाग प्रासंगिक, महत्वपूर्ण और उपयोगी होता है, इसलिए ट्यूमर मस्तिष्क के चाहे किसी भी हिस्से में हो, वह रोगी को बहुत नुकसान पहुंचाने की बहुत ज्यादा क्षमता रखता है।

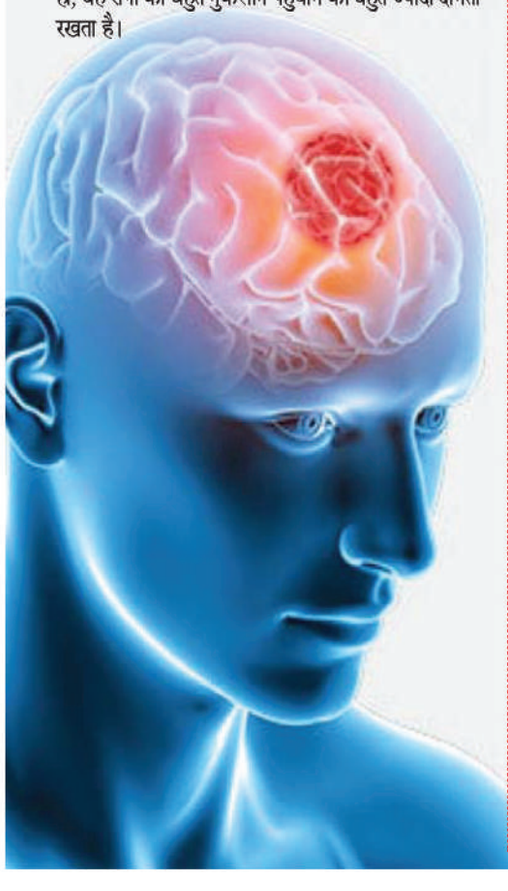

ब्रेन ट्यूमर के प्रकार

ब्रेन ट्यूमर मस्तिष्क में होने वाला ट्यूमर है। ब्रेन ट्यूमर दो प्रकार के होते हैं -प्राथमिक(प्राइमरी) या द्वितीयक (सेकंडरी या मेटस्टैटिक)। प्राइमरी ब्रेन ट्यूमर वे हैं जो मस्तिष्क में उत्पन्न होते हैं। वही सेकंडरी ब्रेन ट्यूमर वे होते हैं जो किसी अन्य अंग से मस्तिष्क तक पहुंचते हैं। घातक ट्यूमर या कैंसर के ट्यूमर तेजी से बढ़ने वाले होते हैं जो आक्रामक भी होते हैं। जबकि दूसरी तरफ, बिनाइन ट्यूमर धीरे-धीरे बढ़ते हैं और गैर-आक्रामक होते हैं। लगभग 40% ब्रेन ट्यूमर मेटस्टैटिक और कैंसरस होते हैं। मस्तिष्क और केंद्रीय स्नायुतंत्र का ट्यूमर बच्चों में दूसरा सबसे अधिक दिखने वाला कैंसर है, यह बच्चों के कैंसर का लगभग 26% है। सारे ब्रेन ट्यूमर जानलेवा नहीं होते, ब्रेन ट्यूमर के सभी मामलों का एक तिहाई ही घातक या कैंसरस होते है। अधिकतर मामलो में ब्रेन ट्यूमर के कारणों का पता नहीं चलता है। ये देखा गया है कि आयोनाइजिंग रेडिएशन से सम्पर्क और ब्रेन ट्यूमर का पारिवारिक इतिहास ब्रेन ट्यूमर के जोखिम को बढ़ाता है। ईलाज के बेहतर संभावना के लिए इसका शुरुआती स्टेज में पता लगाना बहुत ही महत्वपूर्ण है।

जांच व उपचार-

अधिकांशतः ब्रेन ट्यूमर की जांच सीटी स्कैन, एम आर आईस्कैन या पैट स्कैन से हो जाती है। एक बार जांच हो जाने के बाद उपचार कई प्रकार से किया जा सकता हैं। इलाज इस बात पर निर्भर करता है कि ब्रेन ट्यूमर प्राथमिक (प्राईमरी) है या द्वितीयक (सेकंडरी) है। लो-ग्रेड एस्ट्रोसाइटोमा, गैग्लिओ ग्लीयोमा, मेनिंजीयोमा, एकॉस्टिक न्यूरोमा, एपिडरमोइड आदि कुछ ऐसे ब्रेन ट्यूमर हैं जिन्हें न्यूरोनवीगेशन, माइक्रोन्यूरोसर्जरी, स्कल बेस सर्जरी, इंडोस्कोपिक न्यूरोसर्जरी, गामा नाइफ, रेडियोसर्जरी और रेडियोथेरेपी के जरिए पूर्ण रूप से ठीक किया जा सकता है।

ब्रेन ट्यूमर के लक्षण

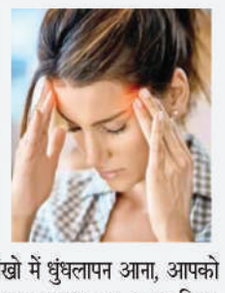

ये बहुत ही महत्वपूर्ण है कि ब्रेन ट्यूमर से संबंधित आवश्यक जानकारी आपको पता हो ताकि आप उन लोगो की सहायता कर पाए जिनमें ब्रेन ट्यूमर के लक्षण दिख रहे हों। लगातार सिरदर्द (खासतौर से बच्चो और 50 साल की आयु के बाद होने वाला सरदर्द), उल्टी आना, अचानक आंखो में धुंधलापन आना, आपको होने वाले सिरदर्द के लक्षणों का बार बार बदलना, डबल विजन (दोहरी दृष्टि), शरीर के किसी भी भाग में कमजोरी महसूस होना और खड़े होने और चलने के दौरान असंतुलन का होना कुछ ऐसे लक्षण हैं जिनके दिखते ही आपको किसी डॉक्टर से परामर्श लेने की आवश्यकता है।

इन बातों का ध्यान रखें-

- धूम्रपान और शराब से बचें।
- नियमित व्यायाम करें।
- मस्तिष्क के स्वास्थ्य वर्धक भोज्य पदार्थो का सेवन करें जैसे हरी पत्तेदार सब्जियाँ, अखरोट आदि।
- मानसिक रूप से सक्रिय रहने की कोशिश करें।

उपचार के प्रकार

सर्जरी- सर्जरी के दौरान, कुछ स्वस्थ ऊतकों के बीच के ट्यूमर को हटाया जाता है (इस प्रक्रिया को क्रैनियोटॉमी कहा जाता है)। नवीनतम विधियों में की होल सर्जरी,न्यूरोइंडोस्कोपिक सर्जरी, रू गाइडेड सर्जरी के द्वारा ब्रेनट्यूमर का सफल इलाज किया जा सकता है।

रेडिएशन थेरेपी- ट्यूमर कोशिकाओं को नष्ट करने के लिए उच्च-ऊर्जा एक्स-रे के उपयोग को रेडिएशन थेरेपी के रूप में जाना जाता है। ब्रेन ट्यूमर के विकास को धीमा करने के लिए या बढ़ने से रोकने के लिए रेडिएशन थेरेपीका इस्तेमाल किया जा सकता है।

मेडिकेशन थैरेपी- ट्यूमर थैरेपी के इलाज के लिए मेडिकेशन थैरेपी का इस्तेमाल कीमोथेरेपी और टार्गेटेड सेल थैरेपी दवा उपचार के प्रकार हैं।

डाक्टर की सलाह-

सहारा हॉस्पिटल के वरिष्ठ न्यूरो सर्जन डॉक्टर मनु रस्तोगी ने बताया कि किसी भी ब्रेन ट्यूमर के उपचार में शीघ्र निदान अत्यंत महत्वपूर्ण है और शीघ्र निदान तभी संभव है जब लोगों को ब्रेन ट्यूमर और उसके लक्षण के बारे में सही जानकारी हो। उपर्युक्त महत्वपूर्ण जानकारी ब्रेन ट्यूमर और उसके इलाज के बारे में है जो सभी लोगों को समझना बहुत हीमहत्वपूर्ण है।

सहारा इंडिया परिवार के वरिष्ठ सलाहकार अनिल विक्रम सिंह ने बताया कि हमारे माननीय अभिभावक 'सहाराश्री' के विजन के फलस्वरूप विश्व स्तरीय सहारा हॉस्पिटल का निर्माण हुआ है, जहां पर कुशल व दक्ष न्यूरो सर्जन डॉक्टर्स की टीम गंभीर से गंभीर स्थिति में आए मरीजों का सफलतापूर्वक ऑपरेशन कर निरंतर मरीजों को लाभान्वित कर रही हैं। सहारा हॉस्पिटल अत्याधुनिक उपकरणों से लैस है, जहां उचित मूल्य पर इलाज उपलब्ध कराया जाता है।

पेड़ों पर रहने वाले कंगारू

कभी पूरे ऑस्ट्रेलिया में रहते थे

एडिलेड (द कन्वरसेशन)। कंगारू ऑस्ट्रेलिया की विशिष्टता का एक स्थाई प्रतीक हैं। चलने के लिए वह जो करते हैं वैसा कोई अन्य बड़े स्तनधारी जीव नहीं करते हैं, वह अपने बड़े आकार के पिछले पैरों पर कूदते हैं। तो आपको यह जानकर आश्चर्य हो सकता है कि कुछ कंगारू पेड़ों पर रहते हैं, और सभी मार्सुपियल्स में सबसे प्यारे है और खतरे में हैं। आज, जीवविज्ञानी दस पेड़-कंगारू प्रजातियों को पहचानते हैं, सभी डेंड्रोलागस प्रजाति में हैं।

सुदूर उत्तरी क्वींसलैंड में दो प्रजातियां उष्णकटिबंधीय वन में निवास करती हैं। अन्य आठ न्यू गिनी में रहते हैं। उनका अध्ययन करना कठिन है क्योंकि उनके आवासों तक पहुंचना कठिन है, वे ऊंचे पेड़ों पर रहते हैं और मानव प्रभावों के कारण तेजी से दुर्लभ होते जा रहे हैं। पेड़-कंगारूओं का विकासवादी इतिहास और भी अस्पष्ट है। जूटाक्सा में आज प्रकाशित एक नए अध्ययन में, हमने जीवाश्म वृक्ष-कंगारूओं पर सभी साक्ष्यों को एकत्र किया है और यह दिखाने का प्रयास किया है कि विशाल वृक्ष-कंगारू प्रजातियां पूरे ऑस्ट्रेलिया में फैली हुई थीं, और उन आवासों में रहती थीं जो आज के उनके आवास उष्णकटिबंधीय जंगल से बहुत दूर थे।

ट्रीलेस प्लेन से ट्री-कंगारू

2002 में, खोजकर्ताओं की एक टीम ने दक्षिण-मध्य ऑस्ट्रेलिया के शुष्क नुलरबोर मैदान के बीच में तीन नई गुफाएं खोजीं। गुफाएं विलुप्त मार्सुपियल 'शेर' थायलाकोलियो कार्निफिक्स और छोटे चेहरे वाले कंगारुओं की हड्डियों के साथ-साथ ऐसे कई स्तनधारियों, पक्षियों और सरीसृपों के कंकाल से भरी हुई थीं जो अभी भी ऑस्ट्रेलिया के शुष्क भागों में रहते हैं। शाकाहारियों की उच्च विविधता को देखते हुए, हमने निष्कर्ष निकाला कि नुलरबोर लगभग 200-400 हजार साल पहले सिर्फ शुष्क झाड़ीदार भूमि नहीं रहा होगा, भले ही यह अभी भी बहुत सूखा था। ऐसा इसलिए है क्योंकि इतने सारे शाकाहारी जीवों के रहने के लिए कुछ झाड़ियां पर्याप्त नहीं होतीं।

पेड़ों पर क्यों लौटें

जैसे-जैसे ऑस्ट्रेलिया पिछले एक करोड़ वर्षों में सूखता गया, वैसे-वैसे अधिक खुली वनस्पतियां व्यापक होती गईं। यह प्रवृत्ति 50-35 लाख वर्ष पहले एक ग्रीनहाउस चरण द्वारा बाधित हुई थी। हम अनुमान लगाते हैं कि इस अवधि के दौरान वन आवासों के अस्थाई विस्तार ने नए पारिस्थितिक निशान खोले होंगे जिसका शुरुआती पेड़-कंगारूओं ने विकसित होने के लिए इस्तेमाल किया। जलवायु के सूखने के समय तक, पेड़-कंगारू ऑस्ट्रेलियाई जीवों के स्थापित सदस्य बन गए थे, जिनकी प्रजातियां वुडलैंड और सवाना निवासों के विस्तार के अनुकूल थीं।

इस आलोक में, यह विश्वास करना कठिन था जब हमने 2008 और 2009 में विशाल वृक्ष-कंगारू की दो नई प्रजातियों के आंशिक कंकालों की खोज की। वे विलुप्त प्रजाति बोहरा से संबंधित हैं, जिन्हें पहली बार 1982 में न्यू साउथ वेल्स में वेलिंगटन गुफाओं में पाए गए पैर की हड्डियों के आधार पर नामित किया गया था।

चमगादड़

महामारी से मुक्ति के लिए प्राकृतिक पर्यावास जरूरी

नई दिल्ली (भाषा)। वैज्ञानिकों का कहना है कि अगर हम चमगादड़ों को अकेला छोड़ दें और उन्हें उनके प्राकृतिक वास में ही रहने दें तो महामारी की आशंका को कम कर सकते हैं। 'द लांसेट प्लेनेटरी हेल्थ' पत्रिका में इस संबंध में एक अध्ययन प्रकाशित हुआ है। वाइल्डलाइफ कंजर्वेशन सोसाइटी (डब्ल्यूसीएस), यूएस के साथ मिलकर शोध करने वाले कॉरनेल यूनिवर्सिटी, अमेरिका के शोधकर्ताओं ने कहा कि हम नहीं जानते कि चमगादड़ के वायरस का सटीक तरीके से कैसे पता लगाया जा सकता है जिसकी वजह से कोविड-19 महामारी आई और 2003 में सार्स कोरोना वायरस महामारी आई।

■ चमगादड़ों को रेबीज, मारबर्ग फिलोवायरस, हेंड्रा और निपाह पैरामाइक्सोवायरस, मिडल ईस्ट रेस्पिरेटरी सिंड्रोम (एमईआरएस) कोरोना वायरस जैसे विषाणुओं का स्रोत माना जाता है और फ्रूट बैट (एक प्रकार का चमगादड़) को इबोला वायरस का स्रोत माना जाता है

चमगादड़ों को रेबीज, मारबर्ग फिलोवायरस, हेंड्रा और निपाह पैरामाइक्सोवायरस, मिडल ईस्ट रेस्पिरेटरी सिंड्रोम (एमईआरएस) कोरोना वायरस जैसे विषाणुओं का स्रोत माना जाता है और फ्रूट बैट (एक प्रकार का चमगादड़) को इबोला वायरस का स्रोत माना जाता है। शोधकर्ताओं ने कहा कि यह विश्लेषण वैश्विक रूप से मानवता के मूल्य को रेखांकित करता है कि हम चमगादड़ों से डरें नहीं या उन्हें हटाने या मारने की कोशिश नहीं करें क्योंकि ये सभी गतिविधियां सिर्फ उन्हें तितर-बितर करने में ही मददगार होंगी और इससे उनके जहां-तहां प्रसारित होने में मदद मिलेगी।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वास्तव में खतरनाक वायरस का पशुओं से मानव में संचरण होता है, ऐसे में मानवता ही एकमात्र वह जरिया है जिससे एक और महामारी के जोखिम को कम किया जा सकता है। डब्ल्यूसीएस की अंतरराष्ट्रीय नीति की उपाध्यक्ष सुजैन लीबरमैन ने कहा, आठ अरब लोगों की आबादी वाले विश्व में हम वन्यजीव एवं हमारे आस-पास के पारिस्थितिकी तंत्र के साथ अपने अंतरसंपर्क को अनदेखा नहीं कर सकते हैं। अगर हम पशुओं से होने वाली अगली महामारी नहीं चाहते हैं तो हमें निश्चित रूप से प्रकृति के साथ मानवीय रिश्ते में बदलाव लाना होगा और इसकी शुरुआत चमगादड़ों से की जा सकती है।अध्ययन में प्रकृति विशेष रूप से वन्यजीव एवं खासकर चमगादड़ों के साथ टूटे रिश्ते को बदलने का आह्वान किया गया है। कॉर्नेल में प्रोफेसर और अध्ययन के मुख्य लेखक स्टीवन ए. ओसोफस्काई ने कहा, अगर हम वास्तव में शिकार, पशुओं का आहार और चमगादड़ों की खरीद-फरोख्त को रोक दें और उन्हें उनकी गुफाओं में तथा उनके प्राकृतिक वास में ही रहने दें।

जूनियर एनटीआर के साथ काम करेंगी प्रियंका चोपड़ा

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा दक्षिण भारतीय स्टार जूनियर एनटीआर के साथ काम करती नजर आ सकती हैं। प्रियंका चोपड़ा ने बॉलीवुड के अलावा हॉलीवुड फिल्मों में भी कामयाबी का परचम लहराया है। हाल ही में प्रियंका चोपड़ा हॉलीवुड की वेब सीरीज सिटाडेल में नजर आई थीं। चर्चा है कि प्रियंका चोपड़ा निर्देशक प्रशांत नील की फिल्म में जूनियर एनटीआर के साथ नजर आने वाली है। यह फिल्म इंडिया-पाकिस्तान वॉर पर बेस्ड होने वाली है। बताया जा रहा है कि इस फिल्म के लिए दीपिका पादुकोण और मृणाल ठाकुर से भी बात की गई थी लेकिन बात नहीं बनी। यदि सबकुछ सही रहा तो प्रियंका, जूनियर एनटीआर के साथ काम करती नजर आ सकती हैं। जूनियर एनटीआर इस फिल्म के अलावा 'देवरा' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। जूनियर एनटीआर की फिल्म 'देवरा' में उनके साथ सैफ अली खान और जानवी कपूर भी नजर आने वाली है।

भोजपुरी फिल्म खिलाड़ी का गाना 'मगही मीठा पान' रिलीज

मुंबई (वार्ता)। भोजपुरी सिनेमा के जानेमाने अभिनेता प्रदीप पांडेय चिंटू की आने वाली फिल्म खिलाड़ी का गाना 'मगही मीठा पान' वर्ल्डवाइड रिकार्ड्स भोजपुरी से रिलीज हो गया है। प्रदीप पांडेय चिंटू और अभिनेत्री शहर अफ्शा की भोजपुरी फिल्म खिलाड़ी जियो स्टूडियो पर रिलीज हो गई है। इस फिल्म का गाना 'मगही मीठा पान' जगले नु जगले होला' रिलीज हो गया है, जिसमें चिंटू और शहर की जोड़ी कमाल की दिख रही है। गाने में शहर चिंटू से कहती हैं कि ऐसा का खास हमारे में बाटे जे रेहर चाहे तारे हमारे साथे,कहे हटे नही हमसे ध्यान, इस बात का जवाब चिंटू बड़े ही प्यारे तरीके से देते हुए कहते हैं कि ए जान ई मुस्कान लगे मगही मीठा पान ए जान ई मुस्कान लगे मगही मीठा पान। इस गाने को प्रदीप पांडेय चिंटू और सिंगर अलका झा ने अपनी मधुर आवाज में गाया है। गाने के लिरिक्स स्वर्गीय श्याम देहाती ने लिखे हैं, वही इसका म्यूजिक ओम झा ने दिया है। यशी फिल्म्स कृत और जियो स्टूडियो प्रस्तुत भोजपुरी फिल्म खिलाड़ी के निर्माता ज्योति देशपांडे और अभय सिन्हा हैं। निर्देशक अनंजय रघुराज है।

बिग बी ने किया खुलासा, आखिर क्यों नंगे पैर फैंस से करते हैं मुलाकात

मुंबई(आईएएनएस)। मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने इस बात का खुलासा किया है कि वह हर रविवार को घर के बाहर नंगे पैर अपने प्रशंसकों का अभिवादन क्यों करते हैं। अमिताभ ने अपने ब्लॉग पर अपने घर के बाहर प्रशंसकों का अभिवादन करते हुए कई तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने गर्मी की वजह से बाहर रखे पीने के पानी की तस्वीरें भी साझा कीं।

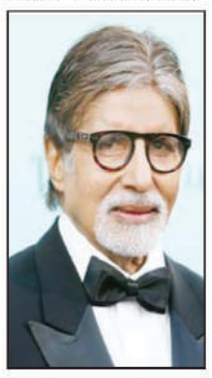

उन्होंने लिखा, मैंने महसूस किया कि वे (फैंस) इस चिलचिलाती गर्मी में घंटों इंतजार करते हैं, इसलिए प्यास बुझाने के लिए पीने का पानी उपलब्ध कराने के लिए 4 कंटेनर, 2 गेट के दोनों ओर मटके के ऊपर मटका रखा रहता है, जो दिन और रात के दौरान स्थाई रूप से होता है। स्टार ने उल्लेख किया कि वह नंगे पैर प्रशंसकों का अभिवादन क्यों करते है? मुझसे हमेशा यह पूछा जाता है कि नंगे पैर प्रशंसकों से मिलने कौन जाता है? मैं उनसे कहता हूं, मैं जाता हूं, आप मंदिर नंगे पैर जाते हैं, मेरे शुभ चिंतक मेरे लिए मंदिर के समान हैं।

सोनू सूद

ओडिशा ट्रेन हादसे में पीड़ित परिवारों की मदद करेंगे

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद ओडिशा ट्रेन हादसे में पीड़ित परिवार की मदद करेंगे। सोनू सूद ने ओडिशा ट्रेन हादसे का शिकार हुए पीड़ित परिवारों की मदद करने का फैसला किया है। सोनू सूद ने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें वह कह रहे हैं, 'दोस्तों पिछले कुछ समय से हम लोग पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि कौन से ऐसे परिवार हैं, जो ओडिशा ट्रेन दुर्घटना से बहुत ज्यादा प्रभावित हुए हैं। कुछ लोगों ने अपने परिजन खो दिए, कुछ लोग बहुत बुरी तरह घायल हुए और पता नहीं कि अब वे अपनी जिंदगी आगे कैसे काटेंगे।

सोनू सूद ने कहा, उन लोगों की मदद करने के लिए हमने एक हेल्पलाइन नंबर 9967567520 जारी किया है, जिसे मैं आप लोगों के साथ शेयर कर रहा हूं। इस नंबर पर आप हमें पीड़ित परिवार से कनेक्ट कर सकते हैं, तो प्लीज इस पर मैसेज भेजिए। याद रखिए इस नंबर पर आपको फोन नहीं करना है, सिर्फ एसएमएस भेजना है।

घर के बजट का खास ख्याल रखती हैं कैटरीना

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता विक्की कौशल का कहना है कि उनकी पत्नी कैटरीना कैफ घर के बजट का खास ख्याल करती है। विक्की कौशल ने बताया है कि कैटरीना हर हफ्ते उनके साथ घर के बजट को लेकर मीटिंग करती हैं। विक्की कौशल ने कहा कि सबसे मजेदार एक्सपीरियंस तब होता है, जब कैटरीना हर दूसरे हफ्ते घर में मीटिंग करती हैं। वह घर में सारे स्टाफ को इक्ट्ठा करती हैं और घर के खर्च का हिसाब मांगती हैं। वह पैसों के खर्च का पूरा हिसाब रखती हैं और यह बहुत अच्छी बात है। जब ये सब होता है उस दौरान मैं इसे काफी एंजॉय करता हूं क्योंकि मैं एक ऑडियंस हूं इसीलिए मैं पॉपकार्न लेकर वहां बैठता हूं। विक्की कौशल ने पैसों की बचत को लेकर कहा कि यह डिपेंड करता है कि किस सामान को कौन खरीदना चाहता है। यदि कोई सामान मुझे पसंद आ जाता है तो कैटरीना कहती हैं कि हमें बजट के अंदर ही रहना चाहिए।

संक्षिप्त खबरें

एक्टिव मोमेंटम फंड लांच

नई दिल्ली। सैमको एसेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड ने देश के पहले सक्रिय रूप से प्रबंधित मोमेंटम फंड 'सैमको एक्टिव मोमेंटम फंड' के लांच की घोषणा की है। इस फंड का एनएफओ 15 जून को खुलेगा और 30 जून को बंद होगा। निफ्टी 200 मोमेंटम 30 इंडेक्स ने 18 वर्षों में 17.79 प्रतिशत की प्रभावशाली चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) हासिल की है, जो निफ्टी 50 और निफ्टी 500 सूचकांकों से बेहतर प्रदर्शन है।

अमेरिकन टूरिस्टर का कैंपेन

मुंबई। अमेरिकन टूरिस्टर ने अपना नया कैंपेन शुरू किया है। यह कैंपेन ट्रैवलर्स को एडवेंचर्स साइड को उजागर करने के लिए प्रोत्साहित करता है। 'बॉर्न टू क्रॉस बाउंड्रीज़' कैंपेन लोगों को अनएक्सप्लोर्ड साइड को अपनाने की चुनौती पेश करता है। सैमसोनाइट इंडिया के सीईओ जय कृष्णन ने कहा, 'अमेरिकन टूरिस्टर एक ग्लोबल, इंटरनेशनल और इंस्पिरेशनल ब्रांड है। यह ट्रायल में सुविधा प्रदान करने वाले लगेज की जरूरत को पहचानने से परे है।

मई में चीन का निर्यात घटा

पेइचिंग। चीन का निर्यात मई में एक साल पहले की तुलना में 7.5 प्रतिशत घट गया है। वहीं आयात में भी 4.5 प्रतिशत की गिरावट आई है। इससे पता चलता है कि चीन में आर्थिक पुनरुद्धार की रफ्तार धीमी पड़ी है। आंकड़ों के अनुसार, मई में चीन का निर्यात घटकर 283.5 अरब डालर रह गया है। यह अप्रैल में दर्ज 8.5 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना के उलट है। वहीं आयात भी घटकर 217.7 अरब डालर रहा। अप्रैल में चीन का आयात 7.9 प्रतिशत घटा था।

गैलेक्सी एफ 54-5जी लांच

नई दिल्ली। सैमसंग ने अपना 108 मेगापिक्सल वाले नो शेक कैमरा, 6000 एमएएच की बैटरी और 6.7 के एसए मोलेड डिस्प्ले के साथ अपना नया स्मार्टफोन एफ 54-5जी का अनावरण किया। इस फोन की कीमत 27,999 रुपए रखी गई है। फोन में नाईटोग्राफी और एस्ट्रोलैप्स जैसे अनुभव मिलेंगे। यह फोन पांच साल तक सिक्योरिटी अपडेट्स को सपोर्ट करेगा। कंपनी के सीनियर वाइस प्रेसीडेंट (एमएक्स डिवीजन) राजू पुल्लन ने कहा, 'सैमसंग में हम शक्तिशाली डिवाईसेज़ द्वारा ग्राहकों को सशक्त बनाना चाहते हैं।

केपीआई ग्रीन ठेका मिला

नई दिल्ली। केपीआई ग्रीन एनर्जी को गुजरात में 40 मेगावाट की हाइब्रिड हरित ऊर्जा परियोजना विकसित करने के लिए एक निजी कंपनी से आशय पत्र (एलओआई) मिला है। कंपनी ने बुधवार को यह जानकारी दी। कंपनी ने शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कहा कि इसके तहत 21.50 मेगावाट पवन और 18.5 मेगावाट सौर क्षमता शामिल है। कंपनी ने कहा, उसे कैप्टिव बिजली उत्पादक (सीपीपी) खंड के तहत अनुपम रसायन इंडिया, सूरत से 40 मेगावॉट क्षमता की पवन-सौर हाइब्रिड बिजली परियोजना के लिए आशय पत्र मिला है।

मिस्र, यूएई में ऊर्जा करार

दोहा। मिस्र ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ दुनिया की सबसे बड़ी 10 अरब डालर की पवन ऊर्जा परियोजनाओं में से एक बनाने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। अल अरबिया टीवी ने यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार 10 गीगावाट बिजली उत्पादन करने की यह परियोजना अमीराती अक्षय ऊर्जा कंपनी मसदर द्वारा बनाई जाएगी और इसके साथ मिस्र की इन्फिनिटी पावर और हसन आलम यूटिलिटीज भी शामिल होंगे। दुनिया का सबसे बड़ा विंड फार्म मध्य मिस्र के सोहाग शहर के पास स्थित होगा।(एजेंसियां)

महंगाई और बढ़ती ब्याज दरों से प्रभावित होगी वैश्विक वृद्धि

■ ओईसीडी ने कहा, अनिश्चितताओं वाला रहेगा अगला साल ■ अगले साल वैश्विक वृद्धि दर 2.9 फीसद रहने का अनुमान

फ्रैंकफर्ट (एपी)।

महंगाई और बढ़ती ब्याज दरों की वजह से वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए यह साल और अगला वर्ष अनिश्चितताओं वाला रहेगा। पेरिस के आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओईसीडी) ने अपने ताजा आर्थिक परिदृश्य में यह बात कही है।

ओईसीडी के सदस्यों में 38 देश शामिल हैं। ओईसीडी ने चालू साल में अपने वैश्विक वृद्धि दर के अनुमान को मामूली बढ़ाकर 2.7 प्रतिशत कर दिया है। नवम्बर में उसने वृद्धि दर 2.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था।

समूह का अनुमान है कि अगले साल वैश्विक वृद्धि दर मामूली बढ़त के साथ 2.9 प्रतिशत रहेगी। ओईसीडी ने कहा कि कोविड-19 महामारी के बाद पुनरुद्धार यूक्रेन पर रूस के हमले के चलते ऊर्जा कीमतों में आई तेजी से प्रभावित होगा। ऐसे में महामारी-पूर्व के वर्षों की तुलना में वृद्धि कम रहेगी। 2013-2019 में औसत वैश्विक वृद्धि 3.4 प्रतिशत रही थी।

ओईसीडी ने कहा कि आगे का रास्ता जोखिमों भरा है। रूस-यूक्रेन युद्ध, विकासशील देशों में कर्ज संकट और ब्याज दरों में तेज बढ़ोतरी से बैंक और निवेशक प्रभावित हुए हैं।

हालांकि, ओईसीडी का यह अनुमान मंगलवार को आए विश्व बैंक के आकलन से बेहतर है। विश्व बैंक का अनुमान है कि चालू साल में वृद्धि वृद्धि दर 2.1 प्रतिशत रहेगी। हालांकि, यह विश्व बैंक के जनवरी के 1.7 प्रतिशत के अनुमान से अधिक है।

सेंसेक्स 350 अंक चढ़ा

मुंबई (भाषा)।

विदेशी पूंजी की प्रवाह बढने से बुधवार को घरेलू शेयर बाजारों में लगातार चौथे कारोबारी दिन तेजी रही और सेंसेक्स 350 अंक से ज्यादा उछलकर 63,000 अंक के स्तर के पार निकल गया।

कारोबारियों के मुताबिक, धातु, रियल्टी, तेल एवं गैस और औद्योगिक शेयरों में लिवाली से भी कारोबारी धारणा को समर्थन मिला। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित सूचकांक सेंसेक्स 350.08 अंक यानी 0.56 प्रतिशत चढ़कर 63,142.96 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 403.55 अंक तक उछलकर 63,196.43 अंक तक पहुंच गया था। निफ्टी भी 127.40 अंक की तेजी के साथ 18,726.40 अंक पर बंद हुआ।

ब्रिकवर्क का लाइसेंस रद्द करने का आदेश निरस्त

■ सैट ने मामले पर नए सिरे से सुनवाई के लिए इसे वापस सेबी को भेजा

नई दिल्ली (भाषा)।

प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण (सैट) ने क्रेडिट रेटिंग एजेंसी ब्रिकवर्क का लाइसेंस रद्द करने के बाजार नियामक सेबी के आदेश को निरस्त कर दिया है।

हालांकि सैट ने अपने निर्णय में यह माना है कि ब्रिकवर्क रेटिंग्स इंडिया ने कुछ नियामकीय प्रावधानों का उल्लंघन किया है। इसके साथ ही उसने मामले को नए सिरे से सुनवाई के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास वापस भेज दिया है।

सेबी ने अक्टूबर, 2022 में जारी अपने आदेश में नियामकीय प्रावधानों के उल्लंघन पर ब्रिकवर्क का पंजीकरण रद्द करने के साथ ही उसे छह महीनों के भीतर अपना कामकाज समेटने का निर्देश दिया था। इसके खिलाफ रेटिंग एजेंसी ने सैट के समक्ष अपील की थी।

अपीलीय न्यायाधिकरण ने मंगलवार को जारी अपने आदेश में कहा कि ब्रिकवर्क ने सेबी के नियमों का उल्लंघन जानबूझकर या धोखाधड़ी की मंशा से नहीं किया था लिहाजा उसका लाइसेंस रद्द नहीं किया जा सकता है।

■ सेबी ने अपने आदेश में कंपनी का पंजीकरण रद्द करने को कहा था
■ छह माह के भीतर बिक्रवर्क को कामकाज समेटने के भी दिये थे आदेश
■ इस आदेश के खिलाफ कंपनी ने सैट में दायर की थी याचिका
■ सैट ने कहा, कंपनी ने जान बूझकर नहीं किया था नियमों का उल्लंघन

सैट ने लाइसेंस निरस्त करने को अनुचित बताते हुए कहा कि ब्रिकवर्क ने परिचालन के दौरान होने वाली गलतियां की थीं जिसे अनावश्यक रूप से बढ़ा चढ़ाकर नियामकीय उल्लंघन बता दिया गया। हालांकि सैट ने ब्रिकवर्क के खिलाफ जुर्माना लगाने के लिए मामला सेबी के पास वापस भेज दिया है।

आईआईटी-मद्रास ने शुरू किया विशेष पाठ्यक्रम

नई दिल्ली (भाषा)।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान-मद्रास (आईआईटी-एम) ने देश को इलेक्ट्रानिक विनिर्माण का वैश्विक केंद्र बनाने के लिए बुधवार को यहां केंद्र सरकार के मिशन के अनुरूप तैयार किए गए इलेक्ट्रानिक प्रणालियों पर चार साल के विशेष पाठ्यक्रम का अनावरण किया।

अधिकारियों ने बताया कि पूर्णकालिक पाठ्यक्रम के तहत विद्यार्थी इलेक्ट्रानिक्स, सेमीकंडक्टर, रक्षा और वाहन जैसे क्षेत्रों में करियर बना सकते हैं। आईआईटी-एम में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर एंड्रयू तंगराज ने कहा कि भारत में ज्यादातर पाठ्यक्रम सेवाक्षेत्र को ध्यान में रखकर तैयार किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि सैमसंग जैसी कंपनियों के पास अपने उपकरण हैं लेकिन वह भारत सहित अन्य देशों से सेवा लेती हैं।

तंगराज ने कहा, 'इस कार्यक्रम का लक्ष्य अपने इलेक्ट्रानिक उपकरण अन्य देशों से आयात करने के बजाय अपने ही देश में तैयार करना है।' यह कार्यक्रम देश के सेमीकंडक्टर मिशन से जुड़ा हुआ है, जिसमें भारत को इलेक्ट्रानिक विनिर्माण और डिजायन में वैश्विक केंद्र बनाने का लक्ष्य तय किया गया है।

कुछ राज्यों की खारी जमीन खरीदने में रुचि

नई दिल्ली (भाषा)।

कुछ राज्य सरकारों ने रियायती दरों पर खारी भूमि खरीदने में रुचि दिखाई है। एक अधिकारी ने बताया कि ये जमीनें केंद्र सरकार के स्वामित्व में हैं।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने राज्यों का नाम लिए बिना कहा कि वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने उनके आग्रह पर फिलहाल कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया है। यह भूमि इसी मंत्रालय के नियंत्रण में है। अधिकारी ने कहा, 'अभी तक कई राज्य सरकारों ने रुचि दिखाई है, जो चाहते हैं कि हम वह भूमि रियायती दरों पर बेच दें। इस पर सचिवों की सक्रिय समिति है। मोलभाव के बाद हम ये प्रस्ताव वहां ले जाएंगे।' खारी भूमि निर्माण परियोजनाओं और लॉजिस्टिक्स पार्कों के लिए उपयुक्त है।

क्या है खारी जमीन

खारी भूमि से आशय ऐसी जमीन से है जो नमक के स्रोत रहे नदियों या तालाबों के सूखने से अस्तित्व में आती हैं। विभिन्न राज्यों में लगभग 60,000 एकड़ खारी जमीन उपलब्ध है।

उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने पिछले वर्ष मई में नमक आयुक्त संगठन (एससीओ) में मूल्यांककों को पैनल में शामिल करने के लिए आवेदन मांगा था। फिलहाल इस संबंध में दिशानिर्देश इस भूमि को निजी हाथों में बेचने की अनुमति नहीं देते हैं।

डियाजियो के भारतीय मूल के सीईओ इवान का निधन

नई दिल्ली (भाषा)। दुनिया की सबसे बड़ी शराब कंपनी डियाजियो के भारतीय मूल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) इवान मैनुअल मेनेजेस का बुधवार को निधन हो गया। कंपनी ने यह जानकारी दी। मेनेजेस इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती थे। मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने बताया कि 64 वर्षीय मेनेजेस इस माह के अंत में सेवानिवृत्त होने वाले थे। पेट के अल्सर और अन्य दिक्कतों के इलाज के लिए उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। लंदन में उनकी मौत के कारणों का तत्काल पता नहीं चल सका है।

डियाजियो ने सोमवार को घोषणा की थी कि मेनेजेस का इलाज चल रहा है और मनोनीत सीईओ डेबरा क्रू अंतरिम आधार पर तत्काल शीर्ष पद संभालेंगे। डियाजियो ने बयान में कहा, ''सप्ताहांत में हमें पता चला कि अल्सर की सर्जरी के बाद इवान की हालत कई अन्य दिक्कतों की वजह से खराब हुई है।' पुणे में जन्मे मेनेजेस के पिता मैनुअल मेनेजेस भारतीय रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष थे। मेनेजेस ने दिल्ली के प्रतिष्ठित सेंट स्टीफंस कालेज और भारतीय प्रबंधन संस्थान-अहमदाबाद से पढ़ाई की थी। मेनेजेस 1997 में गिनीज और ग्रैंड मेट्रोपॉलिटन के विलय के बाद अस्तित्व में आई डियोजियो में शामिल हो गए थे। वह जुलाई, 2012 में कंपनी के कार्यकारी निदेशक और जुलाई, 2013 में मुख्य कार्यपालक अधिकारी बन गए।

रुपया पांच पैसे की तेजी के साथ 82.55 प्रति डालर पर

मुंबई (भाषा)।

भारतीय रिजर्व बैंक के मौद्रिक नीति पर बृहस्पतिवार को आने वाले निर्णय से पहले जोखिम लेने की धारणा में सुधार तथा विदेशी पूंजी का निवेश बढ़ने से बुधवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया पांच पैसे की बढ़त के साथ 82.55 (अस्थायी) प्रति डालर पर पहुंच गया।

विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 82.56 रुपया प्रति डालर पर खुला और कारोबार के अंत में अपने पिछले बंद भाव के मुकाबले पांच पैसे की तेजी के साथ 82.55 प्रति डालर पर बंद हुआ। दिन में कारोबार के दौरान रुपए ने 82.46 प्रति डालर के उच्चस्तर को छुआ और यह 82.57 प्रति डॉलर के निचले स्तर तक भी आया।

प्रवासियों के लिए मुंबई सबसे महंगा भारतीय शहर

■ दूसरे नंबर पर दिल्ली और तीसरे पर बेंगलुरु ■ वैश्विक स्तर पर हांगकांग सबसे महंगा शहर

नई दिल्ली (भाषा)। भारत में प्रवासियों के लिए सबसे महंगा शहर मुंबई है। इसके बाद नयी दिल्ली और बेंगलुरु का स्थान है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। मर्सर के 'जीवनयापन की लागत सर्वे-2023' के अनुसार, वैश्विक रूप से पांच महाद्वीपों के 227 शहरों में मुंबई 147वें स्थान पर है। मुंबई भारत में प्रवासियों के लिए सबसे महंगा शहर है, जबकि वैश्विक रूप से इस सूची में हांगकांग सबसे आगे है।

वैश्विक रैंकिंग में दिल्ली 169वें, चेन्नई 184वें, बेंगलुरु 189वें, हैदराबाद 202वें, कोलकाता 211वें और पुणे 213वें स्थान पर हैं। मर्सर के सर्वे में प्रत्येक स्थान पर आवास, परिवहन, भोजन, कपड़े, घरेलू वस्तुओं और मनोरंजन समेत 200 से ज्यादा वस्तुओं और सेवाओं की कीमत की तुलना की गई है। रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक रूप से अंतरराष्ट्रीय कर्मियों के लिए इस वर्ष हांगकांग, सिंगापुर और ज्यूरिख सबसे महंगे शहर हैं।

रैंकिंग में सबसे कम महंगे शहरों में हवाना आता है। पिछले साल के मध्य में मुद्रा के अवमूल्यन के कारण हवाना 83 स्थान नीचे आ गया है। इसके अलावा अन्य सस्ते शहरों में दो पाकिस्तान से कराची और इस्लामाबाद हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, सर्वे में शामिल भारतीय शहरों में चेन्नई, हैदराबाद, कोलकाता और पुणे में ठहरने का खर्च मुंबई से 50 प्रतिशत से भी कम है। प्रवासियों के लिए 2023 में मुंबई और दिल्ली एशिया के 35 सबसे महंगे शहरों में शामिल हैं। हालांकि, मुंबई एशियाई शहरों में पिछले साल की तुलना में एक स्थान खिसक कर 27वें स्थान पर आ गया है।

मारुति ने लांच की नई एसयूवी जिम्नी

■ पांच दरवाजों वाला है यह माडल ■ नेक्सा डीलरशिप पर होगी बिक्री

नई दिल्ली (भाषा)।

देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने बुधवार को स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हेकिल (एसयूवी) खंड में अपनी स्थिति को मजबूत करने के प्रयासों के तहत 'जिम्नी' उतारी है। इसकी दिल्ली शोरूम में कीमत 12.74 लाख रुपए से 15.05 लाख रुपए के बीच है। कंपनी की निगाह एसयूवी खंड में शीर्ष स्थान हासिल करने पर है।

जिम्नी के मैनुअल ट्रिम्स की कीमत 12.74 लाख रुपए से 13.85 लाख रुपए के बीच है, जबकि 4-स्पीड आटोमैटिक ट्रिम्स की कीमत 13.94 लाख से 15.05 लाख रुपए के बीच है। पांच दरवाजों वाला माडल, जिसमें 1.5 लीटर पेट्रोल इंजन है, दो ट्रिम्स जेटा और अल्फा में आएगा और इसे नेक्सा डीलरशिप के जरिए बेचा जाएगा।

मारुति सुजुकी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) हिसाशी ताकेयूची ने बयान में कहा, 'जिम्नी (5-दरवाजे) को पेश करना हमारे एसयूवी पोर्टफोलियो में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह देश की सबसे बड़ी एसयूवी निर्माता बनने में हमारी मदद करेगी।'

सोने में 25 रुपए की तेजी चांदी 150 रुपए टूटी

नई दिल्ली (भाषा)।

राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में बुधवार को सोने का भाव 25 रुपए की तेजी के साथ 60,800 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 60,775 रुपए प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था।

हालांकि, चांदी की कीमत 150 रुपए की गिरावट के साथ 72,800 रुपए प्रति किलोग्राम रह गई। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ जिंस विश्लेषक सौमिल गांधी ने कहा, 'दिल्ली सर्राफा बाजार में सोने की हाजिर कीमत 25 रुपए की तेजी के साथ 60,800 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई।'

हालात का फायदा उठाने के लिए न बढ़ाएं एयर टिकट के दाम

■ आकाश एयर के सीईओ विनय दुबे का आग्रह

इस्तांबुल (भाषा)।

आकाश एयर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विनय दुबे ने बुधवार को कहा कि भारत में हवाई टिकटों के किराए की बहुत अच्छी व्यवस्था है लेकिन एयरलाइंस को किसी विशेष परिस्थिति का लाभ उठाकर टिकटों के दाम नहीं बढ़ाने चाहिए।

पिछले एक महीने में गो फर्स्ट एयरलाइन का परिचालन बंद होने और गर्मियों के मौसम में हवाई टिकटों की मांग में आई बढ़ोतरी के बीच उड़ानों का किराया बहुत अधिक हो जाने को लेकर चौतरफा चर्चा हो रही है। इसे लेकर नागर विमानन मंत्रालय भी एयरलाइन कंपनियों को वाजिब किराये की एक व्यवस्था बनाने को कह चुका है। इस संदर्भ में दुबे ने कहा कि हालात का फायदा उठाने के लिए किराया बढ़ाने के मुद्दे पर नागर विमानन मंत्रालय का नजरिया एकदम साफ है और वह इस समय भारत में हवाई टिकटों के औसत दाम की बात नहीं कर रहा है।

आकाश एयर के सह-संस्थापक दुबे ने एक साथ बातचीत में कहा, 'हद से ज्यादा किराया वसूलने को लेकर सरकार चिंतित है। एयरलाइन समुदाय से जुड़े होने के नाते हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि टिकटों के दाम बहुत ज्यादा न हों।' उन्होंने कहा, 'किसी खास स्थिति का फायदा उठाने के लिए दाम बढा देना अच्छी बात नहीं है। भारत में टिकटों का औसत दाम दुनिया में बहुत ग्राहक-अनुकूल है। भारतीय हवाई ग्राहकों के पास सबसे अच्छी टिकट मूल्य प्रणाली है। यह एक तथ्य है और दुनिया में किसी दूसरे देश की तुलना में बहुत सस्ती टिकटें हैं।'

भारत में हवाई टिकटों के दाम बेतहाशा बढ़ने के बाद सरकार भी हरकत में आई है और उसने एयरलाइंस के साथ बैठक कर उन्हें हवाई टिकटों के वाजिब दाम तय करने की एक व्यवस्था बनाने को कहा है। एयरलाइंस को टिकटों के दाम पर नजर रखने को भी कहा गया है। भारत में हवाई टिकटों के दाम सरकारी नियंत्रण से बाहर हैं और एयरलाइंस अपने स्तर पर ही किराया तय करती हैं।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से लोगों में है नौकरी जाने का खौफ

■ कार्यस्थल के माहौल में तेजी से बदलाव ला रहा है एआई ■ लोगों में आशा की नई किरण भी पैदा कर रहा है एआई

मुंबई (भाषा)।

रचनात्मक कृत्रिम मेधा (जेनएआई) की नई लहर व्यवसायों को तेजी से बदल रही है और 60 प्रतिशत भारतीय अधिकारी कार्यस्थल पर इसके प्रभाव को लेकर आशान्वित हैं। एक सर्वेक्षण में यह निष्कर्ष निकला है।

जेनएआई की नई लहर में चैटजीपीटी और डैल-ई समेत इस दौर में आई अन्य प्रौद्योगिकियां भी हैं। वैश्विक स्तर पर सर्वे में शामिल 36 प्रतिशत लोगों का यह भी मानना है कि एआई उनकी नौकरी ले सकता है।

बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप के सर्वेक्षण के अनुसार, ये विचार वरिष्ठता और देशों के आधार पर अलग-अलग हैं। यह सर्वेक्षण 18 देशों में विभिन्न उद्योगों में अधिकारी वर्ग से लेकर अगली पंक्ति के कर्मचारियों तक 12,800 कर्मियों से बातचीत पर आधारित है।

सर्वेक्षण के अनुसार, कार्यस्थल पर जेनएआई के प्रभाव को लेकर सबसे आशावादी देश ब्राजील (71 प्रतिशत) है, जिसके बाद भारत (60 प्रतिशत) और फिर पश्चिम एशिया (58 प्रतिशत) है।

इस मामले में सबसे कम आशावादी अमेरिका (46 प्रतिशत), नीदरलैंड (44 प्रतिशत) और जापान (40 प्रतिशत) हैं। एआई को लेकर सबसे ज्यादा चिंतित देशों में नीदरलैंड (42 प्रतिशत), फ्रांस (41 प्रतिशत) और जापान (38 प्रतिशत) हैं, जबकि इस संबंध में सबसे कम चिंतित पश्चिम एशिया (25 प्रतिशत), ब्राजील (19 प्रतिशत) और भारत (14 प्रतिशत) हैं। भारत में 1,000 उत्तरदाताओं में से लगभग 61 प्रतिशत इसको लेकर आशान्वित हैं जबकि 72.8 प्रतिशत मानते हैं कि जेनएआई का परिणाम जोखिम से ज्यादा है।

इसके अलावा, लगभग 88 प्रतिशत उत्तरदाता मानते हैं कि एआई से उनके काम में बदलाव आ सकता है और 80 प्रतिशत मानते हैं कि एआई को लेकर नियमन लाना जरूरी है।

एआई के वैश्विक जानकार निकोलस डी बेलफोन्ड्स का कहना है कि जेनएआई तेजी से आगे आ रहा है और कार्यस्थलों पर इसके जरिए होने वाला बदलाव पहले ही महसूस होने लगता है। सर्वेक्षण के अनुसार, काम पर एआई के प्रभाव को लेकर 52 प्रतिशत उत्तरदाता आशावादी हैं, जो 2018 में 35 प्रतिशत था।

हेड का रिकॉर्ड शतक, स्मिथ 95 पर नॉटआउट

डब्ल्यूटीसी फाइनल: पहले दिन रहा ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों का बोलबाला

लंदन। खब्बू बल्लेबाज ट्रैविस हेड (146 नाबाद) और स्टीव स्मिथ (95 नाबाद) की दोहरी शतकीय साझेदारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के पहले दिन बुधवार को तीन विकेट के नुकसान पर 327 रन बना लिए। मैच को ऑस्ट्रेलिया के पक्ष में झुकाने वाले हेड 156 गेंदों पर 146 रन बनाकर खेल रहे हैं जबकि शतक के करीब खड़े स्मिथ 227 गेंदों पर 95 रन बनाकर नाबाद हैं। दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 251 रन की साझेदारी हो चुकी है और शुरुआती तीन विकेट मात्र 76 रन पर गंवाने के बाद भारतीय टीम बैकफुट पर है। भारत ने खिताबी मुकाबले में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। बादलों से घिरे हुए ओवल मैदान पर मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज की जोड़ी ने दर्शनीय स्विंग गेंदबाजी से ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाजों को परेशान किया। सिराज ने जल्द ही ख्वाजा को भारत के हाथों कैचआउट करवाकर भारत को पहली सफलता दिलाई। वॉर्नर और लाबुशेन ने पहले विकेट के लिए 69 रन की साझेदारी की। इसके बाद वॉर्नर को शार्दुल ठाकुर ने लंच से ठीक पहले उन्हें आउट करके भारत को राहत दिलाई।

स्कोर बोर्ड

ऑस्ट्रेलिया पहली पारी	रन	गेंद	4/6
डेविड वॉर्नर कै. भरत बो. शार्दुल	43	60	8/0
उस्मान ख्वाजा कै. भरत बो. सिराज	00	10	0/0
मार्नस लाबुशेन बो. शमी	26	62	3/0
स्टीव स्मिथ नाबाद	95	227	14/0
ट्रैविस हेड नाबाद	146	156	22/1

अतिरिक्त: 17, कुल: 85 ओवर में तीन विकेट पर 327 रन, **विकेट पतन:** 1-2, 2-71, 3-76, **गेंदबाजी:** मोहम्मद शमी 20-3-77-1, मोहम्मद सिराज 19-4-67-1, उमेश यादव 14-4-54-0, शार्दुल ठाकुर 18-2-75-1, रवींद्र जडेजा 14-0-48-0,

डब्ल्यूटीसी फाइनल में शतक जड़ने वाले पहले बल्लेबाज बने ट्रेविस हेड

ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड डब्ल्यूटीसी के इतिहास में फाइनल मैच में शतक जड़ने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पूर्व डब्ल्यूटीसी फाइनल में सबसे बड़ी पारी खेलने का रिकॉर्ड न्यूजीलैंड के डेवोन कॉन्वे (54 रन) के नाम दर्ज था। भारत के खिलाफ 106 गेंद में उन्होंने यह कारनामा किया। यह उनके टेस्ट करियर का छठा शतक हैं। बाएं हाथ के बल्लेबाज हेड ने साल 2018 में पाकिस्तान क्रिकेट टीम के खिलाफ दुबई में अपने टेस्ट क्रिकेट करियर का आगाज किया था। 37 पारियों में उन्होंने 45 से अधिक की औसत और 60 से अधिक की की स्ट्राइक रेट के साथ 2,450 से अधिक रन बनाए हैं। इस फॉर्मेट में उनका उच्चतम स्कोर 175 रन का है और 6 शतक के अलावा वह 13 अर्धशतक भी जमा चुके हैं।

भारत ने टेस्ट में 8 साल बाद टॉस जीतकर चुनी गेंदबाजी

डब्ल्यूटीसी फाइनल में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर आठ साल और 34 टेस्ट मैच बाद पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। इससे पहले भारत ने साल 2015 में (8 साल पहले) दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी थी। उसके बाद भारत ने 34 टेस्ट में टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी। इससे पहले साल 1976 से 1981 के बीच भारतीय टीम ने लगातार 21 टेस्ट मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी थी।

छठवीं बार फाइनल में उतरे रोहित और विराट कोहली

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली छठवीं बार आईसीसी टूर्नामेंट का फाइनल खेलने उतरे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच के दौरान उन्होंने महेंद्र सिंह धोनी का रिकॉर्ड तोड़ा है जिन्होंने पांच आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल खेले थे। कोहली ने वनडे विश्वकप 2011, चैंपियंस ट्रॉफी 2013, टी-20 विश्व कप 2014, चैंपियंस ट्रॉफी 2017 और डब्ल्यूटीसी 2021 के फाइनल मैच खेले। वहीं रोहित ने टी-20 विश्व 2007, चैंपियंस ट्रॉफी 2013, टी-20 विश्वकप 2014, चैंपियंस ट्रॉफी 2017 और डब्ल्यूटीसी 2021 के फाइनल मैच खेले।

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के 50 टेस्ट मैच हुए पूरे

कप्तान रोहित शर्मा भारत के लिए सर्वाधिक टेस्ट खेलने के मामले में 28वें स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ फाइनल मैच में उतरते ही यह मुकाम हासिल किया। बीसीसीआई ने टॉस के बाद ट्वीट में बताया कि यह रोहित के करियर का 50वां टेस्ट मैच है। भारत के लिए सर्वाधिक टेस्ट खेलने वाले खिलाड़ियों की सूची में सचिन तेंदुलकर (200 मैच) टॉप पर हैं।

बांह में काली पट्टी बांधकर मैदान में उतरी दोनों टीमें, ओडिसा रेल हादसे पर जताया शोक

वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल मुकाबले के पहले दिन लंच के बाद विकेट को तरसे भारतीय गेंदबाज।

सात वर्षीय अनुप्रिया बनीं दुनिया की नंबर-1 शतरंज प्लेयर

प्रयागराज (ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज निवासी सात वर्षीय अनुप्रिया यादव शतरंज में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी बन गई है। अनुप्रिया ने 1307 अंको के साथ विश्व में नंबर-1 पॉजिशन हासिल कर देश का मान बढ़ाया है। अनुप्रिया नैनी इस्थित बेथनी कॉन्वेंट स्कूल में क्लास 2 की छात्रा हैं। दरअसल अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ की तरफ से जून महीने की रैंकिंग लिस्ट जारी की गई है। जिसमें उत्तर प्रदेश की बेटी अनुप्रिया ने 1307 अंक हासिल कर देश का नाम रोशन किया है। उन्होंने विश्व में नंबर - पॉजिशन हासिल की है। वहीं, फ्रांस की बूनी नंबर 2 पर है। तीसरे नंबर पर बांग्लादेश की वारिसा हैदर और चौथे नंबर पर इंग्लैंड की नवी कोनारा को जगह मिली है। वहीं, पांचवा स्थान भारत निवासी संस्कृति यादव ने हासिल किया है। उन्हें 1223 अंक मिले हैं। बता दें कि अनुप्रिया यादव के पिता शिव शंकर यादव एक कोचिंग सेंटर चलाते हैं और अनुप्रिया की मां प्राइमरी स्कूल में शिक्षिका है। अनुप्रिया की बड़ी बहन प्रिया यादव भी शतरंज की राष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी है। दरअसल उनका पूरा परिवार शतरंज के खेल में रमा हुआ है। अनुप्रिया ने हाल ही में नेपाल में आयोजित हुई पांचवी दोलखा ओपन चेस प्रतियोगिता में खिताब हासिल किया था। अनुप्रिया हर रोज पढ़ाई के साथ-साथ शतरंज को भी पूरा वक्त देती है।

श्रीलंका ने जीती वनडे सीरीज

अफगान को आखिरी मैच में नौ विकेट से पीटा

हम्बनटोटा । श्रीलंका ने अफगानिस्तान को आखिरी वनडे मैच में नौ विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-1 से जीती। पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान की टीम 22.2 ओवर में 116 रन पर ढेर हो गई। जबाव में श्रीलंका ने एक विकेट होकर लक्ष्य हासिल कर लिया। श्रीलंका के लिए सलामी बल्लेबाज दिमुथ करूणारत्ने (नाबाद 56 रन) और पथुम निसांका (51 रन) पहले विकेट की 84 रन की साझेदारी की। वहीं कुसाल मेंडिस ने 11 रन का योगदान दिया। इससे पहले आफगानिस्तान के लिए इब्राहिम जादरान (22), मोहम्मद नबी (23), फरीद अहमद (13 रन)और गुलबदिन नैब (20) ही दहाई का आकड़ा छू सके। टखने की चोट के कारण आठ महीने तक बाहर रहे तेज गेंदबाज दुष्मंता चमीरा ने 63 रन देकर चार जबकि वानिंदु हसरंगा ने सात रन देकर तीन विकेट चटकाए। लाहिरू कुमारा ने भी 29 रन देकर दो विकेट हासिल किए।

फ्रेंच ओपन: ओन्स जब्योर और कोको गौफ बाहर

हद्दाद मैया व स्वियातेक सेमीफाइनल में पहुंचीं

पेरिस । बीट्रिज हद्दाद मैया बुधवार को क्वॉर्टरफाइनल में ट्यूनीशिया की ओन्स जब्योर को हराकर फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश करने वाली पहली ब्राजीलियन महिला बन गयीं। कोर्ट फिलिप चैट्रियर पर खेले गए मुकाबले में हद्दाद मैया ने जब्योर को दो घंटे 29 मिनट में 3-6, 7-6(5), 6-1 से मात दी।

सेमीफाइनल में हद्दाद मैया का सामना गुरुवार को पोलैंड की इगा स्वियातेक से होगा, जो एकतरफा क्वॉर्टरफाइनल में अमेरिका की कोको गौफ को 6-4, 6-2 से हराकर आ रही हैं। हद्दाद मैया किसी ग्रैंड स्लैम आयोजन के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली दूसरी ब्राजीलियन महिला भी हैं। एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने पुरुष वर्ग के क्वॉर्टरफाइनल में अर्जेंटीना के टॉमस मार्टिन एचवेरी को6-4, 3-6, 6-3, 6-4 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। सेमीफाइनल में उनका सामना होल्गर रूने या कैस्पर रूड में से किसी एक से होगा।

सात्विक-चिराग पहले चरण में उलटफेर के शिकार

सिंगापुर ओपन : त्रिशा और गायत्री की महिला युगल जोड़ी भी पराजित

सिंगापुर। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी बुधवार को सिंगापुर ओपन 2023 के पहले चरण में जापान के अकीरा कोगा और टाइची साइतो से हारकर प्रतियोगिता से बाहर हो गई। कोगा-साइतो ने 68 मिनट चले मुकाबले में सात्विक-चिराग को 21-18, 14-21, 21-18 से हराकर उलटफेर का शिकार किया। यह सात्विक-चिराग के खिलाफ जापानी युगल का दूसरा मुकाबला था और उन्होंने इस बार पिछली हार का हिसाब चुकता कर लिया। दूसरी ओर, त्रिशा जॉली और गायत्री पुलेला गोपीचंद की महिला युगल जोड़ी को भी पहले चरण में हॉन्ग कॉन्ग की यूंग एनजीए टिंग और यूंग पुइ लाम के हाथों हार का सामना करना पड़ा। भारतीय जोड़ी ने पहला गेम गंवाने के बाद कड़ा संघर्ष किया, लेकिन वह 66 मिनट चले मुकाबले में 14-21, 21-18, 19-21 की हार नहीं टाल सकीं। सिंगापुर ओपन में गुरुवार को किदांबी श्रीकांत और प्रियांशु राजावत पुरुष एकल के दूसरे चरण में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

सिटी स्पोर्ट्स

नेहरू नगर में आयोजित पुलिस खेलकूद शिविर का समापन

भोपाल । राजधानी पुलिस की ओर से पुलिस लाइन नेहरू नगर में डेढ़ महीने से आयोजित पुलिस खेलकूद शिविर यानी समर कैम्प का बुधवार को समापन हुआ। कैम्प में शहर में पदस्थ पुलिस कर्मियों के परिवार में सदस्यों एवं बच्चों ने भाग लिया। समर कैम्प के दौरान क्रिकेट, बैडमिंटन, वॉलीबाल, मेहंदी, मार्शल आर्ट, ब्यूटी पार्लर, जुंबा समेत 11 स्पोर्ट्स व अन्य गतिविधियां आयोजित की गईं। बुधवार को समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर पुलिस कमिश्नर हरिनारायणाचारी मिश्र एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में एडिशनल पुलिस कमिश्नर अवधेश गोस्वामी ने शिरकत की। कार्यक्रम का संचालन आरआई जय सिंह तोमर ने किया। पुरस्कार वितरण के बाद पुलिस कमिश्नर ने बच्चों को संदेश दिया कि प्रतिस्पर्धात्मक जीवन में प्रवेश करने से पूर्व सर्वांगीण विकास होना जरूरी है, जिसमें खेलकूद की गतिविधियां तथा शरीर का स्वस्थ्य होना भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि पढ़ाई-लिखाई है। पुलिस लाईन में आयोजित इस समर कैम्प में पुलिस परिवार के बच्चों व महिलाओं को एक नई राह दिखाई है कि वे स्वस्थ्य जीवन शैली को अपनाएं तथा किसी न किसी स्पोर्ट एक्टिविटी में भाग लें।

इंटर हाउस क्रिकेट प्रतियोगिता में येलो और ग्रीन हाउस जीते

भोपाल। स्थानीय बाबे अली क्रिकेट स्टेडियम में खेली जा रही सेंट माइकल इंटर हाउस प्रतियोगिता में बुधवार को येलो एवं ग्रीन हाउस ने अपने-अपने मैच जीते। पहले मैच में ग्रीन हाउस ने रेड हाउस को 73 रनों से हराया। ग्रीन हाउस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए हिमांशु के 80 रन एवं आशू के 28 रनों के सहारे 30 ओवर में 185 रनों का लक्ष्य रखा। जवाबी पारी खेलते हुए रेड हाउस की टीम निर्मल 30 एवं आयुष के 27 रनों के बाबजूद 112 रन ही बना सकी। दूसरे मैच येलो हाउस ने ब्लू हाउस को 34 रनों हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए येलो हाउस ने वैभव के 84 रन, योगेश के 57 एवं कार्तिक के 44 रनों की बदौलत 281 रनों का लक्ष्य रखा। जवाबी पारी खेलते हुए ब्लू हाउस की टीम अर्रहम अकील के 56 एवं मयंक व मुर्तुजा के 48- 48 रनों के बावजूद 247 रनों पर ऑल आउट हो गई। दोनों मैचों के मैन ऑफ द मैच हिमांशु एवं वैभव को सीनियर क्रिकेटर रणजी ट्रॉफी समीर कुरैशी एवं फरहान द्वारा दिया गया।

अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में तीसरे स्थान पर रहा भारत

येचियोन। भारतीय महिला चार गुणा 400 मीटर रिले टीम और 1500 मीटर दौड़ की धाविका लक्षिता विनोद संडीला ने बुधवार को एशियाई अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप के अतिम दिन स्वर्ण पदक जीते। इसी के साथ भारत छह स्वर्ण, सात रजत और छह कांस्य पदक जीतकर जापान (14 स्वर्ण, चार रजत और पांच कांस्य) और चीन (11 स्वर्ण, पांच रजत और तीन कांस्य) के बाद तीसरे स्थान पर रहा। संडीला ने महिलाओं की 1500 मीटर दौड़ में चार मिनट 24.23 सेकेंड के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। संडीला का इससे पहले सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन चार मिनट 26.48 सेकंड था जिसमें उन्होंने लगभग दो सेकंड के अंतर से सुधार करके भारत को चैंपियनशिप में पांचवां स्वर्ण पदक दिलाया। फिर चार गुणा 400 मीटर रिले टीम में रेजोआना मलिक हीना ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी जिससे भ्रारतीय टीम ने तीन मिनट 40.49 सेकेंड के समय स्वर्ण पदक जीता। कजाखस्तान ने तीन मिनट 46.19 सेकेंड से रजत पदक और कोरिया ने तीन मिनट 47.46 सेकेंड से कांस्य पदक हासिल किया। पुरुषों की चार गुणा 400 मीटर रिले टीम ने तीन मिनट 8.78 सेकेंड के समय से रजत पदक से संतोष किया। मेहदी हसन ने पुरुषों की 1500 मीटर दौड़ तीन मिनट 56.01 सेकेंड में पूरी करके कांस्य पदक जीता। शिवाजी परशु मदप्पागौद्रा ने पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ में 14 मिनट 49.05 सेकेंड के समय के साथ रजत पदक जीता जिससे भारत के पदकों की संख्या 19 हो गई। रविवार को प्रतियोगिता के पहले दिन रेजोआना मलिक हीना और भरतप्रीत सिंह ने क्रमशः महिलाओं की 400 मीटर और पुरुषों की चक्का फेंक में स्वर्ण पदक जीता था। गोला फेंक के एथलीट सिद्धार्थ चौधरी ने सोमवार को स्वर्ण पदक जीता जबकि सुनील कुमार ने मंगलवार को डेकाथलॉन में सोने का तमगा हासिल किया था।

भव्य आयोजन 66वीं राष्ट्रीय शालेय क्रीडा प्रतियोगिता का खेल मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने किया शुभारंभ, खिलाड़ियों ने किया मार्चपास्ट

पोलवाल्ट में मप्र की निकिता ने जीता स्वर्ण, भव्या को रजत

भोपाल। स्कूल शिक्षा, खेल एवं युवक कल्याण विभाग और स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा मध्यप्रदेश के भोपाल एवं ग्वालियर में 6 से 13 जून खेली जा रही 66वीं राष्ट्रीय शालेय क्रीडा प्रतियोगिता का उद्घाटन बुधवार को खेल एवं युवा कल्याण मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल शिक्षा राज्य मंत्री इंदर सिंह परमार ने की।

वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में एसजीएफआई के उपाध्यक्ष मुखतेज सिंह बंदेशा एवं महासचिव अमरजीत शर्मा थे। तात्याटोपे स्टेडियम में आयोजित एथलेटिक्स प्रतियोगिता के दूसरे दिन पोलवाल्ट स्पर्धा में मप्र की निकिता ने स्वर्ण और भव्या ने रजत पदक पर कब्जा जमाया। पदक तालिक में केरल प्रथम, हरियाणा द्वितीय और पश्चिम बंगाल तृतीय स्थान पर रहा। मध्यप्रदेश को एक स्वर्ण एवं एक रजत पदक प्राप्त हुआ। दूसरे दिन कुल 13 फाइनल खेले गए। बालिका वर्ग में केरल की मेघा ने 100 मीटर फर्राटा दौड़ में स्वर्ण पदक जीता। ट्रिपल जंप बालक वर्ग में पश्चिम बंगाल के अरितरा सरदार ने रिकॉर्ड समय निकालते हुए स्वर्ण पदक प्राप्त किया। केरल के मोहम्मद मोहसेन दूसरे स्थान पर रहे, उन्हें रजत पदक मिला। 100 मीटर बालिका वर्ग में केरल की उड़न परी मेघा ने 12 सेकंड समय निकालकर स्वर्ण पदक प्राप्त किया, दिल्ली की ऋतु ने 12.5 सेकंड समय निकालकर रजत पदक प्राप्त किया। बालक वर्ग में महाराष्ट्र के हर्ष रावत ने 10.5 सेकंड समय निकालकर स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

शाटपुट बालक वर्ग में उत्तर प्रदेश के देवेंद्र पांडे ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया। 400 मीटर दौड़ बालक वर्ग में केरल के अविराम पी 49 सेकंड समय निकालकर स्वर्ण पदक प्राप्त किया। बालिका वर्ग में महाराष्ट्र की श्रावणी सांगले ने 56 सेकंड समय निकालकर स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

8 विधाओं में 5256 खिलाड़ी ले रहे हिस्सा

मध्यप्रदेश में आयोजित प्रतियोंगिता में आठ 8 विधाओं में 5256 खिलाड़ी हिस्सा ले रहें हैं। भोपाल एवं ग्वालियर के विभिन्न खेल मैदानों में एथलेटिक्स, फुटबाल, बालीबॉल, बॉक्सिग, जूडो, टेबल टेनिस, हॉकी एवं बैडमिंटन की प्रतियोगिताएं होंगी। शुभारंभ समारोह में खेली मंत्री ने कहा कि आजादी के अमृत काल में भारत ने खेलों में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त किया है। यदि शाला स्तर से ही प्रतिभा को पहचान लिया जाए, तो भारत एशियन एवं ओलंपिक खेल में और अधिक पदक प्राप्त कर सकता है। प्रदेश की खेल अकादमी ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कई खिलाड़ी तैयार किए हैं। पुरातन खेलों को बढ़ावा देते हुए मलखंब को राज्य खेल का दर्जा दिया है। स्कूल शिक्षा राज्य मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में खेलों को पाठ्यक्रम में स्थान दिया गया है। अकादमिक के साथ स्कूल स्तर पर खेलकूद गतिविधियों को विस्तार दिया जा रहा है। आधुनिक, परंपरागत एवं ग्रामीण खेलो के प्रोत्साहन के लिए प्रयास किये जा रहे हैं। मंत्री श्री परमार ने स्वामी विवेकानंद के कथन का उल्लेख करते हुए कहा कि खिलाड़ी किसी भी देश की ताकत होते हैं।

यूएस के पास है कई यूएफओ के पायलट्स की डेडबॉडी और उड़नतश्तरियों का मलबा

अमेरिकी एयरफोर्स के पूर्व पायलट और इंटेलिजेंस अफसर डेविड चार्ल्स ग्रुश का सनसनीखेज दावा

बोले – धरती के बाहर भी है जीवन, अमेरिका सीक्रेट मिशन में जुटा, रिवर्स इंजीनियरिंग के जरिए बना रहा बेजोड़ हथियार

वाशिंगटन ■ एजेंसी

अमेरिकी एयरफोर्स के एक पूर्व पायलट और इंटेलिजेंस अफसर ने दावा किया है कि पृथ्वी के बाहर भी जीवन है। इतना ही नहीं, इस अफसर का दावा है कि अमेरिकी खुफिया एजेंसियों के पास दूसरे ग्रह से जुड़ी बेहद खुफिया और अहम जानकारियां हैं। इस इंटेलिजेंस अफसर का नाम डेविड चार्ल्स ग्रुश है। उनके मुताबिक अमेरिकी इंटेलिजेंस के पास उड़नतश्तरियों (यूएफओस) के पायलट्स की डेड बॉडीज और इन यूएफओस का मलबा मौजूद है। अमेरिकी साइंटिस्ट्स रिवर्स इंजीनियरिंग के जरिए इनका इस्तेमाल बेजोड़ हथियार बनाने में करना चाहते हैं।

डेविड चार्ल्स ग्रुश कौन हैं और क्यों है इनके दावों में इतना वजन

डेविड चार्ल्स ग्रुश अफगानिस्तान में एक लड़ाकू अधिकारी थे। वे यूएस नेशनल जियोस्पेशियल-इंटेलिजेंस एजेंसी और यूएस नेशनल टोही ऑफिस के भी अनुभवी हैं। उन्होंने अमेरिकी रक्षा विभाग के अंदर अनआइडेंटिफाइड एयरोस्पेस फेनोमेना (यूएपी) के रिसर्च का नेतृत्व किया, जो यूएफओ के लिए आधिकारिक शब्द है। ग्रुश ने बताया कि अमेरिका के पास ऐसे कई गैर मानव निर्मित क्रॉफ्ट हैं, जो या तो पृथ्वी पर उतरे या यहां दुर्घटनाग्रस्त हो गए हैं। गार्जियन की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी खुफिया विभाग में 14 साल की लंबी नौकरी के बाद उन्होंने अप्रैल में इस्तीफा दे दिया था।

पहली बार खुलासा, मजबूत दावा

अन आईडेन्टिफाइड फ्लाइंग ऑब्जेक्ट्स (यूएफओ) को हिंदी में उड़नतश्तरी कहा जाता है। करीब 70 साल से इनको लेकर कई कहानियां सुनने को मिलती रही हैं। ग्रुश से पहले भी कई लोग इन्हें देखने का दावा कर चुके हैं। बहरहाल, ग्रुश का दावा इसलिए वजनदार लगता है, क्योंकि वो अमेरिकी एयरफोर्स में पायलट रह चुके हैं। बाद में इसी यूएफओ सेक्शन में वो इंटेलिजेंस ऑफिसर भी रहे। अब व्हिसल ब्लोअर बन चुके हैं और अमेरिकी सरकार से उनकी मांग है कि इस मिस्ट्री को दुनिया के सामने लाया जाए।

'नॉन ह्यूमन्स' का वजूद मौजूद

ग्रुश ने एक अमेरिकी टीवी चैनल को इंटरव्यू दिया। यूएफओ से जुड़े कई खुलासे किए। कहा, अमेरिकी डिफेंस साइंटिस्ट कई साल से प्रोजेक्ट यूएफओ पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कई यूएफओस को या तो मार गिराया या फिर वो खुद ही क्रैश हो गए। इनका मलबा बरामद किया गया। इनके पायलट्स की डेड बॉडीज बरामद की गई। ये सभी एक स्पेशल यूनिट के पास हैं। ग्रुश आगे कहते हैं, इसमें कोई दो राय नहीं कि 'नॉन ह्यूमन्स' का वजूद मौजूद है। अमेरिका के पास इसके पुख्ता सबूत हैं।

रिवर्स इंजीनियरिंग पर चल रहा है काम

यूएफओस में मौजूद लोगों को आप कोई भी नाम दे सकते हैं। कुछ लोग इन्हें एलियन भी कहते हैं। मैं खुद पहले एयरफोर्स और बाद में नेशनल जियोस्पेटिल इंटेलिजेंस एजेंसी में रहा। अमेरिका और शायद कुछ दूसरे देश एक नई तरह की आर्म्स रेस में शामिल हैं। अमेरिका तो यूएफओस की रिवर्स इंजीनियरिंग के काफी करीब है।

भारत में 1951 में पहली बार दिखा यूएफओ

1951 में दिल्ली में फ्लाइंग क्लब के मेंबर्स ने एक ऑब्जेक्ट को आसमान में देखा। ये सिगार के आकार का था। थोड़ी देर दिखने के बाद यह आसमान में गायब हो गया। ऐसे ज्यादातर ऑब्जेक्ट्स 21वीं सदी की शुरुआत में देखे गए थे। उसके बाद कैमकॉर्डर से ऐसी घटनाओं को रिकॉर्ड करने वाले लोगों की संख्या बढ़ती चली गई। 29 अक्टूबर 2017 को एक तेजी से उड़ते हुए चमकीले ऑब्जेक्ट को कोलकाता के पूर्वी छोर पर देखा गया। इसको कैमकॉर्डर से रिकॉर्ड भी किया गया था। हालांकि बाद में इसकी पहचान प्लैनेट वीनस के रूप में हुई। 2013 के बाद से चेन्नई से लखनऊ तक ऐसे ऑब्जेक्ट्स को देखना काफी कॉमन हो गया था। ये ऑब्जेक्ट्स बुलेट के आकार के होते थे और रात में दिखाई देते थे। इन्हें करीब 10 मिनट तक आसमान में घूमते हुए देखा गया।

संसद को सबूत भी देंगे

ग्रुश ने कहा है कि वो अमेरिकी कांग्रेस और इंटेलिजेंस कम्युनिटी इंस्पेक्टर जनरल को यूएफओ से जुड़े दावों के सबूत भी देने जा रहे हैं। उन्होंने कहा, यूएफओस के पायलट्स की डेड बॉडीज और इसके पार्ट्स पर अमेरिका बहुत लंबे वक्त से काम कर रहा है।

पेंटागन की स्पेशल यूनिट के मेंबर रह चुके हैं ग्रुश

ग्रुश पेंटागन की स्पेशल यूनिट अन-आईडेन्टिफाइड फिनोमिना (यूएपी) के मेंबर थे। इसकी एक यूनिट समंदर की गहराई में काम करने वाले कुछ सीक्रेट ऑब्जेक्ट्स पर भी काम करती रही है। ग्रुश के मुताबिक मैंने कभी यूएफओ पायलट्स की डेड बॉडीज या यूएफओ के पार्ट्स नहीं देखे। वहां सिर्फ चुनिंदा अफसर ही जा सकते हैं।

यूएनओसीटी के नए यूएन आफिस स्पेन में खुला

मैड्रिड, (एजेंसी)। स्पेन के आंतरिक मंत्री फर्नांडो ग्रांडे-मार्लास्का, विदेश मंत्री जोस मैनुअल अल्बरेस व संयुक्त राष्ट्र आतंकवाद निरोधी कार्यालय (यूएनओसीटी) के अवर महासचिव व्लादिमीर वोरोंकोव ने मैड्रिड में यूएनओसीटी के एक नए कार्यालय का उद्घाटन किया है। फर्नांडो ग्रांडे-मारलास्का, जोस मैनुअल अल्बरेस और संरा अवर महासचिव, श्री व्लादिमीर वोरोन्कोव ने बुधवार को मैड्रिड में यूएनओसीटी के नए ऑफिस का उद्घाटन किया।

पीकेके सदस्य के तुर्की प्रत्यर्पण को हरी झंडी दी

स्टॉकहोम, (एजेंसी)। स्वीडन के सुप्रीम कोर्ट ने कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी (पीकेके) के एक समर्थक के तुर्की में प्रत्यर्पण को हरी झंडी दे दी है। स्थानीय मीडिया ने मंगलवार को यह जानकारी दी। स्वीडिश अखबार आफ्टोनब्लाडेट ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने इस तरह के पहले प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी है। स्वीडिश सरकार को अब प्रत्यर्पण पर फैसला करना होगा। अंकारा पीकेके को एक आतंकवादी संगठन मानता है।

द. कोरिया को रूसी-चीनी जेट के प्रवेश पर आपत्ति

सोल, (एजेंसी)। दक्षिण कोरिया ने रूस और चीन के सैन्य विमानों के बिना सूचना के अपने हवाई रक्षा पहचान क्षेत्र (काडीज) में प्रवेश करने पर 'कड़ा विरोध' जताया है और उनसे भविष्य में इस तरह की हरकत नहीं करने का अनुरोध किया है। द. कोरिया के रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि चार रूसी व चार चीनी सैन्य जेट देश के हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किए बिना कुछ समय के लिए द. कोरिया के काडीज़ में प्रवेश कर गए।

ट्रेन हादसे में पीड़ित परिवारों की मदद करेंगे सोनू सूद

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद ओडिशा ट्रेन हादसे में पीड़ित परिवार की मदद करेंगे। सोनू ने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें वह कह रहे हैं, 'दोस्तों पिछले कुछ समय से हम लोग पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि कौन से ऐसे परिवार हैं, जो ओडिशा ट्रेन दुर्घटना से बहुत ज्यादा प्रभावित हुए हैं। सोनू सूद ने कहा, 'उन लोगों की मदद करने के लिए हमने एक हेल्पलाइन नंबर 99675675 20 जारी किया है, जिसे मैं आप लोगों के साथ शेयर कर रहा हूं। इस नंबर पर आप हमें पीड़ित परिवार से कनेक्ट कर सकते हैं, तो प्लीज इस पर मैसेज भेजिए।

आज का इतिहास

- **1557:** इंग्लैंड ने फ्रांस के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।
- **1655:** यहूदियों ने रोम के खिलाफ बगावत की।
- **1658:** औरंगजेब ने आगरा के किले पर कब्जा किया।
- **1707:** बादशाह मुअज्जम (शाह आलम) ने आगरा के समीप जजाउ क्षेत्र में उत्तराधिकार की लड़ाई में बादशाह आजम को हराया।
- **1786:** आइसक्रीम के लिए व्यावसायिक तौर पर पहला विज्ञापन बनाया गया।
- **1869:** शिकागो के आइविस डब्ल्यू मैकजैफी के पहले वैक्यूम क्लीनर का पेटेंट हुआ।
- **1936:** भारत के सरकारी रेडियो नेटवर्क का नाम बदलकर ऑल इंडिया रेडियो रखा गया।
- **1948:** भारत की पहली विमान सेवा एयर इंडिया ने भारत और ब्रिटेन के बीच हवाई सेवा में शुरू की।

सरकार ने मांगा 15 जून तक का समय

पहलवानों के खिलाफ दर्ज सभी एफआईआर होंगी वापस

नई दिल्ली, (एजेंसी)। खेल मंत्री अनुराग ठाकुर के साथ रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के निवर्तमान अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ मोर्चा खोले पहलवानों की बैठक खत्म हो गई है। छह घंटे की मैराठन बैठक के दौरान बुधवार, को सरकार ने पहलवानों को 15 जून तक पुलिस कार्रवाई पूरी होने और चार्जशीट दाखिल होने का आश्वासन दिया। साथ ही पहलवानों पर से 28 मई को दर्ज हुए एफआईआर भी वापस लेने की बात कही गई। पहलवानों ने इसके साथ ही 15 जून तक धरने को स्थगित कर दिया। वहीं फेडरेशन का चुनाव 30 जून तक हो जाएगा।

खेल मंत्री ठाकुर ने पहलवानों संग की मुलाकात

बैठक के बाद बजरंग पूनिया ने मीडिया को बताया कि सरकार ने पुलिस की कार्रवाई 15 जून तक पूरी करने की बात कही है। धरने में हिस्सा ले रहे महिला, पुरुष खिलाड़ियों की सुरक्षा की भी बात कही है और 28 मई की रात को हम पर जितने भी मामले दर्ज हुए हैं वह वापस लेने की भी बात कही है। उन्होंने 15 जून तक धरने को स्थगित होने की जानकारी देते हुए कहा कि हमारा प्रदर्शन खत्म नहीं हुआ है। हमारा प्रदर्शन चलता रहेगा। अनुराग ठाकुर बोले, पहलवानों से छह घंटे लंबी चर्चा हुई खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि पहलवानों से मेरी 6 घंटे लंबी चर्चा हुई। हमने पहलवानों को आश्वासन दिया है कि 15 जून तक जांच पूरी कर ली जाएगी और चार्जशीट दाखिल कर दी जाएगी। डब्ल्यूएफआई के चुनाव 30 जून तक कराए जाएंगे। कुश्ती महासंघ की एक आंतरिक शिकायत समिति का गठन किया जाएगा, जिसकी अध्यक्षता एक महिला करेगी। पहलवानों के खिलाफ सभी एफआईआर वापस ली जाएगी।

नाबालिग पहलवान ने आरोप लिए वापस, पिता बोले- लालच में नहीं, डर की वजह से बयान बदले

भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष रहे और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोप नाबालिग पहलवान ने वापस ले लिए हैं। नाबालिग पहलवान के पिता बोले- लालच में नहीं, डर की वजह से बयान बदले है। नाबालिग पहलवान ने अपने दो बयानों में बृजभूषण के खिलाफ यौन उत्पीड़न और स्टॉकिंग के आरोप लगाए थे। नाबालिग पहलवान ने एक बयान पुलिस के सामने और दूसरा बयान सीआरपीसी की धारा 164 के तहत कोर्ट में देकर आरोप लगाए थे। पुलिस पोक्सो और छेड़छाड़ का मामला दर्जकर जांच कर रही थी।

ट्रेन हादसा: डीएनए परीक्षण के लिए दिल्ली भेजे गए 33 सैंपल

भुवनेश्वर, (एजेंसी)। एक शव के लिए कई दावों के बीच ओडिशा सरकार ने मृतकों की पहचान करने के लिए डीएनए परीक्षण के लिए एम्स नई दिल्ली को 33 सैंपल भेजे हैं। एक तरफ जहां कुछ शवों पर दावा करने वाला कोई नहीं है, वहीं कई शव ऐसे है, जिनपर कई लोग अपने परिवार का सदस्या होने का दावा कर रहे हैं। भुवनेश्वर की मेयर सुलोचना दास ने कहा कि चूंकि शव बहुत बुरी स्थिति में हैं, इसलिए परिवार के सदस्यों को पहचान करने में भी मुश्किल हो रही है।

मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, सुलोचना ने कहा, हम सभी प्रयास कर रहे हैं ताकि रिश्तेदारों को परेशानी मुक्त तरीके से अपने प्रियजनों का शव मिल सके। उन्होंने बताया कि 33 शवों और उनके दावेदारों के सैंपल डीएनए परीक्षण के लिए एम्स दिल्ली भेजे गए हैं। दास ने कहा कि एक बार रिपोर्ट उपलब्ध होने के बाद, शवों को वास्तविक दावेदारों को सौंप दिया जाएगा। मेयर ने आगे कहा कि अन्य अस्पतालों की मोर्चरी में रखे 39 शवों को मंगलवार रात एम्स भुवनेश्वर लाया गया और अब पहचान के लिए छोड़े गए सभी 88 शवों को चार बड़े कंटेनरों में सुरक्षित रखा गया है।

पश्चिम बंगाल के एक व्यक्ति ने आरोप लगाया कि उनके बेटे का शव दो दिन पहले बिहार के किसी व्यक्ति को सौंपा गया है। कई अन्य लोग अपने प्रियजनों का पता नहीं लगा पा रहे हैं जो 2 जून को ट्रेनों में यात्रा कर रहे थे। राज्य सरकार ने एम्स और अन्य अस्पतालों में हेल्प डेस्क स्थापित किए हैं जहां यात्रियों का इलाज चल रहा है।

Filmi तड़का

बिग बी ने किया खुलासा

आखिर क्यों नंगे पैर फैंस से करते हैं मुलाकात

मुंबई, (आरएनएन)। मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने इस बात का खुलासा किया है कि वह हर रविवार को घर के बाहर नंगे पैर अपने प्रशंसकों का अभिवादन क्यों करते हैं।

अमिताभ ने अपने ब्लॉग पर अपने घर के बाहर प्रशंसकों का अभिवादन करते हुए कई तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने गर्मी की वजह से बाहर रखे पीने के पानी की तस्वीरें भी साझा कीं।

उन्होंने लिखा, मैंने महसूस किया कि वे (फैंस) इस चिलचिलाती गर्मी में घंटों इंतजार करते हैं, इसलिए प्यास बुझाने के लिए पीने का पानी उपलब्ध कराने के लिए 4 कंटेनर, 2 गेट के दोनों ओर मटके के ऊपर मटका रखा रहता है, जो दिन और रात के दौरान स्थायी रूप से होता है। स्टार ने उल्लेख किया कि वह नंगे पैर प्रशंसकों का अभिवादन क्यों करते है? मुझसे हमेशा यह पूछा जाता है कि नंगे पैर प्रशंसकों से मिलने कौन जाता है? मैं उनसे कहता हूं, मैं जाता हूं..आप मंदिर नंगे पैर जाते हैं..मेरे शुभ चिंतक मेरे लिए मंदिर के समान हैं!! मै भी अपने भगवान से मिलने मंदिर जाता हूं, वह भी बगैर चप्पल पहने।

मंदिर के अंदर कृति सेनन को किस कर घिरे 'आदिपुरुष' के डायरेक्टर ओम

मुंबई, (आरएनएन)। फिल्म आदिपुरुष पिछले कई महीनों से काफी चर्चा का विषय बनी हुई है। ओम राउत के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने सबका ध्यान खींचा है। इस फिल्म में प्रभास श्रीराम का तो कृति सेनन सीता की भूमिका निभाने वाली हैं। जैसे-जैसे इस फिल्म की रिलीज डेट नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे इस फिल्म के स्टारकास्ट से जुड़ी कई खबरें सामने आ रही है। वहीं इस फिल्म के रिलीज होने से पहले निर्देश ओम राउत फिल्म की टीम के साथ 7 जून को तिरुमाला वेंकटेश्वर मंदिर पहुंचे थे। ओम राउत के साथ एक्ट्रेस कृति सेनन ने भी मंदिर पहुंची थीं। ओम राउत के मंदिर दर्शन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो के कारण निर्देशक ट्रोलर्स के निशाने पर आ गए हैं। दरअसल, इस वीडियो में ओम राउत एक्ट्रेस कृति सेनन को तिरुमाला मंदिर के प्रांगण में किस करते और गले मिलते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो में आदिपुरुष की टीम मंदिर के प्रांगण में खड़ी दिखाई दे रही है। वीडियो में कृति सबसे विदा लेते नजर आ रही हैं। इसी बीच ओम राउत कृति को गले मिलते और गाल पर किस करते हैं। सोशल मीडिया यूजर्स मंदिर के अंदर ऐसा अफेक्शन दिखाने पर सवाल उठा रहे हैं। मंदिर एरिया में इस तरह की हरकत करने पर सोशल मीडिया यूजर्स निर्देशक और एक्ट्रेस पर आपत्ति जता रहे हैं। लोगों का कहना है कि मंदिर के पास इस तरह की हरकत ने उनकी धार्मिक आस्था और भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। यह पश्चिम कल्चर है, जो बॉलीवुड में बेहद आम हो चुका है। वहीं वायरल हो रहे इस वीडियो की आंध्र प्रदेश के बीजेपी राज्य सचिव रमेश नायडू ने भी निंदा की है। इस मुद्दे पर बोलते हुए रमेश नायडू ने एक ट्वीट किया था, जिसे उन्होंने अब डिलीट कर दिया है। वीडियो की एक क्लिप शेयर करते हुए रमेश नायडू ने लिखा था, क्या पवित्र जगह पर ऐसी हरकतें करना जरूरी है?

कृति की कमर पकड़ने में झिझक रहे थे प्रभास, वीडियो ने जीता फैंस का दिल

आदिपुरुष के एक प्रमोशनल इवेंट का वीडियो इंटरनेट पर जमकर वायरल हो रहा है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि प्रभास कृति सैनन की कमर पर हाथ रखने में झिझक रहे हैं। ट्रेलर लॉन्च के वीडियो ने जीता फैंस का दिल। फिल्म आदिपुरुष की रिलीज से चंद दिन पहले मेकर्स ने इस फिल्म का दूसरा ट्रेलर रिलीज किया और इस मेगा इवेंट में शो की स्टार कास्ट से लेकर मेकर्स तक सभी मौजूद रहे। इवेंट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें प्रभास कृति सैनन और ओम राउत के साथ तस्वीरें खिंचवा रहे हैं। क्राउड के सामने की तरफ से सभी साथ में खड़े नजर आ रहे हैं लेकिन पीछे की तरफ से कैमरे ने कुछ ऐसा रिकॉर्ड किया जो साबित करता है कि कैसे प्रभास एक परफेक्ट हसबैंड मैटेरियल हैं।

कुख्यात माफिया संजीव जीवा की कोर्ट में गोली मारकर हत्या

एक हत्यारा गिरफ्तार, बच्ची भी मारी गई

लखनऊ ■ ब्यूरो

उप्र की राजधानी के वजीरगंज थाना क्षेत्र में वकील की ड्रेस में आए कुछ बदमाशों ने लखनऊ की कचहरी में पेशी पर आए गैंगस्टर संजीव माहेश्वरी उर्फ संजीव जीवा की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। मुख्तार अंसारी का करीबी संजीव जीवा इस समय कृष्णानंद राय की हत्या के मामले में लखनऊ जेल में बंद है और बुधवार को लखनऊ में पेशी पर आने पर वकील की ड्रेस में आए बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी है।

हमलावर जौनपुर के केराकत निवासी विजय यादव ने बुधवार को वकील की ड्रेस में एससी-एसटी कोर्ट में मुख्तार के शूटर जीवा की गोली मारकर हत्या कर दी।

घटना के बाद लखनऊ की कचहरी में इस समय अफरा-तफरी का माहौल था। एक बच्ची की भी गोली लगने से मौत हो गई और चार-पांच लोग घायल हो गए, जिसमें एक पुलिसकर्मी भी शामिल है जिसके बाद वकीलों ने कचहरी में हंगामा और पथराव किया। वकीलों ने हत्यारोपी को बुरी तरह से घायल कर दिया है। पुलिस उसे वकीलों से बचा कर ले गई है। संजीव जीवा मुजफ्फरनगर का मूल निवासी था। बताया जाता है कि संजीव जीवा की बुधवार को लखनऊ की एससी-एसटी कोर्ट में पेशी पर आया था जहां चार-पांच बदमाशों ने वकील की ड्रेस में आकर अदालत में घुसकर उस गोली मारकर हत्या कर दी। एससी एसटी कोर्ट के न्यायाधीश नरेंद्र कुमार की कोर्ट में बुधवार को पेशी हुई थी, जहां वकीलों के भेष में आए बदमाशों ने कोर्ट में घुसकर संजीव जीवा की हत्या की। कोर्ट में चारों तरफ खून बिखरा हुआ था।

भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने नोएडा में टिफिन पर की चर्चा

नोएडा, (आरएनएन)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने नोएडा में पदाधिकारियों के साथ अपना टिफिन शेयर करके बैठक की। इस मौके पर जेपी नड्डा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक स्वाभाविक है, इसमें प्रधानमंत्री के सुझाव पर ऐसी बैठकों को टिफिन बैठक में तब्दील किया है, जिसमें सभी कार्यकर्ता अपने घर से टिफिन लेकर आते हैं। सामूहिकता में चर्चा होती है। पार्टी को कैसे मजबूत किया जाए, इस पर बात होती है। पीएम मोदी के कार्यों को किस तरह जनता के बीच ले जाएंगे उसकी चर्चा करते हैं।

अमेरिका जाते वक्त इमरजेंसी लैंडिंग हुई थी, एअर इंडिया ने दूसरी फ्लाइट भेजी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रूस के मगदान में फंसे भारतीय यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। यहां शाकाहारियों को खाने के नाम पर सूप और रोटी दी गई साा ही सभी यात्रियों को जमीन पर सोने के लिए मजबूर होना पड़ा। ये यात्री मंगलवार को नई दिल्ली से अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को के लिए एअर इंडिया की फ्लाइट से रवाना हुए थे। इंजन में खराबी के कारण रूस के मगदान एयरपोर्ट पर इस फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई थी। अब यात्रियों को सैन फ्रांसिस्को पहुंचाने के लिए एअर इंडिया की फ्लाइट मुंबई से रवाना हुई है।

रूस में भारतीय यात्रियों को सूप-रोटी मिली, जमीन पर सोए

अमेरिका फ्लाइट पर रखे है नजर

अमेरिकी सरकार ने भी कहा कि वह फ्लाइट डायवर्ट की स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए है। अमेरिकी फॉरेन डिपार्टमेंट के प्रिंसिपल डिप्टी स्पोक्सपर्सन वेदांत पटेल ने कहा कि यह नहीं पता कि विमान में कितने अमेरिकी नागरिक थे। यह फ्लाइट सैन फ्रांसिस्को आ रही थी, जाहिर है इसमें कुछ अमेरिकी भी होंगे।

भाजपा के खिलाफ 23 जून को पटना में होगा विपक्ष का जमावड़ा

नई दिल्ली, (आरएनएन)। लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर भाजपा के खिलाफ सभी राजनीतिक दलों की प्रस्तावित बैठक की नई तारीख तय कर ली गई है। पटना में 23 जून को सभी राजनीतिक दलों की महाबैठक होगी।

जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष लल्लन सिंह ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, 12 जून को पटना में विपक्षी दलों की एक बैठक आयोजित की गई थी, लेकिन उस दिन कई नेताओं को इसमें शामिल होने पर असुविधा हो रही थी।

अब 23 जून को पटना में विपक्षी दलों की बैठक होगी। इसे लेकर सभी दलों में सहमति बन गई है। बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने लोकसभा चुनाव के मद्देनजर विपक्ष को एकजुट करने की जिम्मेदारी ली है। इसके लिए वह एक-एक कर राजनीतिक दलों के प्रमुखों से मुलाकात कर रहे हैं।

विपक्षी नेताओं को एकजुट करने नीतीश कुमार ने संभाली कमान

बैठक में कांग्रेस पार्टी से मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी ने शामिल होने की सहमति दे दी है। साथ ही बंगाल सीएम ममता बनर्जी, यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव, झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन, उद्धव ठाकरे, एनसीपी प्रमुख शरद पवार, तमिलनाडु के सीएम स्टालिन, दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल, सीपीआई के सचिव डी राजा, सीपीएम सीताराम येचुरी, माले सचिव दिपांकर भट्टाचार्य ने भी मीटिंग में शामिल होने की सहमति दे दी है।

मोदी राज के 9 साल पूरे के उपलक्ष्य में हुआ व्यापारी सम्मेलन व संवाद कार्यक्रम

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व मे सेवा सुशासन और गरीब कल्याण हेतु सरकार के 09 साल पूर्ण होने के उपलक्ष में व्यापारी सम्मेलन एवम संवाद कार्यक्रम तहसील मुहम्मदाबाद अन्तर्गत सलेमपुर स्थित उषा मैरिज हॉल में संपन्न हुआ । कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि त्रिवेंद्र सिंह रावत पूर्व मुख्यमंत्री उत्तराखंड ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवम अन्य महापुरुषों के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। कार्यक्रम में मंच पर आसीन मुख्य अतिथि एंव विशिष्ट अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ एवम बुके देकर स्वागत किया गया । इस अवसर पर परिवहन मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार दयाशंकर सिंह ने दो बसों के संचालन की घोषणा की । जो बलिया से मुहम्मदबाद ,पखनपुरा होते हुए पूर्वांचल एक्सप्रेस वे के माध्यम से लखनऊ के लिए जाएगी एवं एक बस जो मुहम्मदाबाद से पखनपुरा से पूर्वांचल एक्सप्रेस वे से होते हुए लखनऊ के लिए रवाना होगी।

कार्यक्रम में परिवहन मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार दयाशंकर सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी देश के ही नहीं बल्कि दुनिया के सबसे मजबूत प्रधानमंत्री के रूप में उभरे हैं आज विदेशों में माननीय प्रधानमंत्री जी का डंका बज रहा है जिसका रिजल्ट भी आपको देखने को मिल रहा है।उन्होंने कहा कि 2024 में माननीय प्रधानमंत्री जी के जीत की सुनामी आएगी।

राज्यसभा सांसद नीरज शेखर जी ने अपने संबोधन में कहा कि पार्टी की जीत के लिए व्यापारी वर्ग का बड़ा ही योगदान रहा है। बलिया में 6 सीट पर भारतीय जनता पार्टी की जीत हुई है। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी ने 9 साल के अंदर समाज के विकास के लिए कार्य किये है इसे यही नहीं रोकना और आगे बढ़ाना है।

बलिया सांसद वीरेंद्र सिंह जी ने अपने संबोधन में रोजगार एवं सुरक्षा के मसले पर विस्तृत जानकारी दी उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से किसान, युवा, नौजवान, वृद्ध से संवाद कर उनके उनकी समस्याओं को जानकर उसका निस्तारण किया जा रहा है। आज के इस संवाद कार्यक्रम में सरकार की जो भी

योजनाएं हैं छोटे दुकानदारों के लिए है उसे इस योजना का लाभ मिले। लेकिन पहले मोहम्मदाबाद के व्यापारियो को पैसे और पिस्तौल के दम पर भ्रमित कर उन्हें दबाने का कार्य किया गया लेकिन आज योगी के सरकार में गुंडा माफिया अपनी जान की भीख मांग रहे हैं।इसका आज आप स्वयं प्रमाण हैं ।हम श्यामा प्रसाद मुखर्जी के कथन पर चलने वाले लोग हैं और श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बताए रास्ते पर चलकर प्रधानमंत्री ने सपनों का भारत बनाने के रास्ते पर चल पड़े हैं। आज पूरब से पश्चिम तक पिस्तौल के दम पर शासन चलाने वाले और आतंक फैलाने वाले लोग या तो मिट्टी में मिल गए हैं या अपनी जान की भीख मांग रहे है।कानून का शासन आज भी हैऔर भविष्य में भी रहेगा । अब श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपनों का भारत का सपना संपन्न होगा ।यह युवाओं किसानों और नौजवानों का भारत होगा। मुख्य अतिथि माननीय पूर्व मुख्यमंत्री उत्तराखंड त्रिवेंद्र सिंह रावत जी ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि मेरा सौभाग्य है की आज आपके बीच में मुझे आने का मौका मिला ।उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की केंद्र की सरकार के 9 वर्ष हो रहे हैं और उत्तर प्रदेश सरकार का भी 6 वर्ष का कार्यकाल पूर्ण हुआ। सरकार को जनता चुनकर भेजती है ,और इसलिए सरकार का यह दायित्व बनता है की पूर्ण पारदर्शिता के साथ सबके लिए काम करें।हमारे प्रधानमंत्री जी ने सबका साथ सबका विकास और सब के प्रयास से देश को आगे बढ़ाने का कार्य किया है। पारदर्शी सरकार का सीधा सीधा मतलब है कि सरकार जो काम कर रही है उसका हिसाब किताब मांगने का अधिकार हर मतदाता को है और सरकार की जिम्मेदारी है कि वह अपना हिसाब किताब जनता के बीच में रखे । आपने हमको चुनकर भेजा है, हमने आपसे जो वायदे किए थे उसे हमने पूरा किया या नहीं किया आप उसकी सीधे समीक्षा कर सकते है। 2014 माननीय प्रधानमंत्री जी ने कहा था कि हम भ्रष्टाचार मुक्त सरकार देंगे।इससे पहले आपको याद होगा कि उस समय देश के अंदर भ्रष्टाचार के खिलाफ वातावरण बहुत तेजी पर था जिसके कारण देश के अंदर बेरोजगारी एवम महंगाई चरम पर थी। हमारे प्रधानमंत्री जी ने कहा कि देश की जनता ने भारतीय जनता पार्टी के ऊपर विश्वास किया है ।आज मोदी सरकार में गांव और शहरो में विकास का कार्य हुआ है। शहर ठीक रहेंगे तभी गांव भी ठीक रहेंगे।उन्होंने कहा कि शहरों का विकास शहरी ग्रोथ रेट और गांव का विकास गांव की ग्रोथ रेट पर चलना चाहिए इसमें बहुत ज्यादा अंतर नहीं होना चाहिए। कार्यक्रम में पूर्व विधायक कालीचरण राजभर भाजपा जिला अध्यक्ष बलिया ब्लाक प्रमुख भांवरकोल प्रतिनिधि आनंद राय एवं अन्य पार्टी पदाधिकारी गण उपस्थित रहे संचालन व्यापार मंडल के संदीप गुप्ता एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता श्याम सुंदर अग्रवाल ने किया।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति संचालन के लिए केंद्रीय विद्यालय 39 जीटीसी को बनाया गया नोडल केंद्र

प्रखर वाराणसी। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लेकर देश में तमाम कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। जिसको लेकर शिक्षा मंत्रालय केंद्र सरकार द्वारा जनपद स्तर पर जी-20, राष्ट्रीय शिक्षा नीति और बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मकता से संबंधित जनभागीदारी कार्यक्रम के संचालन हेतु केंद्रीय विद्यालय संगठन वाराणसी संभाग द्वारा केंद्रीय विद्यालय 39 जीटीसी वाराणसी को नोडल केंद्र बनाया गया है। बता दें कि उक्त कार्यक्रम में जनपद वाराणसी के सीबीएसई, यूपी बोर्ड, ऐडेड/ प्राइवेट विद्यालय, राज्य सरकार के विद्यालयों के बच्चो, शिक्षकों व अभिभावकों के लिए 1 जून 2023 से 15 जून 2023 तक जन सहभागिता जागरूकता के तहत विविध कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। बताते चलें कि बीते एक हफ्ते में जन सहभागिता जागरूकता के तहत आर्ट एवं क्राफ्ट, फिल्म शो, शिक्षा नीति 2020 पर आधारित प्रश्नोत्तरी, खिलौना आधारित स्टोरी मेकिंग प्रतियोगिता, दृश्य- श्रव्य शिक्षण सामग्री का उचित प्रयोग व काव्य पाठ का आयोजन किया जा चुका है। आगे कार्यक्रम के तहत केंद्रीय विद्यालय 39

जीटीसी के परिसर में 9 जून 2023 को एक दिवसीय जी-20 अध्यक्षता जागरूकता राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मकता कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में डॉक्टर अजय कुमार मिश्रा उपायुक्त केंद्रीय विद्यालय संगठन वाराणसी प्रतिभाग करेंगे। वही मुख्य वक्ता के रूप में डॉक्टर रचना श्रीवास्तव प्राचार्य वसंत कन्या महाविद्यालय गुरूबाग कमछा वाराणसी को भी आमंत्रित किया गया है। उक्त कार्यशाला में वाराणसी जनपद में स्थित सभी केंद्रीय विद्यालयों एवं वाराणसी जनपद के समस्त ब्लाक (खंड) से लगभग एक सौ अध्यापकों एवं शिक्षाविदों को आमंत्रित भी किया गया है। वही विशेष आमंत्रित सदस्यों के रूप में सदस्य डॉ अरविंद कुमार पाठक जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी जनपद वाराणसी भी जन सहभागिता कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। बता दें कि उक्त जनपद स्तरीय जनसहभागिता कार्यक्रम के नोडल अधिकारी केंद्रीय विद्यालय 39 जीटीसी के प्राचार्य बैरिस्टर पांडे के नेतृत्व में सभी कार्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। इनके साथ सहयोग में एम. हसन मुख्य अध्यापक, के.एन. तिवारी शिक्षक सदस्य के रूप में प्रतिदिन कार्यक्रम को ऑनलाइन/ ऑफलाइन माध्यम से क्रियान्वित कर रहे हैं।

रोटरी क्लब बनारस का 79वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। रोटरी क्लब बनारस का 79वां स्थापना दिवस सिगरा स्थित एक होटल में धूमधाम से मनाया गया, मुख्य अतिथि के रूप में डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रो. अनिल अग्रवाल जी और फर्स्ट लेडी ऑफ डिस्ट्रिक्ट कविता अग्रवाल जी मौजूद रहीं और आज ही गवर्नर साहब ने क्लब का ऑफिशियल क्लब विजिट भी किया और पूरे साल जो भी कार्य क्लब द्वारा किए गए थे उनका ब्यौरा लिया` रोटरी क्लब बनारस की स्थापना 7 जून 1945 को सर्वपल्ली श्री राधा कृष्णन जी द्वारा की गई थी तब से लेकर आज तक निरंतर क्लब द्वारा समाज सेवा के उत्कृष्ट कार्य किए जा रहे हैं क्लब की स्थापना दिवस के मौके पर 12 जरूरतमंद महिलाओं को सिलाई मशीन फुट रेस्ट के साथ प्रदान की गई कार्यक्रम की शुरूआत में क्लब अध्यक्ष रो नीरज अग्रवाल ने सभी अतिथियों का स्वागत और अभिनंदन किया तथा क्लब के सभी सदस्यों को बधाई देने के साथ ही बताया कि हमें गर्व है कि हम इस महान रोटरी क्लब बनारस के सदस्य हैं कार्यक्रम का संचालन रो. मुकेश पाठक और रो. मनीष पांडे ने किया और अंत में धन्यवाद ज्ञापन रो. डॉ कर्म राज सिंह ने दीया। आज के इस अवसर पर रो. राजीव पांडे, रो. विनीता पांडे, रो. विजय जयसवाल, रो. नारायण सिंह बग्गा, रो. रुपेश शर्मा, रो. राजीव कुमार, रो. वीरेंद्र गुप्ता, रो. डॉ. शशीकांत दिक्षित, रो. सुनील पारीख, रो. डॉ एम के गुप्ता रो. विपुल श्रीवास्तव, रो. मानसी श्रीवास्तव, रो. डॉ शशिकांत सिंह, रो. डॉ भरत भार्गव, रो. राकेश कोचर, रो. दीपक श्रीवास्तव, रो. मुदित अग्रवाल सहित सभी अन्य मेंबरों ने सपरिवार कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

योगी मोदी जिंदाबाद के नारे के साथ मछुआरा समाज ने की आरक्षण की मांग

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। बुधवार को निषाद मछुआरा समाज के लोगों ने जिला मुख्यालय पर पहुंचकर अपने समाज के आरक्षण की मांग के लिए जिलाधिकारी कार्यालय पर पहुंच गए। इस दौरान सभी लोग आरक्षण की मांग के साथ ही योगी, मोदी जिंदाबाद और जय श्रीराम के नारे भी लगा रहे थे। निषाद पार्टी के कार्यकर्ता कसरवार आंदोलन की आठवीं बरसी पर स्मृति दिवस के उपलक्ष में पदयात्रा करते हुए जिला अधिकारी कार्यालय पहुंचे थे। यह लोग मछुआरा समाज की एकता और अखंडता के प्रतीक कसरवार आंदोलन के साथ ही पूर्व की सरकार की विफलता और मछुआ विरोधी होने का प्रतीक बताते हुए उस आंदोलन को बताया। निसार मछुआरा समाज के जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश ने बताया की निषाद समाज ने अपने हक तथा अधिकारों के लिए किसी भी परिस्थिति में झुकना नहीं सीखा। क्योंकि झुकने से हम कायर, और लड़ने से शहीद हो जाते हैं। उन्होंने बताया कि इसी आरक्षण की मांग

को लेकर अखिलेश निषाद ने अपनी शहादत दी थी। और उनकी शहादत को हम हर वर्ष 7 जून को याद करते हैं। और आरक्षण की मांग के लिए डॉक्टर संजय निषाद के आवाहन पर आज प्रधानमंत्री गृह मंत्री और मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा गया है।

ईट भट्टे की कुछ दूरी पर मुनीम की हत्या

प्रखर मिजार्पुर। चुनार थाना क्षेत्र के महमदपुर (दयालपुर) गांव में बीती रात 60 वर्षीय ईट भट्टे पर काम करने वाले मुनीम की हत्या। प्राप्त सूचना के अनुसार रात्रि थाना चुनार क्षेत्रातर्गत ग्राम नवीबरी दयालपुर में एक व्यक्ति के शव मिलने की सूचना प्राप्त हुई। प्राप्त सूचना पर पुलिस उच्चाधिकारी व थाना चुनार पुलिस बल द्वारा मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त कराई गई तो मृतक की पहचान मोहम्मद मजीद पुत्र मोहम्मद सफीक निवासी दयालपुर नवाबारी उम्र करीब 55 वर्ष के रूप में हुई। मृतक मां मार्का ईंट भट्ठे पर मुनीम का कार्य करता था। थाना चुनार पुलिस द्वारा मृतक के शव को कब्जें में लेकर तथा परिजनों से तहरीर प्राप्त कर अभियोग पंजीकृत किया गया है,नियमानुसार अग्रिम वैधानिक कार्यवाही किया गया।

महाराजा सुहेलदेव के शौर्य दिवस की तैयारियां चरम पर, राज्यमंत्री अनिल राजभर ने किया प्रेस कॉन्फ्रेंस

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। भारतीय जनता पार्टी आगामी 10 जून को गाजीपुर के आरटीआई मैदान में महाराजा सुहेलदेव का भव्य शौर्य दिवस मनाने जा रही है। बताते चले की इस आशय की खबर प्रखर पूर्वांचल के 4 जून के अंक में छापी गई थी जिसमे शौर्य दिवस के तैयारियों में राज्य मंत्री अनिल राजभर ने तूफानी दौरा कर जखानिया विधान सभा के कई गावों में जनसंपर्क व जनसभा की थी।इसकी सूचना आज गुरुवार को उत्तर प्रदेश सरकार के श्रम और सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर ने मीडिया से साझा की। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि इस रैली के माध्यम से हम जन जन तक और समाज के लोगों तक सरकार की उपलब्धियों को भी पहुंचाएंगे, उन्होंने कहा कि आज देश में और प्रदेश में सुशासन और कानून का राज है, सरकारी योजनाएं हर गरीब को मिल रही हैं। वहीं अरविंद केजरीवाल और अखिलेश यादव के

संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस और मीटिंग पर उन्होंने कहा कि यह वही केजरीवाल है जिन्होंने कोरोना काल में जनता को दिल्ली के बॉर्डर पर मौत के मुंह में छोड़ दिया था, और हमारी सरकार के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन सबको घर तक पहुंचाने का काम किया, उन्होंने कहा कि आज अखिलेश यादव और अरविंद केजरीवाल से किसी विकास की और सकारात्मक सहयोग की भी उम्मीद नहीं की जा सकती, उन्होंने हाल में लखनऊ में हुए संजीव महेश्वरी जीवा के हत्याकांड पर कहा कि यह जांच का विषय है और जल्द ही इसमें जांच भी कराई जाएगी कि वह कौन लोग हैं जिन्हें प्रदेश में अमन-चैन अच्छा नहीं लग रहा है। उनका निशाना विपक्षी पार्टियों और नेताओं पर था वहीं उन्होंने ओमप्रकाश राजभर से भारतीय जनता पार्टी की बढ़ती नजदीकियों पर कहा कि, वह कंफ्यूज हैं और एकमत होकर कोई भी फैसला नहीं ले पाते और जिस बात की चर्चा आप लोग हमसे कर रहे हैं, इसका फैसला शीर्ष नेतृत्व करता है।

नौसिखिये ढहा रहे बड़े माफियाओं का साम्राज्य

प्रखर जौनपुर। प्रयागराज के नामी माफिया अतीक अहमद व उसके भाई अशरफ की पुलिस कस्टडी में मौत के घाट उतारने की वारदात हो या लखनऊ में पेशी के दौरान भरी कचहरी में कुख्यात बदमाश संजीव जीवा पर गोलियों की बौछार की घटना, दोनों को

कुख्यात संजीव जीवा का भी भरी कचहरी में नये लड़के ने किया काम तमाम

किसी नामी-गिरामी शूटरों ने अंजाम नहीं दिया। दोनों वारदातों में नये और नौसिखिये शूटरों का इस्तेमाल किया गया। दरअसल बाबा के बुलडोजर के खौफ से बड़े शूटर किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने से कतरा रहे हैं। माफियाओं का सफाया करने के लिए जरायम की नई पौध का सहारा लिया जा रहा है। बीते 15 अप्रैल को प्रयागराज में जब मीडिया कर्मी के भेष में तीन नये लड़कों ने माफिया अतीक अहमद व उसके भाई अशरफ को ताबड़तोड़ गोली मारकर मौत की नींद सुला दिया तो उनका आपराधिक इतिहास एवं कनेक्शन खंगाला जाने लगा। छानबीन में तीनों नये शूटर निकले। आरोपी लवलेश तिवारी, सनी सिंह और अरूण मौर्य का कोई खास आपराधिक कनेक्शन सामने नहीं आया। तीनों लड़कों ने अतीक अहमद के माफिया राज का पलभर में अंत कर दिया। पुलिस कस्टडी में मेडिकल कराने के दौरान अस्पताल के बाहर हुई दुस्साहसिक वारदात से सनसनी फैल गई थी। सरकार व सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गये थे। इस जघन्य वारदात के बाद पुलिस का बयान सामने आया कि तीनों मशहूर होने के लिए अतीक का एनकाउंटर किए।

फिर से... सुर्खियों में आया जौनपुर– उत्तर प्रदेश में 7 जून को जब लखनऊ में एक मामले में पेशी के दौरान मुख्तार अंसारी गैंग के

सुल्तानपुर गांव में हत्यारे के बारे में पूछताछ करती पुलिस

शूटर विजय यादव

कुख्यात शूटर संजीव माहेश्वरी उर्फ जीवा की गोली मारकर हत्या कर दी गई तो माफिया अतीक अहमद व उसके भाई के एनकाउंटर की यादें ताजा हो गई। वहां हमलावर मीडिया कर्मी के भेष में आये थे और यहां वकील की ड्रेस में थे। वहां भी तीनों हमलावर 20 से 25 वर्ष की उम्र के थे। यहां भी करीब 20-21 वर्ष का लड़का। वहां तीनों ने खुद को सरेंडर कर दिया तो लखनऊ में वकीलों ने उसे दबोच लिया। जीवा को मौत के घाट उतारने वाले का नाम विजय यादव है। वह जौनपुर के केराकत कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत सरकी सुल्तानपुर गांव का निवासी है।

विजय यादव के घर पर जौनपुर पुलिस की पूछताछ जारी– प्रदेश की राजधानी को अपनी गोलियों से थर्राने वाले इस नये शूटर के कारनामें से जौनपुर जनपद सुर्खियों में आ गया। पुलिस इसका आपराधिक इतिहास खंगालने में जुट गई। सर्किल असफर सहित केराकत कोतवाली पुलिस टीम उसके घर पहुंच गई। पूछताछ में पता चला कि विजय यादव के खिलाफ वर्ष 2016 में सिर्फ एक नाबालिग लड़की को भगाने का आरोप है। उसके पिता श्यामा यादव ने बताया कि विजय मुंबई में टाटा कंपनी में काम करता था। वहां से नौकरी छोड़कर घर चला आया। डेढ़ माह बाद रोजगार के सिलसिले में लखनऊ गया था। बीते 10 मई को मामा की लड़की शादी में आया था। फिर अगले ही दिन वापस चला गया। उसके बाद से कोई बातचीत नहीं हुई। मिलाने पर मोबाइल नंबर बंद बता रहा था। विजय यादव द्वारा कुख्यात शूटर जीवा को गोलियों से छलनी करने की खबर से स्वजन सहित गांव वाले भी अचंभित हैं। उन्हें विश्वास ही नहीं हो रहा कि विजय यादव इतनी बड़ी घटना को अंजाम दे सकता है। मुंबई में एक कंपनी में काम करने वाला 20 साल का लड़का कब और कैसे शूटर बन गया यह तो पुलिस की जांच में सामने आयेगा।

कुख्यात माफियाओं के अंत के लिए नौसिखियों का लिया जा रहा है सहारा– फिलहाल दोनों घटनाओं से एक बात साफ है कि कोई 'अदृश्य शक्ति' है जो माफियाओं के साम्राज्य का खात्मा चाहता है। बड़े शूटरों द्वारा इनकार करने पर कुख्यात माफियाओं के अंत के लिए नौसिखियों का सहारा ले रहा है। उन्हें अत्याधुनिक व मंहगे हथियार मुहैया करा रहा है। यह 'अदृश्य शक्ति' जरायम की दुनिया का भी हो सकता है और कानून व्यवस्था संभालने वाले विभाग का भी।

संक्षिप्त खबरें

पुलिस अधीक्षक ने किया कई पुलिस कर्मियों का तबादला

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने जनपद में कानून व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त रखने के लिए कई पुलिस कर्मियों के कार्य क्षेत्र में परिवर्तन किया है। जिसके अनुसार जहाँ दुल्हपुर थानाध्यक्ष प्रवीण कुमार यादव को खानपुर की कमान दी है, वही जंगीपुर से अशोक कुमार मिश्रा को दुल्हपुर भेजा है। अमित कुमार पांडेय को विशेश्वरगंज चौकी से जंगीपुर थाने की कमान दी गई है। वही महेंद्र कुमार यादव को जमानियाँ से अतिरिक्त निरीक्षक कासिमाबाद तथा मो० सरवर को कासिमाबाद से अतिरिक्त निरीक्षक नन्दगंज भेजा गया है।

जमानिया पुलिस ने चोरी की दो मोटरसाइकिल सहित दो अभियुक्तो को किया गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर ओमवीर सिंह के आदेश के क्रम में जनपद में हो रहे अपराध को रोकने हेतु अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के कुशल निर्देशन में व क्षेत्राधिकारी जमानिया के निकट पर्यवेक्षण में आज गुरुवार को उप निरीक्षक सुनील कुमार शर्मा मय टीम के साथ क्षेत्र के देखभाल व चेकिंग संदिग्ध वाहन व व्यक्ति में, नईबाजार चौक मे मामूर थे कि मुखबिर की खास सूचना पर तलाशपुर बार्डर के पास अभियुक्त राहुल यादव पुत्र राजू यादव निवासी ग्राम लमुई थाना जमानियां, जनपद गाजीपुर उम्र करीब 20 वर्ष तथा सुनील यादव पुत्र कालिका यादव निवासी ग्राम लमुई थाना जमानियां, जनपद गाजीपुर उम्र करीब 19 वर्ष को गिरफ्तार किया गया तथा उनके पास से चोरी की दो अदद मोटरसाइकिल बरामद किया गया। जिसके सम्बन्ध में स्थानीय थाना पर मुकदमा पंजीकृत कर अभियुक्तगण को न्यायलय के समक्ष पेश करने हुते रवाना किया गया। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक सुनील कुमार शर्मा थाना जमानियाँ, हेड कांस्टेबल राजेन्द्र प्रसाद दूबे थाना जमानियाँ, हेड कांस्टेबल दिलीप कुमार थाना जमानियाँ, कांस्टेबल शिवशंकर यादव थाना जमानियाँ, कांस्टेबल विकास गोड़ थाना जमानियाँ, कांस्टेबल बाबूल अली थाना जमानियाँ, कांस्टेबल प्रदीप कुमार थाना जमानियाँ, कांस्टेबल रवीन्द्र कुमार थाना जमानियाँ जनपद गाजीपुर शामिल रहे।

समोपुर गांव में भी पेयजल के लिए मचा है हाहाकार, घर से दूर सुबह से शाम तक पानी ढोते है ग्रामीण

प्रखर जौनपुर। जफराबाद क्षेत्र के समोपुर गांव में इस समय पेयजल की समस्या खड़ी हो गयी है। पेयजल के लिए लोगों में हाहाकार मचा हुआ है। ज्ञात हो गांव बोरिंग का पानी खारा मिलता है।इस लिए चार दशक पूर्व हौज में एक ओवरहेड टँकी की स्थापना की गई।उससे दर्जनों गांवों में पेयजल का समाधान उस समय हो गया था।समय के साथ बढ़ती आबादी को देखते हुए मुरारपुर में एक और ओवरहेड टँकी बनवाई गई।उसके बावजूद आबादी के हिसाब से पानी नही मिल पा रहा है।इस समय जो पानी आ रहा है।उसकी धार बहुत कम है।हर घर हर पुरवे तक पानी नही पहुंच पा रहा है।इस लिए तड़के सुबह से ही लोग पानी के लिए डिब्बे लेकर घर से दूर निकल जाते है।गांव के लोगों में हाहाकार मचा हुआ है।गांव के बृजभान चौहान ने बताया कि डेढ़ वर्ष से पानी की किल्लत चल रही है।परंतु गर्मी में यह चरम पर हो गयी है।पेयजल के लिए बूढ़े बच्चे तक परेशान है।लोग दूर दूर जाकर पेयजल का इंतजाम कर रहे है।गांव की महिलाओं ने अधिकारियों से पेयजल के समाधान की मांग किया है।

सेवा ब्रिगेड फाउंडेशन ने वीमो में रक्तदान शिविर का आयोजन किया

प्रखर डेस्क। सेवा ब्रिगेड फाउंडेशन ने वीमो , प्लम और इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी कर्नाटक के सहयोग से वीमो कोरमंगला में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। सेवा ब्रिगेड फाउंडेशन के अध्यक्ष प्रवीण कुमार पांडेय ने बताया कि लगभग 30 लोगों ने रक्तदान किया। सेवा ब्रिगेड के सदस्य निष्ठा सिंह, दिलीप मिश्रा राजनंदिनी सरकार बिपिन झा ने रक्तदान

शिविर के आयोजन में मदद की प्रवीण पाण्डेय ने वीमो के गया शंकर आचार्य, प्लम के अंकित माथुर और इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी के शंकर को समन्वय के लिए धन्यवाद दिया।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं